केंद्र और राज्य शासन से विज्ञापन के लिए अनुमोदित

राष्ट्रीय हिन्दी दैनिक

16 वर्षों से निरंतर....

Website:- www.malwaherald.com

RNI No. MPHIN/2010/33238
dainikmalwaherald@yahoo.com
malwaherald@gmail.com

मालवा हेराल्ड

वर्ष : 16 अंक : 291 | उज्जैन, शुक्रवार 03 अप्रैल 2026 | पृष्ठ-8 मूल्य-1 रुपए

सुविचार

भागता हुआ मन समस्याओं और उलझनों की तरफ ले जाता है, ठहरा हुआ मन समाधान की तरफ ले जाता है...!!

मुख्यमंत्री डॉ. यादव और केंद्रीय मंत्री द्वय की गरिमामय उपस्थिति में आज होगा विज्ञान केंद्र का लोकार्पण समारोह

उज्जैन में 3 से 5 अप्रैल को अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन महाकाल- द मास्टर ऑफ टाईम का आयोजन होगा

उज्जैन/ दैनिक मालवा हेराल्ड।मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव, केंद्रीय शिक्षा मंत्री श्री धर्मेन्द्र प्रधान और केंद्रीय संस्कृति एवं पर्यटन मंत्री श्री गजेन्द्र सिंह शेखावत की गरिमामय उपस्थिति में उज्जैन विज्ञान केंद्र का लोकार्पण समारोह शुक्रवार 03 अप्रैल को सेक्टर-सी वसंत विहार स्थित तारामंडल में आयोजित किया जाएगा। एमपीसीएसटी के डायरेक्टर जनरल डॉ. अनिल कोठारी ने जानकारी दी कि प्रातः 10 से 10:30 बजे के मध्य उज्जैन साईस सेंटर का लोकार्पण किया जाएगा। इसके पश्चात महाकाल द मास्टर ऑफ टाईम प्रदर्शनी का शुभारंभ भी किया जाएगा। इसके साथ ही 03 दिवसीय महाकाल- द मास्टर ऑफ टाईम पर आधारित अंतर्राष्ट्रीय कांफ्रेंस का उद्घाटन भी तारामंडल परिसर में अतिथियों की उपस्थिति में होगा।

इस अवसर पर विशिष्ट अतिथि अध्यक्ष इसरो/ सचिव, भारत सरकार, अंतरिक्ष विभाग डॉ. वी. नारायणन एवं विचारक एवं लेखक श्री सुरेश सोनी, नेशनल कार्डीनेटर आई.के.एस. नई दिल्ली डॉ. गंती एस मूर्ति, राष्ट्रीय नीति आयोग के सदस्य डॉ. वी.के. सारस्वत भी समारोह में सम्मिलित होंगे।

उल्लेखनीय है कि बाबा महाकाल और सम्राट विक्रमादित्य की पावन नगरी उज्जैन, जो सहसाब्दियों से समय गणना और खगोल विज्ञान की वैश्विक धुरी रही है, एक बार फिर अंतरराष्ट्रीय स्तर पर वैज्ञानिक और बौद्धिक संगम का केंद्र बनने जा रही है। तीन दिवसीय अंतरराष्ट्रीय सम्मेलन महाकाल- The Master of Time" का आयोजन किया जाएगा। यह सम्मेलन भारतीय ज्ञान परंपरा और आधुनिक खगोल विज्ञान अंतरिक्ष विज्ञान के समन्वय का एक अनूठा मंच प्रदान करेगा, जिसमें देश-विदेश के वैज्ञानिक, खगोलविद, शिक्षाविद, शोधार्थी, नीति-निर्माता तथा अंतरिक्ष क्षेत्र से जुड़े विशेषज्ञ सहभागिता करेंगे। इस अवसर पर उज्जैन विज्ञान केंद्र का उद्घाटन भी किया जाएगा। साथ ही दो विशेष कार्यशालाओं यूएवी (अनगैन्ड एरियल व्हीकल) एवं आरसी (रिमोट कंट्रोल) तथा सैटेलाइट मेकिंग (उपग्रह निर्माण) का आयोजन किया जाएगा, जो युवाओं में तकनीकी कौशल, नवाचार और अंतरिक्ष विज्ञान के प्रति रुचि को प्रोत्साहित करेंगी।

पुरातनकाल से ही भारत ज्ञान एवं विज्ञान के क्षेत्र में अग्रणी देश होकर विश्व गुरु के पद पर प्रतिष्ठित रहा है। विश्व के प्राचीनतम नगर उज्जैन का गौरवशाली इतिहास रहा है। उज्जैन से लगभग 35 किलोमीटर दूर महिद्पुर तहसील के अंतर्गत एक छोटा सा ग्राम डोंगला प्राचीन समय से ही खगोल विज्ञान और ज्योतिष विज्ञान की दृष्टि से महत्वपूर्ण रहा है क्योंकि कर्क रेखा ग्राम डोंगला से होकर गुजरती है एवं यह वर्तमान में काल गणना का केंद्र बिंदु है।

इस सम्मेलन का मुख्य विषय महाकाल: The Master of Time" है। इस सम्मेलन में सह आयोजक के रूप में भारतीय राष्ट्रीय विज्ञान अकादमी, इंडियन इंस्टीट्यूट ऑफ टेक्नोलॉजी इंदौर, वीर भारत न्यास एवं दत्तोपंत ठेंगड़ी शोध संस्थान सहभागिता कर रहे हैं।

इस आयोजन के मुख्य उद्देश्य उज्जैन-डोंगला को विश्व के मध्यान (मेरिडियन) के रूप में स्थापित करना, विकसित भारत के लिए स्पेस इकोनॉमी का महत्व ,खगोल विज्ञान (एस्ट्रोनॉमी), खमील भौतिकी (एस्ट्रोफिजिक्स) एवं ब्रह्मांड विज्ञान (कॉस्मॉलॉजी) के क्षेत्र में अत्याधुनिक तकनीक एवं विकास, भारतीय ज्ञान परंपरा के अंतर्गत काल गणना एवं खगोल विज्ञान के क्षेत्र में कार्य करना है।

इस सम्मेलन में कार्यक्रमों के अंतर्गत मुख्य वक्तव्य, पैनल चर्चा, समानांतर सत्र, खुले सत्र, कॉर्पोरेट एवं शोध शैक्षणिक संस्थाओं द्वारा प्रस्तुत एक्सपो के अंतर्गत उपयोगी तकनीक एवं अनेक वास्तविक समाधान का प्रदर्शन, डोंगला वेधशाला शमण एवं कार्यशाला तथा प्रतियोगिताएं, अंतरिक्ष विज्ञान स्टार्टअप सम्मेलन, पुस्तक विमोचन एवं सांस्कृतिक कार्यक्रम आयोजित किए जाएंगे।

सम्मेलन के प्रमुख विषय- सम्मेलन में आधुनिक विज्ञान और भारतीय ज्ञान परंपरा के समन्वय पर विशेष फोकस रहेगा। प्रमुख विषयों में उज्जैन-डोंगला को वैश्विक मेरिडियन के रूप में स्थापित करना, विकसित भारत में स्पेस इकोनॉमी की भूमिका, खगोल विज्ञान, एस्ट्रोफिजिक्स एवं कॉस्मोलॉजी में नवीनतम तकनीक, भारतीय काल गणना पद्धति का वैज्ञानिक आधार, कालचक्र और सभ्यता का विकास, स्पेस सेक्टर एवं रक्षा रणनीतियां शामिल है।

कार्यक्रम में यह तकनीकी सत्र आयोजित होंगे

1. काल, इसका मापन एवं उज्जैन का विश्व के मेरिडियन की पुनर्स्थापना के लिए महत्व ।

2. काल चक्रः सभ्यताओं की समय एवं स्थान आधारित गतिविधियां एवं उत्पत्ति ।

3. खगोल विज्ञान एवं खगोल भौतिकी में आधुनिक प्रगति ।

बीज वक्तव्य - अन्तरिक्ष विज्ञान आधारित भारत कि रक्षा के लिए रणनीति ।

4. विकसित भारत के लिए अंतरिक्ष अर्थव्यवस्थाः राष्ट सेवा में अंतरिक्ष तकनीकियां प्रो. धवन की दृष्टि को आगामी शताब्दी के लिए पुनर्जीवित करना; भारत में निजी अंतरिक्ष क्षेत्र को विकसित करना एवं युवाओं के लिए अवसर प्रदान करना।

5. भारत में खगोल विज्ञान एवं अंतरिक्ष के क्षेत्र में शोध का वर्तमान एवं भविष्य ।

6. विषयानुसार भाची अतिविधियों एवं कार्यक्रमों के लिए पैनल चर्चा।

तकनीकी सत्रों में देश-विदेश के ख्याति प्राप्त वैज्ञानिक एवं शिक्षाविद अपना उद्बोधन देंगे। मुख्य रूप से डॉ. वी. के. सारस्वत (सदस्य, नीति आयोग), प्रो. यासुहाइड होबारा (टोक्यो), डॉ. निलेश देसाई (निदेशक - अंतरिक्ष उपयोग केंद्र, इसरो, अहमदाबाद), डॉ. प्रकाश चौहान (निदेशक राष्ट्रीय सुदूर संवेदन वेंद्र, इसरो, हैदराबाद), कर्नाटक संस्कृत विश्वविद्यालय के कुलगुरु प्रो. श्रीनिवास बाराखेडी, अशोका विश्वविद्यालय, सोनीपत के कुलगुरु प्रो. सोमनाथ चौधरी, भारतीय खगोल विज्ञान संस्थान (द्धद्ध), बेंगलुरु के निदेशक अन्नपूर्वी सुब्रमण्यम, राष्ट्रीय नवप्रवर्तन प्रतिष्ठान-भारत, गांधीनगर के निदेशक डॉ. अरविंद रनाडे, प्रो. दीपांकर बनर्जी (कुलगुरु भारतीय अंतरिक्ष विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी संस्थान, तिरुवनंतपुरम), प्रो. अनिल भारद्वाज (निदेशक, भौतिक अनुसंधान प्रयोगशाला, अहमदाबाद) एवं अन्य प्रतिष्ठित संस्थानों के वैज्ञानिक शामिल होंगे।

समानांतर सत्रों में कई कार्यशालाएं आयोजित की जाएंगी जैसे प्रथम दिवस महाविद्यालयीन छात्रों के लिए अंतरिक्ष तकनीकी (उपग्रह निर्माण) कार्यशाला, सभी प्रतिभागियों के लिए सूर्य के सनस्पॉट का सुरक्षित अवलोकन/अध्यन, मेगा साइंस एवं मेगा मिशन प्रोजेक्ट्स पर शिक्षक-छात्र संवाद कार्यक्रम एवं टेलीस्कोप द्वारा रात्रि आकाश अवलोकन

द्वितीय दिवस विद्यालयीन छात्रों के लिए आरसी प्लेन कार्यशाला एवं डोंगला में ग्रहों एवं डीप स्काई अवलोकन कार्यक्रम आयोजित किया जाएगा।

इस अवसर पर कार्यक्रम स्थल पर एक प्रदर्शनी का आयोजन भी किया जाएगा, जिसमें आमजन को काल गणना, अंतरिक्ष एवं ब्रह्मांड विज्ञान में भारतीय ज्ञान परंपरा एवं आधुनिक विज्ञान की जानकारी उपलब्ध कराई जाएगी। इस प्रदर्शनी में भारतीय ज्ञान परंपरा प्रकोष्ठ, शिक्षा मंत्रालय, भारत सरकार, सीएसआईआर, इसरो, टीआईएफआर, एमपीसीएसटी, आईआईटी इंदौर. डीआरडीओ, ब्रह्मोस एयरोस्पेस एवं अन्य संस्थाएं अपनी उपलब्धियां प्रदर्शित करेंगी। इसके अतिरिक्त भारतीय ज्ञान परंपरा एवं कालगणना से संबंधित प्रकाशित लेखन सामग्री/पुस्तकों की अंतरराष्ट्रीय स्तर की प्रदर्शनी भी आयोजित की जाएगी।

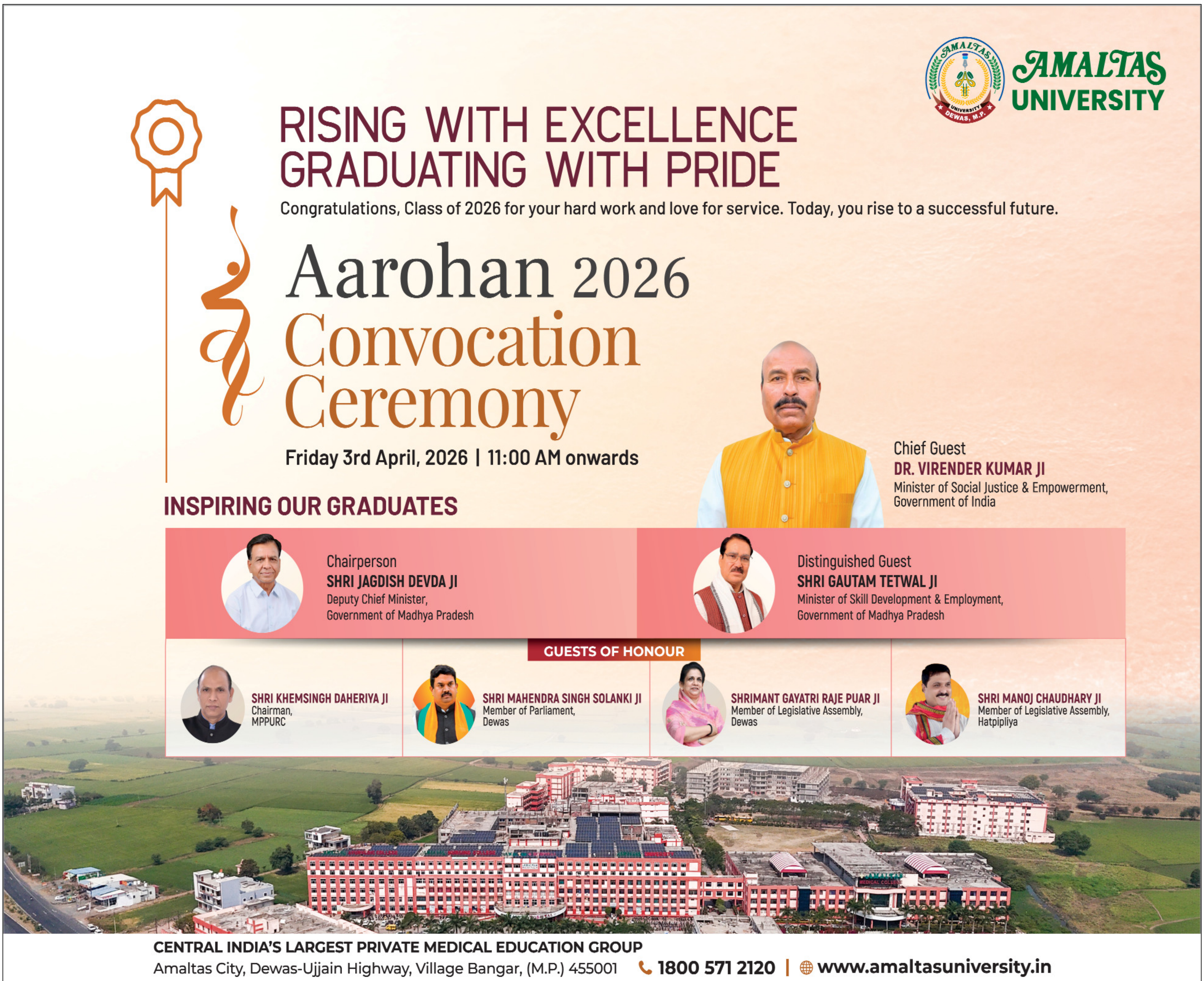

होटल मैनेजमेंट में करियर बनाने का सुनहरा अवसर

मध्यप्रदेश पर्यटन विभाग के संस्थान में सीधे एडमिशन की सुविधा

इंदौर/ हर्ष कुशवाहा/ दैनिक मालवा हेराल्ड। मध्यप्रदेश पर्यटन विभाग के अंतर्गत संचालित एवं नेशनल काउंसिल फॉर होटल मैनेजमेंट एण्ड कैटरिंग टेक्नोलॉजी (एनसीएचएमसीटी) नोएडा से मान्यता प्राप्त स्टेट इंस्टीट्यूट ऑफ होटल मैनेजमेंट (एसआईएचएम) इंदौर होटल उद्योग में करियर बनाने के इच्छुक विद्यार्थियों के लिए एक प्रमुख संस्थान के रूप में उभर रहा है। राऊ स्थित यह संस्थान जवाहरलाल नेहरू विश्वविद्यालय (जेएनयू) मान्यता प्राप्त पाठ्यक्रम प्रदान करता है। साथ ही इंदौर सबसे स्वच्छ शहर होने के साथ यहाँ सौम्य जलवायु, सुदृढ़ कानून-व्यवस्था, उत्कृष्ट कनेक्टिविटी, आईआईटीङ्कआईआईएम जैसे शीर्ष स्तरीय शैक्षणिक केंद्र होने के कारण विद्यार्थियों की पहली पसंद बना हुआ है। उज्जैन-ओंकारेश्वर की निकटता और व्यावसायिक गतिशीलता भी इंदौर शहर की प्रमुख विशेषता है।

यह जानकारी देते हुए स्टेट इंस्टीट्यूट ऑफ होटल मैनेजमेंट इंदौर के प्राचार्य डॉ. वी.के. सिंह ने बताया कि एसआईएचएम (राऊ) इन्दौर में पाठ्यक्रम राऊ में स्थित एस.आई.एच.एम. इन्दौर में जवाहरलाल नेहरु वि.वि. द्वारा मान्यता प्राप्त प्रमुख कोर्स, बी.एस.सी. हॉस्पिटैलिटी और होटल एडमिनिस्ट्रेशन (3 वर्ष) हेतु नामांकन करा सकते हैं। इसके अलावा, हम 18 महीने का डिप्लोमा कार्यक्रम विभिन्न ट्रेड्स में और 10वीं पासआउट के लिए 6 महीने का × सर्विस एवं 1/2 वर्षीय क्राफ्ट्समेंशिप सर्टिफिकेट कोर्स इन फूड प्रोडक्शन पाठ्यक्रम भी प्रदान करते हैं।

उक्त संस्थान के नये सत्र में प्रवेश हेतु प्रक्रिया प्रारंभ हो चुकी है। तीन वर्षीय डिग्री प्रोग्राम बीएससी (हॉस्पिटैलिटी एंड होटल एडमिनिस्ट्रेशन) में प्रवेश हेतु नेशनल काउंसिल नोयडा और नेशनल टेस्टिंग एजेंसी के सहसंबंद्ध द्वारा जाइंट इंट्रेंश इग्जाम जेईई इस वर्ष 25 मई 2026 को ऑनलाइन आयोजित की जा रही है। जो छात्र परीक्षा फॉर्म भरने से वंचित विद्यार्थियों के लिए संस्थान स्तर पर डायरेक्ट एडमिशन की सुविधा भी उपलब्ध है। प्रवेश के लिए पात्रता हायर सेकेण्डरी उत्तीर्ण होना आवश्यक है। इंट्रेस एग्जाम सीबीटी पैटर्न (200 अंक) में न्यूमेरिकल एबिलिटी, रीजनिंग, सामान्य ज्ञान, इंग्लिश एवं सर्विस सेक्टर एप्टीट्यूड के प्रश्न शामिल हैं।

डेढ़ वर्षीय डिप्लोमा कोर्स में फूड प्रोडक्शन, बेकरी एण्ड कंफेक्शनरी, फूड एण्ड बेवरेज सर्विस, हाउसकीपिंग, और फ्रंट ऑफिस इन पांच ट्रेड्स में स्टेट इंस्टिट्यूट ऑफ़ होटल मैनेजमेंट इन्दौर में संस्थान स्तर पर सीधे प्रवेश की प्रक्रिया वर्ष 2026 के लिए शुरू हो गई है। छात्र को किसी भी विषय से बारहवीं उत्तीर्ण होना आवश्यक है। साथ ही 6 माह का क्राफ्ट्समेंशिप सर्टिफिकेट कोर्स में प्रवेश हेतु संस्थान स्तर पर सीधे प्रवेश की प्रक्रिया वर्ष 2026 के लिए शुरू हो गई है। छात्र को बारहवीं/दसवीं उत्तीर्ण होना आवश्यक है।

प्राचार्य ने बताया कि संस्थान में होटल उ?द्योग में करियर के अवसर प्राप्त कर सकते हैं। जिसमें 4-5 वर्षों में सहायक प्रबंधक के स्तर तक पहुंचने और 15 वर्षों में महाप्रबंधक के स्तर तक पहुंचने के अवसर हैं।विश्व स्तर पर अन्य देशों में होटल प्रबंधन ग्रेजुएट्स की ज्यादा मांग है। अन्य विभिन्न क्षेत्रों वाणिज्य कौशल, वित्तीय मैनेजमेंट, मानव संसाधन मैनेजमेंट और उद्यमिता पाठ्यक्रम में करियर के विकल्प है। ये पाठ्यक्रम स्नातकों को बहुमुखी और प्रतिष्ठित पेशेवर बनाते हैं।

शासकीय परीक्षा पूर्व प्रशिक्षण केन्द्र इंदौर में सहायक प्राध्यापक पदों के लिए प्रशिक्षण सम्पन्न

इंदौर/ हर्ष कुशवाहा/ दैनिक मालवा हेराल्ड। शासकीय परीक्षा पूर्व प्रशिक्षण केन्द्र इंदौर में सहायक प्राध्यापकों और खाद्य सुरक्षा अधिकारी के रिक्त पदों की पूर्ति के संबंध में तीन दिवसीय प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित किया गया। इसमें विभिन्न विषयों के इंटरव्यू हेतु प्रशिक्षण दिया गया। प्रतिदिन 100 से अधिक अभ्यर्थी शामिल हुये एवं योग्य एवं अनुभवी प्रशिक्षकों द्वारा दिये गये प्रशिक्षण का लाभ प्राप्त किया गया। उक्त कार्यक्रम में सामान्य ज्ञान का प्रशिक्षण एवं विषय विशेषज्ञों द्वारा संबंधित सभी विषयों के साक्षात्कार से संबंधित प्रशिक्षण दिया गया।

सरकारी कामकाज में AI क्रांतिः ई-दक्ष केंद्र इंदौर बना स्मार्ट ऑफिस

इंदौर/ हर्ष कुशवाहा/ दैनिक मालवा हेराल्ड। ई-दक्ष केंद्र (क्षेत्रीय क्षमता संवर्धन केंद्र) ऐसा कार्यालय बन गया है जिसने अपने दैनिक कामकाज और प्रशिक्षण पद्धतियों में आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस को पूरी तरह से आत्मसात कर लिया है। यह केंद्र आधुनिक तकनीक के माध्यम से सरकारी कार्यप्रणाली को एक नई दिशा दे रहा है। डाटा विश्लेषण से लेकर ईमेल ड्राफ्टिंग, डॉक्यूमेंट जनरेशन और विस्तृत रिपोर्ट तैयार करने तक, यहाँ हर कार्य एआई की मदद से सटीकता के साथ किया जा रहा है। स्प्रेडशीट ऑटोमेशन और जटिल प्रशिक्षण कार्यक्रम बनाने में अब घंटों के बजाय कुछ ही मिनट लगते हैं। इतना ही नहीं, प्रशिक्षण सामग्री, असाइनमेंट तैयार करने और परीक्षाओं के संचालन में भी एआई का प्रभावी उपयोग हो रहा है। इस क्रांतिकारी बदलाव के लिए केंद्र NotebookLM, Google Gemini, Copilot और ChatGPT जैसे उन्नत टूल्स का उपयोग कर रहा है। ई-दक्ष केंद्र का यह नवाचार न केवल उत्पादकता बढ़ा रहा है, बल्कि अन्य कार्यालयों के लिए डिजिटल परिवर्तन का एक बेहतरीन उदाहरण भी पेश कर रहा है।

गर्मी के मौसम में पशुओं से कार्य लेने पर प्रतिबंध, आदेश जारी

इंदौर/ हर्ष कुशवाहा/ दैनिक मालवा हेराल्ड। गर्मी के मौसम को देखते हुए पशुपालन एवं डेयरी विभाग इंदौर द्वारा महत्वपूर्ण आदेश जारी किया गया है। जिला पशु क्रूरता निवारण समिति ने पशु क्रूरता अधिनियम के तहत गर्मी के दौरान पशुओं के उपयोग पर दोपहर के समय प्रतिबंध लगाया है। जारी आदेश के अनुसार एक अप्रैल 2026 से 10 जुलाई 2026 तक प्रतिदिन दोपहर 12 बजे से 3 बजे के बीच, जब तापमान अधिक रहता है, उस अवधि में भार वाहक पशुओं से किसी भी प्रकार का कार्य लेना पूर्णतः प्रतिबंधित रहेगा। इस दौरान बैलगाड़ी, तांगा, ऊंटगाड़ी, भैंसागाड़ी, खच्चर, टट्टू एवं गधों पर वजन ढोने या सवारी कराने से पशुओं के बीमार होने या मृत्यु का खतरा बढ़ जाता है। इसलिए पशु मालिकों से अपील की गई है कि वे इस अवधि में पशुओं को कार्य में न लगाएं। निर्देशों का उल्लंघन करने पर संबंधित पशु मालिकों के विरुद्ध दंडात्मक कार्रवाई का प्रावधान भी रखा गया है। साथ ही, पशुपालकों को सलाह दी गई है कि वे पशुओं को छायादार स्थान पर विश्राम दें और पर्याप्त मात्रा में पानी उपलब्ध कराएं। पशुपालन विभाग ने नागरिकों से भी अपील की है कि यदि कहीं पशुओं के साथ क्रूरता या नियमों का उल्लंघन होता दिखाई दे, तो इसकी सूचना संबंधित विभाग को दी जा सकती है।

टिकट चेकिंग में रतलाम मंडल का नया रिकॉर्ड, 26.22 करोड़ का ऐतिहासिक राजस्व अर्जित

इंदौर/ हर्ष कुशवाहा/ दैनिक मालवा हेराल्ड। पश्चिम रेलवे के रतलाम मंडल ने वित्त वर्ष 2025-26 में टिकट चेकिंग के क्षेत्र में उल्लेखनीय उपलब्धि हासिल करते हुए 26.22 करोड़ रुपये का रिकॉर्ड राजस्व अर्जित किया है। यह पिछले वर्ष की तुलना में 28 प्रतिशत अधिक है और निर्धारित लक्ष्य 22.59 करोड़ रुपये से 16 प्रतिशत ज्यादा है।

मंडल रेल प्रबंधक अश्वनी कुमार के मार्गदर्शन एवं वरिष्ठ मंडल वाणिज्य प्रबंधक हिना केवलरामानी के नेतृत्व में यह सफलता हासिल की गई। इस उपलब्धि में मंडल वाणिज्य प्रबंधक राजेश मथुरिया और मुख्य वाणिज्य निरीक्षक मिक्की सक्सेना की भी महत्वपूर्ण भूमिका रही। इस अवधि में मंडल द्वारा 4.12 लाख अनियमित यात्रियों को पकड़ा गया, जो पिछले वर्ष के मुकाबले 26 प्रतिशत अधिक है। टिकट चेकिंग की सख्ती और प्रभावी मॉनिटरिंग के चलते यह संभव हो पाया।

रतलाम मंडल भारतीय रेलवे का पहला मंडल बना, जहां सभी लॉबी पर बायोमेट्रिक अटेंडेंस प्रणाली लागू की गई। साथ ही फर्जी रियायती टिकट पर यात्रा करने वाले यात्रियों के खिलाफ सख्त कार्रवाई की गई, जिससे राजस्व की सुरक्षा सुनिश्चित हुई। रेलवे ने विशेष अभियान चलाकर स्वच्छता के प्रति भी यात्रियों को जागरूक किया, जिसकी सराहना रेलवे बोर्ड स्तर तक की गई। इसके अलावा टिकट चेकिंग स्टाफ ने ड्यूटी के दौरान नाबालिग बच्चों को उनके परिजनों से मिलाने और यात्रियों का खोया सामान लौटाने जैसे सराहनीय कार्य भी किए। यह उपलब्धि न केवल राजस्व वृद्धि का प्रतीक है, बल्कि यात्री सेवा, पारदर्शिता और अनुशासन के प्रति रतलाम मंडल की प्रतिबद्धता को भी दर्शाती है।

श्री हनुमान लोक पांढुर्णा को प्रदेश के धार्मिक और आध्यात्मिक मानचित्र पर भी प्रदान करेगा महत्वपूर्ण स्थान

पवन पुत्र हनुमान लोक मंगल, विनम्रता, सेवा भाव और समर्पण के हैं प्रतीक

इंदौर/ हर्ष कुशवाहा/ दैनिक मालवा हेराल्ड। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव के नेतृत्व में राज्य सरकार तीर्थ, परंपराओं, लोक कलाओं और आध्यात्मिक विरासत के संरक्षण और संवर्धन को राष्ट्र निर्माण का आधार मानते हुए सतत् कार्य कर रही है। प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में देश में सांस्कृतिक चेतना का जो नव जागरण हुआ है, मध्यप्रदेश उसका साक्षी बन रहा है। मध्यप्रदेश धार्मिक, सांस्कृतिक और आध्यात्मिक पुनर्जागरण के स्वर्णिम युग की ओर अग्रसर है। राज्य सरकार सुशासन, जनकल्याण और समन्वय के माध्यम से प्रदेश में रामराज के सपने को साकार करने की दिशा में प्रयासरत है। इसी क्रम में प्रभु श्रीराम के प्राकट्य पर्व की मंगल बेला में पांढुर्णा के जामसांवली में रघुकुलनंदन के प्रिय भक्त के दिव्यधाम श्री हनुमान लोक के पहले चरण का लोकार्पण किया गया।

मुख्यमंत्री डॉ. यादव का विश्वास है कि अतुलित बल के स्वामी, परम ज्ञानी, दयालु, श्रीराम के प्रिय भक्त, पवन पुत्र हनुमान जी, लोक मंगल-कर्मठता-विनम्रता-सेवा भाव और समर्पण के प्रतीक हैं। व्यक्ति में सामर्थ्य होने पर वह अक्सर अहंकारी हो जाता है, लेकिन हनुमान जी ने सिखाया कि सच्चा बल वही है, जो सेवा में लगे और जो समर्पित भाव से कार्य करें। मन की एकाग्रता और अनुशासन, पवन पुत्र हनुमान के विशेष गुण हैं। वे कर्मकांड नहीं अपितु सतत् प्रयासों से उद्देश्य प्राप्ति के लिए हमें प्रेरित करते हैं। इन्हीं विचारों और मूल्यों को जामसांवली का श्री हनुमान लोक जीवंत करेगा। श्री हनुमान लोक के प्रथम चरण में मुख्य प्रवेश द्वार एवं प्लाजा का निर्माण हुआ है। मुख्य द्वार से लेकर मंदिर परिसर तक चिरंजीवी पथ का निर्माण किया गया है। इसमें हनुमान जी के विभिन्न स्वरूपों की मूर्तियां स्थापित हैं।

मुख्यमंत्री डॉ. यादव की पहल पर जल्द ही 65 करोड़ 24 लाख रूपये की लागत से श्री हनुमान लोक के दूसरे चरण के निर्माण कार्य पूर्ण किए जाएंगे। दूसरे चरण में भक्ति सागर एवं प्रवचन हॉल, यज्ञशाला, पार्किंग, संस्कृत महाविद्यालय, भोजशाला और धर्मशाला का निर्माण होगा। यह हनुमान लोक आने वाले समय में न केवल आस्था का केंद्र बनेगा, बल्कि क्षेत्र में धार्मिक और आध्यात्मिक इकॉनामी को भी नई दिशा देगा। यहां आने वाले श्रद्धालुओं से स्थानीय व्यापार, रोजगार और पर्यटन को बढ़ावा मिलने से जिले की अर्थव्यवस्था को नई दिशा मिलेगी। छिंदवाड़ा और पांढुर्णा प्रदेश के संतरा उत्पादन सेंटर के रूप में जाने जाते हैं। श्री हनुमान लोक के आकार लेने से पांढुर्णा प्रदेश के धार्मिक और आध्यात्मिक मानचित्र पर भी महत्वपूर्ण स्थान प्राप्त करेगा।

मुख्यमंत्री डॉ. यादव के नेतृत्व में प्रदेश में धार्मिक और आध्यात्मिक गतिविधियों को बढ़ावा देते हुए श्री महाकाल लोक के निर्माण के साथ ही महेश्वर में अहिल्या लोक, मंदसौर में पशुपतिनाथ लोक, दतिया में पीतांबरा माई महालोक, जानापाव में परशुराम लोक, सलकनपुर में देवी महालोक, पन्ना में जुगल किशोर सरकार लोक, आगर-मालवा में बाबा बैजनाथ लोक और अमरकंटक में माँ नर्मदा महालोक बनाए जा रहे हैं।

फसल अवशेष (नरवाई) जलाने पर प्रतिबंध

नरवाई जलाते पाये जाने पर होगा 15 हजार रुपये तक का जुर्माना

इंदौर/ हर्ष कुशवाहा/ दैनिक मालवा हेराल्ड। फसल अवशेष (नरवाई) जलाने पर प्रतिबंध लगाया गया है। प्रतिबंध का उल्लंघन करने वालों के विरूद्ध कार्रवाई की जाएगी। नरवाई जलाते पाये जाने पर 15 हजार रुपये तक का अर्थदण्ड लगाया जाएगा। नरवाई प्रबंधन के बारे में जनजागरण के लिए गाँव-गाँव तक रथ पहुँचेगा। इस रथ को अपर कलेक्टर श्री नवजीवन विजय पवार ने झण्डी दिखाकर रवाना किया। कलेक्टर श्री शिवम वर्मा ने निर्देश दिए कि प्रतिबंधात्मक आदेश का सख्ती से पालन सुनिश्चित कराया जाए। किसानों को नरवाई प्रबंधन के तौर-तरीके बताये जाए तथा उन्हें जागरूक करते हुए वैकल्पिक व्यवस्था मुहैया करायें।

निर्देशानुसार 02 अप्रैल से 16 अप्रैल 2026 तक प्रत्येक ग्राम पंचायत मुख्यालय पर कृषि से संबंधित मैदानी अधिकारियों एवं राजस्व विभाग के पटवारी/पंचायत विभाग के पंचायत सचिव के साथ समन्वय कर कृषक संवाद कार्यक्रम का आयोजन किया जायेगा तथा किसानों को नरवाई जलाने से होने वाले नुकसानों से किसानों को अवगत कराया जायेगा तथा फसल अवशेष (नरवाई) प्रबंधन की तकनीकी जानकारी से अवगत कराया जायेगा।

उप संचालक कृषि श्री सी.एल. केवड़ा ने बताया कि वर्तमान में जिले में गेहूं फसल की कटाई का कार्य लगभग प्रारंभ हो चुका है। गेहूं फसल की कटाई के पश्चात सामान्य तौर पर किसान नरवाई में आग लगा देते है, जिससे पर्यावरण में प्रदूषण के साथ-साथ मिट्टी की संरचना भी प्रभावित होती है। जिले में गेहूं की कटाई के बाद बचे हुए फसल अवशेष (नरवाई) जलाना खेती के लिये आत्मघाती कदम है।

अपर कलेक्टर श्री नवजीवन विजय पवार द्वारा किसानों से अपील की गई है कि नरवाई न जलाऐं, नरवाई जलाने से पर्यावरण को नुकसान होता है। किसान यदि नरवाई जलाते है तो राज्य शासन के नोटिफिकेशन प्रावधान अनुसार पर्यावरण विभाग द्वारा उक्त अधिसूचना अंतर्गत नरवाई में आग लगाने के विरूद्ध पर्यावरण क्षतिपूर्ति राशि दण्ड का प्रावधान किया गया है। आदेश के अनुसार यदि कोई व्यक्ति/निकाय/कृषक जिसके पास 2 एकड़ तक की भूमि है तो उसकों नरवाई जलाने पर पर्यावरण क्षति के रूप में 2500 रुपये प्रति घटना के मान से आर्थिक दण्ड अधिरोपित किया जाएगा। जिसके पास 2 से 5 एकड़ तक की भूमि है तो उसकों नरवाई जलाने पर पर्यावरण क्षति के रूप में 5 हजार रुपये प्रति घटना के मान से आर्थिक दण्ड भरना होगा। 5 एकड़ से अधिक भूमि है तो उसकों नरवाई जलाने पर पर्यावरण क्षति के रूप में 15 हजार रुपये प्रति घटना के मान से आर्थिक दण्ड का प्रावधान होगा।

खेत में गेहूं एवं अन्य फसलों के अवशेषों (नरवाई) को जलाने से जमीन में उपस्थित लाभदायक सूक्ष्म जीवाणु, केंचुए नष्ट हो जाते है, जिससे जमीन की उर्वरा शक्ति कम होती है। भूमि कठोर हो जाती है, जिसके कारण भूमि की जल धारण क्षमता कम हो जाती है। नरवाई में आग लगाने से आस-पास की खड़ी फसलों में आग लगने से एवं जन/धन हानि की आशंका रहती है। पर्यावरण प्रदूषित हो जाता है। वातावरण के तापमान में वृद्धि होती है, जिससे धरती गर्म होती है। नरवाई प्रबंधन के बारे में बताया गया कि स्ट्रॉरीपर (भूसा मशीन) से भूसा बनाया जा सकता है।

तीन एनएच मार्गो को अक्टूबर तक रास्ता देगा इंदौर का ट्रिपल लेयर ब्रिज, पचास हजार वाहन गुजरेंगे

इंदौर/ हर्ष कुशवाहा/ दैनिक मालवा हेराल्ड। बायपास पर एमआर-10 जंक्शन पर थ्री लेयर फ्लायओवर का काम 80 प्रतिशत तक पूरा हो चुका है। हालांकि दो साल में फ्लायओवर का निर्माण पूरा होना था, लेकिन इसमें देरी हुई। अब यह ब्रिज अक्टूबर तक बनकर तैयार होगा। ब्रिज पर देश का सबसे बड़ा पियर कैप बनाया जा रहा है, जिसकी चौड़ाई 27 मीटर रहेगी। इसी पियर कैप के ऊपर गर्डर रखे गए हैं।

इंदौर के एमआर-10 जंक्शन पर ब्रिज बनाने की जरूरत इसलिए पड़ी, क्योंकि यहां तीन राष्टीय राजमार्ग आकर मिलते हैं। एबी रोड के अलावा इंदौर-अहमदाबाद और इंदौर-नागपुर हाईवे इस जंक्शन से जुड़ते हैं। नागपुर को जोड़ने के लिए इंदौर-हरदा के लिए 25 किलोमीटर लंबा बायपास बनाया गया है। इसका ट्रैफिक अंडरपास से होकर गुजरेगा।इस ब्रिज के निर्माण से हर दिन 50 हजार से ज्यादा वाहन चालकों को फायदा होगा। इसके अलावा इंदौर आने वाले वाहनों की एंट्री आसान हो जाएगी। अभी तक बोगदों के भीतर से वाहनों को आना पड़ता है और इस कारण कई बार ट्रैफिक जाम की स्थिति बनती है, लेकिन अब इससे भी राहत मिलेगी। बेस्ट प्राइस की तरफ के मार्ग से वाहन इंदौर की ओर ब्रिज के नीचे से आ सकेंगे।

फ्लायओवर का एक हिस्सा जंक्शन पर बंगाली चौराहे की तरफ बना है, जबकि दूसरे सिरे का निर्माण बेस्ट प्राइस के पास हुआ है। डेढ़ किलोमीटर लंबे इस ब्रिज के नीचे एक और ब्रिज बन चुका है, जिस पर एबी रोड का ट्रैफिक गुजर रहा है। महाराष्ट्र की ओर जाने वाले वाहन इस ब्रिज का उपयोग कर रहे हैं, जबकि अंडरपास को इंदौर-हरदा मार्ग से जोड़ा गया है। अंडरपास बनकर तैयार हो चुका है। अब सड़क निर्माण स्टार चौराहा तक किया जाएगा। इंदौर-हरदा मार्ग का निर्माण भी अंतिम दौर में है। एनएचएआई अधिकारियों के अनुसार, मुंबई के सी लिंक की तर्ज पर ब्रिज पर एस्थेटिक केबल से लाइटिंग की जाएगी, ताकि यह आकर्षक दिखे। यह फ्लायओवर इंदौर की एंट्री का मुख्य मार्ग भी बनेगा। यहां से ज्यादातर वाहन शहर में आ-जा सकेंगे।

अंतरराष्ट्रीय मैच खेल चुकी मध्य प्रदेश की पूर्व महिला क्रिकेटरों को एमपीसीए देगा पेंशन

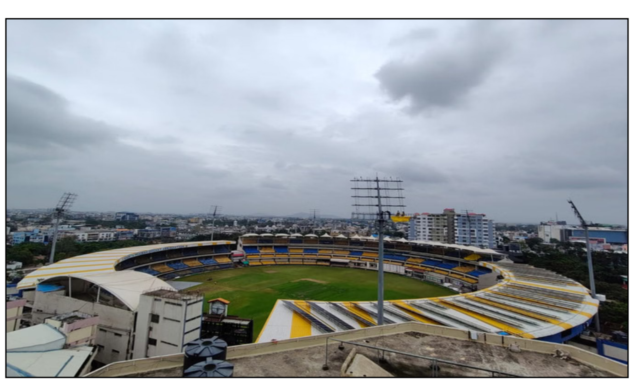

इंदौर/ हर्ष कुशवाहा/ दैनिक मालवा हेराल्ड। मध्य प्रदेश क्रिकेट संघ (एमपीसीए) ने अंतरराष्ट्रीय मैच खेल चुकी महिला क्रिकेटरों को पेंशन देने का फैसला लिया है। उन्हें साढ़े 12 हजार रुपये पेंशन दी जाएगी। यदि घरेलू मैच खेले हैं तो कम से कम छह हजार रुपये पेंशन प्राप्त होगी।

यह फैसला एमपीसीए की प्रबंध समिति की बैठक में अध्यक्ष महाआर्यमन सिंधिया ने लिया। बैठक में पूर्व महिला खिलाड़ियों को मासिक वित्तीय सहायता देने का प्रस्ताव रखा गया, जिसे मंजूरी दे दी गई। संघ के मानद सचिव सुधीर असनानी ने कहा कि पेंशन की राशि प्रति माह 6,000 रुपये से 12,500 रुपये तक होगी। जिन महिला खिलाड़ियों को बीसीसीआई की तरफ से पेंशन नहीं मिल रही है, वे ही इस योजना के लिए पात्र होंगी। 75 वर्ष की उम्र पूरी होने पर साढ़े सात हजार रुपये की अतिरिक्त राशि दी जाएगी।इस योजना के लिए जल्द ही आवेदन मंगाए जाएंगे। नौकरी करने वाली महिला खिलाड़ियों को सेवानिवृत्त होने के बाद एमपीसीए की पेंशन मिलेगी। घरेलू क्रिकेट खेलने वाली महिला खिलाड़ियों को उनके द्वारा खेले गए मैचों की संख्या के आधार पर पेंशन दी जाएगी। वर्ष 2006 से पहले मैच खेलने वाली महिला खिलाड़ी भी इस पेंशन की पात्र होगी, क्योंकि बीसीसीआई ने महिला क्रिकेट को एडॉप्ट किया था। इसके अलावा अंपायर और स्कोरर के मानदेय में भी इजाफा करने का फैसला लिया गया है।

एमपी की टीम के कोच चंद्रकांत पंडित को अगले दो साल के लिए मध्य प्रदेश का क्रिकेट निदेशक नियुक्त किया गया है। यह फैसला भी बैठक में लिया गया है। एमपीसीए जिला व संभाग स्तर के क्रिकेटरों को भी आगे बढ़ने के बेहतर मौके देगा।

30 हजार लोगों का रोजगार खत्म, 5000 उद्योगों पर संकट, युद्ध चलता रहा तो बिगड़ेंगे हालात

इंदौर/ हर्ष कुशवाहा/ दैनिक मालवा हेराल्ड। अमेरिका-इजराइल और ईरान के बीच बढ़ते तनाव का सीधा असर अब मध्य प्रदेश, विशेषकर इंदौर और पीथमपुर के औद्योगिक क्षेत्रों पर दिखाई देने लगा है। युद्ध की स्थिति के कारण अंतरराष्ट्रीय बाजार में कच्चे माल की कीमतें आसमान छू रही हैं और लॉजिस्टिक खर्च में भारी बढ़ोतरी हुई है। इसका परिणाम यह है कि उद्योगों में उत्पादन की लागत बढ़ गई है और कई फैक्ट्रियों में काम की शिफ्ट कम करनी पड़ी है। यदि तनाव जल्द कम नहीं हुआ, तो आने वाले दिनों में उद्योगों में शटडाउन की स्थिति पैदा हो सकती है।

पीथमपुर औद्योगिक संगठन के अध्यक्ष डॉ. गौतम कोठारी ने बताया कि प्लास्टिक उद्योग सबसे अधिक प्रभावित है। कच्चे माल के दाम लगभग दो गुना हो गए हैं। पीवीसी, पाइप, बोतलें बनाने वाली कंपनियां बंद हो गई हैं। 100 से अधिक फैक्ट्रियां गैस से ही चलती हैं।

इनमें 50 प्रतिशत गैस कम मिल रही है। दो से तीन शिफ्ट में काम करने वाली कंपनियों में एक ही शिफ्ट चल रही हैं। 20 हजार से अधिक लोगों का रोजगार सीधे खत्म हुआ है और अप्रत्यक्ष रूप से 10 हजार लोगों का काम खत्म हुआ है। वहीं 25 हजार कर्मचारियों की तनख्वाह आधी हो गई है। प्लास्टिक दाने की कीमत बढ़ने से कई यूनिट बंद होने की कगार पर हैं। इंदौर और आसपास के करीब 5000 से ज्यादा उद्योग अपनी कच्चे माल की जरूरत के लिए 60 फीसदी तक मिडिल ईस्ट के देशों पर निर्भर हैं। बहरीन, कतर और सऊदी अरब जैसे देशों से आने वाले बल्क ड्रग और पेट्रोकेमिकल्स की आवक प्रभावित हुई है। स्ट्रेट ऑफ होर्मुज में जारी तनाव की वजह से चीन और यूरोप से होने वाले आयात पर भी बुरा असर पड़ा है। इसके साथ ही समुद्री रास्तों में जोखिम बढ़ने से इंश्योरेंस मिलना भी कठिन हो गया है।

फार्मा सेक्टर में कच्चे माल की किल्लत, दवाओं के दाम पर पड़ेगा असर- आल इंडिया आर्गेनाइजेशन आफ केमिस्ट एंड ड्रगिस्ट (एआईओसीडी) के महासचिव राजीव सिंघल ने बताया कि मध्य प्रदेश के फार्मा उद्योग के लिए वर्तमान स्थिति चुनौतीपूर्ण बनी हुई है। बिजनेस गिर रहा है। एक माह जैसे तैसे स्थिति संभाल सकते हैं लेकिन उसके बाद चुनौती बढ़ जाएगी। गैस की कमी के कारण फार्मा कंपनियों में इंजेक्शन उत्पादन प्रभावित हो रहा है। दवाओं के निर्माण में इस्तेमाल होने वाले पैरासिटामॉल पाउडर और अन्य रसायनों की कीमतों में रातों-रात 20 फीसदी से ज्यादा का उछाल आया है। इसके अलावा पैकेजिंग सामग्री जैसे प्लास्टिक दाना और पीपी की दरें भी बढ़ गई हैं। स्थिति यह है कि अगले 10 से 12 दिनों के बाद दवाओं की सप्लाई और उत्पादन को लेकर बड़ी मुश्किल खड़ी हो सकती है। हालांकि दवाओं की कीमत ग्राहकों के लिए बाजार में नहीं बढ़ाई जा रही है ताकि लोगों को परेशानी न हो। सरकार ने कुछ दवाओं पर 6.50 प्रतिशत दाम बढ़ाए हैं जो जल्द बढ़कर आएंगे। फार्मा में कच्चे माल का दाम 30 प्रतिशत तक बढ़ गया है, जिससे एक्सपोर्ट बंद हुआ है।

लॉजिस्टिक लागत में 5 गुना तक की वृद्धि- निर्यात के मोर्चे पर उद्योगपतियों को माल भेजने में भारी खर्च उठाना पड़ रहा है। कंटेनर भाड़ा पहले की तुलना में 5 गुना तक बढ़ चुका है। मध्य प्रदेश से होने वाले कुल निर्यात में इंदौर की हिस्सेदारी लगभग 40 से 50 फीसदी है। हर महीने हजारों कंटेनर कांडला और जेएनपीटी बंदरगाहों पर भेजे जाते हैं, लेकिन फ्रेट चार्ज बढ़ने और शिपिंग में देरी के कारण विदेशी ऑर्डर समय पर पूरे नहीं हो पा रहे हैं।

कच्चे माल के साथ-साथ ईंधन की उपलब्धता भी एक बड़ी समस्या बनकर उभरी है। एलपीजी की कमी के कारण कई उद्योगों को पीएनजी पर निर्भर होना पड़ रहा है। गैस कंपनियों ने अब उधार की सुविधा बंद कर दी है और नकद भुगतान की शर्त रख दी है। पहले जहां भुगतान के लिए एक से दो हफ्ते का समय मिलता था, वहीं अब तुरंत पैसे देने पड़ रहे हैं, जिससे उद्योगों की कार्यशील पूंजी पर दबाव बढ़ गया है।

उद्योगों के हालात बयां करते आंकड़े- 20 से 30 फीसदी तक कच्चे माल की कीमतें अंतरराष्ट्रीय बाजार में बढ़ गई हैं।

5 गुना तक लॉजिस्टिक और शिपिंग की लागत महंगी हो चुकी है।

10 से 15 फीसदी फैक्ट्रियों ने अब अपनी कार्यपालियों को दो शिफ्ट से घटाकर एक कर दिया है।

पूर्णाहुति के साथ संपन्न अष्टसिद्धि हनुमद् महायज्ञ, हनुमान जन्मोत्सव पर उमड़ा जनसैलाब

तलाई वाले बालाजी में आचार्य श्री रामानुजजी के सान्निध्य में महाआरती एवं आचार्य डॉ. देवेंद्र शर्मा ॠशास्त्रीॠ के आचार्यत्व में संपन्न हुए वैदिक अनुष्ठान

मंदसौर/ भारतसिंह तोमर/ दैनिक मालवा हेराल्ड। विश्व प्रसिद्ध तलाई वाले बालाजी मंदिर परिसर में आयोजित हनुमद् प्राकट्य महोत्सव के अंतर्गत पांच दिवसीय एकादश कुंडात्मक अष्टसिद्धि हनुमद् महायज्ञ गुरुवार को पूर्ण वैदिक विधि-विधान के साथ पूर्णाहुति के पश्चात संपन्न हुआ। ब्रह्म मुहूर्त में प्रारंभ हुए पांचवे दिवस के अनुष्ठानों ने पूरे परिसर को भक्ति, श्रद्धा और वैदिक ऊर्जा से आलोकित कर दिया। प्रातःकाल आचार्य श्री रामानुज जी के सान्निध्य में महाआरती हुई एवं यज्ञाचार्य आचार्य डॉ. देवेंद्र शर्मा शास्त्री (धारियाखेड़ी) के आचार्यत्व में पूर्णाहुति का मुख्य अनुष्ठान संपन्न हुआ।

वैदिक मंत्रोच्चार, हवन एवं विधि-विधान के साथ यज्ञ की आहुतियां अर्पित की गईं। महाआरती के पश्चात दर्शनार्थ उपस्थित श्रद्धालुओं ने भी क्रमवार पांच-पांच आहुति अर्पित कर अनुष्ठान का लाभ अर्जित किया। गुरुवार को ब्रह्म मुहूर्त से ही मंदिर परिसर में श्रद्धालुओं की भारी भीड़ उमड़ पड़ी। महिलाओं, युवाओं एवं बुजुर्गों सहित बड़ी संख्या में श्रद्धालु यज्ञशाला पहुंचे और भगवान श्री तलाई वाले बालाजी के दर्शन कर आशीर्वाद प्राप्त किया। शंखनाद, वैदिक ऋचाओं एवं मंत्रोच्चार के बीच वातावरण अत्यंत पवित्र और भक्तिमय बना रहा। पूर्णाहुति के पश्चात भगवान श्री हनुमान जी का जन्मोत्सव धूमधाम और श्रद्धा के साथ मनाया गया। सूर्योदय के समय आयोजित प्राकट्य महाआरती में श्रद्धालुओं का जनसैलाब उमड़ पड़ा। ढोल-नगाड़ों, बैंड-बाजों और भजन-कीर्तन के साथ महाआरती का भव्य आयोजन हुआ। जय श्री राम हनुमान जी की जय के जयघोष से पूरा मंदिर परिसर गुंजायमान हो उठा।

महोत्सव के समापन अवसर पर आकर्षक आतिशबाजी भी की गई, जिसने आयोजन की भव्यता को और अधिक बढ़ा दिया। श्रद्धालुओं ने अपने आराध्य भगवान श्री हनुमान जी के दर्शन कर परिवार, समाज एवं राष्ट्र की सुख-समृद्धि की कामना की। पांच दिवसीय इस महायज्ञ के दौरान प्रतिदिन विविध वैदिक अनुष्ठानों की श्रृंखला आयोजित की गई। प्रारंभ दिवस पर हेमाद्रि संकल्प, दशविधि स्नान, सूर्य पूजन एवं गौ-वत्स पूजन से यज्ञ का शुभारंभ हुआ। द्वितीय दिवस पर भव्य कलश यात्रा एवं अरणी मंथन द्वारा यज्ञ अग्नि प्रकट की गई। तृतीय दिवस पर अष्टसिद्धि पूजन एवं रुद्र स्वाहाकार, वाल्मीकि सुंदरकांड संपन्न हुआ। चतुर्थ दिवस पर स्वर्ण रत्नाभिषेक एवं यज्ञ स्वाहाकार आयोजित किए गए। अंतिम दिवस पर पूर्णाहुति, ध्वजारोहण एवं हनुमान जन्मोत्सव के साथ महोत्सव का भव्य समापन हुआ। पूरे आयोजन के दौरान यज्ञशाला में 108 परिक्रमा का क्रम निरंतर चलता रहा, जिसमें बड़ी संख्या में श्रद्धालुओं ने भाग लेकर पुण्य लाभ अर्जित किया। यज्ञ में सहभागिता करने वाले श्रद्धालुओं ने इसे आध्यात्मिक शांति एवं सकारात्मक ऊर्जा प्रदान करने वाला आयोजन बताया। आचार्य डॉ. देवेंद्र शर्मा शास्त्री ने बताया कि अष्टसिद्धि हनुमद् महायज्ञ शास्त्रों में अत्यंत फलदायी एवं कल्याणकारी माना गया है, जो व्यक्ति, समाज एवं विश्व के कल्याण की भावना को सुदृढ़ करता है। इस महायज्ञ के माध्यम से विश्व शांति, पर्यावरण संतुलन एवं जनकल्याण की कामना की गई।

बेखौफ सरकारी कब्जेदारः बेदखली के आदेश के डेढ़ साल बाद भी मंदिर की जमीन पर कुंडली जमाए बैठा शिक्षक

सिंगोली/ सतीश सैन/ दैनिक मालवा हेराल्ड। शासन के नियमों की धज्जियां कैसे उड़ाई जाती हैं, इसका जीता-जागता उदाहरण तहसील सिंगोली के ग्राम अरनिया में देखने को मिल रहा है। यहाँ भगवान देवनारायण मंदिर की बेशकीमती भूमि पर एक सरकारी शिक्षक ने अवैध रूप से कब्जा कर रखा है। हैरानी की बात यह है कि तहसीलदार न्यायालय द्वारा बेदखली का आदेश पारित हुए महीनों बीत चुके हैं, लेकिन प्रशासन आज तक इस शिक्षक से मंदिर की जमीन मुक्त नहीं करा सका है। ग्राम अरनिया निवासी मंदिर के पुजारी प्यारचंद पिता नंदा जी दरोगा ने सोमवार को तहसीलदार सिंगोली को पुनः आवेदन सौंपकर न्याय की गुहार लगाई है। मामले के अनुसार, सर्वे क्रमांक 455 और 456 (कुल रकबा 0.502 हेक्टेयर) मंदिर की खाता भूमि है। इस पर गाँव के ही सोहनलाल पिता प्यारचंद धाकड़, जो कि पेशे से शासकीय शिक्षक हैं, ने जबरन कब्जा कर रखा है।

पुजारी द्वारा दी गई जानकारी के अनुसार, इस मामले में लंबी कानूनी प्रक्रिया के बाद तहसीलदार कार्यालय से प्रकरण क्रमांक 066/अ 68/24-25 के तहत धारा 248 की कार्यवाही करते हुए 28 अगस्त 2024 को बेदखली का स्पष्ट आदेश जारी किया गया था। नियमानुसार प्रशासन को अब तक बलपूर्वक यह जमीन खाली करा लेनी चाहिए थी, लेकिन आदेश फाइलों में ही दबा रह गया।

आवेदन में पुजारी ने गंभीर आरोप लगाते हुए बताया कि सरकारी पद पर आसीन होने के बावजूद उक्त व्यक्ति मंदिर की जमीन खाली नहीं कर रहा है। पुजारी का परिवार इसी भूमि के सहारे अपनी आजीविका चलाता है। कब्जेदार द्वारा न केवल जमीन पर कब्जा किया गया है, बल्कि विरोध करने पर विवाद और जान से मारने की धमकी भी दी जा रही है।

सख्त कार्यवाही की दरकार- क्षेत्र की जनता में इस बात को लेकर भारी रोष है कि एक सरकारी शिक्षक खुद कानून का उल्लंघन कर रहा है। ग्रामीण अब जिला प्रशासन से मांग कर रहे हैं कि पटवारी और पुलिस बल की मौजूदगी में तत्काल बेदखली के आदेश का पालन कराया जाए और मंदिर की भूमि को अतिक्रमण मुक्त किया जाए।

पीड़ित का कहना - प्रशासन ने आदेश तो दे दिया, लेकिन उस पर अमल कौन करेगा? एक तरफ मंदिर की जमीन पर अवैध कब्जा है और दूसरी तरफ मेरा परिवार दाने-दाने को मोहताज हो रहा है। अगर प्रशासन ने जल्द कार्यवाही नहीं की तो मजबूरन आंदोलन करना पड़ेगा।

-प्यारचंद, पुजारी, भगवान देवनारायण मंदिर

सिंगोली द्वितीय खंड अफीम तोल केंद्र पर किसानों ने सौंपी 1033 किलो अफीम

सिंगोली/ सतीश सैन/ दैनिक मालवा हेराल्ड। द्वितीय खंड अफीम तोल केंद्र पर किसानों द्वारा अफीम तुलाई का कार्य लगातार जारी है।दिनांक 1 अप्रैल से 10 अप्रैल तक 10 दिनों तक चलने वाले सिंगोली केंद्र पर 118 गांवों के 4117 किसान अपनी अफीम सरकार को सौंपेगे ,, इस बार सरकार द्वारा किसानों की अफीम को लेकर कुछ नियम बदल दिए गए हे पहले मार्किंग के साथ ग्रेड दी जाती थी 2 अप्रैल से सरकार द्वारा अफीम के लिए 3 केटेगरी निर्धारित दी गई हे स्टैंडर्ड स्ज्ञ्ष्ठ (58 से ऊपर)वाटर मिक्स WM (46 से ऊपर)सस्पेक्टेड S (46 से नीचे) निर्धारित की गई हे इसी क्रम में 1 अप्रैल को 9 गांव के 133 किसानों ने केंद्र पर कुल 1 हजार 33 किलो अफीम जमा कराई। तुलाई प्रक्रिया शासन के निर्धारित नियमों एवं अधिकारियों की निगरानी में संपन्न हो रही है। केंद्र पर किसानों की अच्छी उपस्थिति देखी जा रही है। अधिकारियों द्वारा भी तुलाई कार्य को सुचारु एवं पारदर्शी बनाने के लिए आवश्यक व्यवस्थाएं की गई हैं। 2 अप्रैल को 8 गांव खजूरिया, रस्त पूरा, आलोरी,अरनिया, कवई,केवलपुरा, नारदा,मेघपुरा चौहान के 400 किसानों ने अफीम सरकार को सौंपी हे।

राज्यसभा सांसद दिग्विजय सिंह ने कमलकृष्ण गौशाला विकास हेतु 5 लाख रुपये की राशि स्वीकृत की

मंदसौर/ भारतसिंह तोमर/ दैनिक मालवा हेराल्ड। क्षेत्र की श्री कमलकृष्ण गौशाला आकोदडा के विकास हेतु राज्यसभा सांसद दिग्विजय सिंह द्वारा सांसद निधि से पाँच लाख रुपये की अनुदान राशि स्वीकृत की गई है। इस सहयोग के लिए क्षेत्रवासियों एवं गौशाला प्रबंधन समिति ने उनका हृदय से हर्ष व्यक्त किया है। जिला कांग्रेस उपाध्यक्ष शंकरलाल आँजना ने जानकारी देते हुए बताया कि यह राशि गौवंश के लिए शेड निर्माण एवं आश्रय स्थल के जीर्णोद्धार में अत्यंत उपयोगी सिद्ध होगी। क्षेत्र में बेसहारा गौवंश के संरक्षण एवं प्रबंधन के प्रति सांसद श्री सिंह की संवेदनशीलता सराहनीय है। उन्होंने कहा कि इस उदार सहयोग से गोसेवा के कार्यों को नई मजबूती मिलेगी तथा गौवंश के बेहतर रखरखाव में सहायता प्राप्त होगी। गौरतलब है कि इस राशि के लिए शंकरलाल आँजना ने राज्य सभा सांसद दिग्विजय सिंह से आग्रह किया था। श्री आँजना ने समस्त क्षेत्रवासियों की ओर से सांसद दिग्विजय सिंह के प्रति आभार प्रकट करते हुए उनके प्रति धन्यवाद ज्ञापित किया तथा विश्वास व्यक्त किया कि भविष्य में भी उनका मार्गदर्शन एवं सहयोग इसी प्रकार मिलता रहेगा।

बसई पुलिया से नदी में कूदे युवक को बाहर निकाला, उपचार जारी

मंदसौर/ भारतसिंह तोमर/ दैनिक मालवा हेराल्ड। सुवासरा थाने के अंतर्गत गुरुवार दोपहर बाद बसई स्थित चम्बल नदी पुलिया से एक युवक नदी में जा कूदा, जिसे स्थानीय लोगों ने बाहर निकाल लिया है, जिसका उपचार किया जा रहा है। युवक खतरे से बाहर बताया गया है। ग्राम धानड़ी निवासी विनोद पिता जुझारलाल अहीरवार बाईक से अपनी पत्नी के साथ जा रहा था। रास्ते में अचानक बाईक रोककर युवक ने नदी की ओर छलांग लगा दी। नदी क्षेत्र में पुलिया का निर्माण कार्य भी जारी है। ऐसे में यहां कर्मचारी कार्यरत है। कर्मचारियों व तैराकों की मदद से युवक को सकुशल बाहर निकाला जा सका है। इस दौरान सुवासरा थाना पुलिस ने मौके पर जाकर युवक को सुवासरा सरकारी अस्पताल पहुंचाया, जिसे मंदसौर रैफर किया गया है। यहां ईलाज जारी है तथा खतरे से बाहर होना बताया गया है।

कलेक्टर ने किया पशु चिकित्सा क्लिनिक एवं पशुपालन कार्यालय का निरीक्षण

नीमच/ सतीश सैन/ दैनिक मालवा हेराल्ड। कलेक्टर श्री हिमांशु चंद्रा ने गुरूवार को पशु चिकित्सा पोलिक्लिनिक एवं उपसंचालक पशुपालन कार्यालय नीमच का निरीक्षण किया। इस दौरान उन्होने पशुपालन समिति से करवाए जाने वाले कार्यों के लिए स्थल निरीक्षण किया। उन्होने सीएसआर मद से डिजिटल एक्स-रे मशीन प्रदान करवाने के लिए महाप्रबंधक उद्योग को आगामी कार्यवाही के निर्देश दिए। कलेक्टर श्री चंद्रा ने पशुपालन कार्यालय में कामधेनु योजना के स्वीकृत, वितरित एवं प्रक्रियारत प्रकरणों के हितग्राहियों की बैंकर्स के साथ बैठक में सभी हितग्राहियों से चर्चा कर, बैंक की ओर से आ रही समस्याओं की जानकारी ली।

प्रगतिशील कृषक राजेश आर्य की पहल, फसल अवशेष से कमाई और खेती में किया नया बदलाव

मंदसौर/ भारतसिंह तोमर/ दैनिक मालवा हेराल्ड। मंदसौर जिले के विकासखंड मल्हारगढ़ के ग्राम कनघट्टी के प्रगतिशील कृषक राजेश आर्य ने आधुनिक कृषि तकनीक अपनाकर न केवल अपनी खेती को लाभकारी बनाया, बल्कि आसपास के किसानों के लिए भी प्रेरणा का स्रोत बन गए हैं। कृषि अभियांत्रिकी विभाग की ई-कृषि यंत्र अनुदान योजना के अंतर्गत श्री आर्य ने स्ट्रॉ रीपर कृषि यंत्र क्रय किया, जिसमें उन्हें लगभग 1.50 लाख का अनुदान प्राप्त हुआ। इस यंत्र की मदद से वे गेहूं की कटाई के बाद खेतों में बचे फसल अवशेष (नरवाई) को कुशलतापूर्वक भूसे में बदल रहे हैं।

पहले जहां किसान नरवाई को जलाने के लिए मजबूर होते थे, वहीं अब श्री आर्य के प्रयासों से यह समस्या समाधान में बदल गई है। वे अपने गांव और आसपास के क्षेत्रों में किसानों के खेतों से हार्वेस्टर के बाद बचे अवशेषों को निःशुल्क साफ करते हैं और स्ट्रॉ रीपर से भूसा बनाते हैं। एक ट्रॉली भूसा बनाने पर लगभग 10 से 15 किलोग्राम गेहूं एकत्रित होता है, जिसे वे संबंधित किसान को लौटा देते हैं। इस पहल के कई सकारात्मक परिणाम सामने आए हैं, जिसमें किसानों को खेत साफ करने की चिंता से मुक्ति, अतिरिक्त गेहूं की प्राप्ति, भूसे का उपयोग एवं बिक्री से आय, नरवाई जलाने की आवश्यकता समाप्त, मृदा स्वास्थ्य में सुधार, पर्यावरण संरक्षण को बढ़ावा, श्री आर्य द्वारा तैयार किया गया भूसा स्थानीय गौशालाओं में बेचा जा रहा है, जिससे उन्हें अतिरिक्त आय भी प्राप्त हो रही है। यह पहल दर्शाती है कि यदि किसान आधुनिक तकनीकों को अपनाएं, तो वे न केवल अपनी आय बढ़ा सकते हैं बल्कि पर्यावरण संरक्षण में भी महत्वपूर्ण योगदान दे सकते हैं। राजेश आर्य की यह कहानी अन्य किसानों के लिए एक प्रेरणा है कि नवाचार और सहयोग से खेती को और अधिक लाभकारी एवं टिकाऊ बनाया जा सकता है।

खनिज राजस्व प्राप्ति एवं अवैध उत्खनन परिवहन पर कार्रवाइयों में नीमच जिला संभाग में प्रथम

नीमच/ सतीश सैन/ दैनिक मालवा हेराल्ड। खनिजों के अवैध उत्खनन, परिवहन की कार्यवाहीयों एवं राजस्व प्राप्ति में नीमच जिला उज्जैन संभाग में प्रथम स्थान पर

कलेक्टर श्री हिमांशु चंद्रा के नेतृत्व में वित्तीय वर्ष 2025-26 में जिले ने अवैध उत्खनन परिवहन एवं भण्डारण पर प्रभावी नियंत्रण करते हुए उल्लेखनीय उपलब्धि हासिल की है।

साथ ही राजस्व प्राप्ति के क्षेत्र में उत्कृष्ट प्रदर्शन करते हुए नीमच जिला उज्जैन संभाग में प्रथम स्थान पर रहा है।

जिला खनिज अधिकारी श्री गजेन्द्रसिंह डावर ने बताया कि अवैध परिवहन, अवैध उत्खनन एवं अवैध भण्डारण पर की गयी कठोर कार्यवाहीयों से वर्ष 2025-26 में खनिज विभाग द्वारा विगत 05 वर्षों का रिकार्ड ध्वस्त कर दिया। जिले में वर्ष 2020-21 में अवैध परिवहन, उत्खनन एवं भण्डारण के कुल 136 प्रकरण, वर्ष 2021-22 में 171 प्रकरण, वर्ष 2022-23 में 180 प्रकरण, वर्ष 2023-24 में 173 प्रकरण, वर्ष 2024-25 में 227 प्रकरण दर्ज किये गये। जबकि वर्ष 2025-26 में अवैध परिवहन, अवैध उत्खनन एंव अवैध भण्डारण के सर्वाधिक वित्तीय वर्ष 2025-26 में दर्ज 231 प्रकरणों में 1.82 करोड अधिरोपित कर 1.66 करोड जमा कराये गये है। जो कि विगत 05 वर्षों में सर्वाधिक है।

इसी प्रकार वित्तीय वर्ष 2025-26 में खनिज विभाग द्वारा 55.84 करोड राजस्व की वसूली कर राजस्व प्राप्ति में उज्जैन संभाग में प्रथम स्थान पर रहा।

उक्त उल्लेखनीय कार्यवाहीयों में प्रभारी खनि निरीक्षक श्री सुनील जाधव एवं खनिज अमले का विशेष योगदान रहा है।

नई आबादी पुलिस ने एमडी व डोडाचूरा सहित एक युवक को पकड़ा, कुल तीन गिरफ्तार, एक फरार

मंदसौर/ भारतसिंह तोमर/ दैनिक मालवा हेराल्ड। नई आबादी थाना पुलिस ने मादक पदार्थ की धरपकड़ के तहत चल रहे अभियान में 500 ग्राम एमडी ड्रग्स एवं 5 किलो डोडाचूरा सहित एक युवक को गिरफ्तार किया है। साथ दो अन्य विधि विरूद्ध बालक भी हिरासत में लिए गए हैं। वहीं एक युवक फरार है, जिसकी तलाश की जा रही है।

पुलिस के अनुसार 01 अप्रैल को मुखबीर की सूचना पर कार्रवाई की गई। सूचना पर उच्च अधिकारियों के संज्ञान में लाकर नई आबादी थाना प्रभारी उपनिरीक्षक कुलदीपसिंह राठौड़ के नेतृत्व में सउनि गजानन्द शर्मा व टीम ने घेराबंदी की। इस दौरान ग्राम अघोरिया फंटा के पास पैदल आरोपी इमरान पिता फजल खान 32 वर्ष निवासी डग जिला झालावाड़ राजस्थान को रोककर तलाशी ली गई। उसके कब्जे से 500 ग्राम एमडी ड्रग्स एवं 05 किलो डोडाचूरा मिला। दो मोबाईल जब्त किए गए। आरोपी के अलावा दो विधि विरुद्ध बालक भी है, जिसे भी गिरफ्तार किया गया। पुलिस ने प्रकरण दर्ज करते हुए आरोपी से अवैध मादक पदार्थ एमडी व डोडाचूरा के संबंध में पूछताछ की। आरोपी ने पुलिस को बताया कि जाफर खान निवासी डग द्वारा उसे यह मादक पदार्थ दिया था। आरोपी जाफर खान फरार है, जिसकी तलाश की जा रही है।

ध्वजा रोहन के साथ पंच कल्याणक महोत्सव का भव्य शुभारंभ

सिंगोली/ सतीश सैन/ दैनिक मालवा हेराल्ड। नगर में आध्यात्मिक उल्लास और भक्ति की अलौकिक छटा के बीच ध्वजा रोहण के साथ ही पावन पंच कल्याणक महोत्सव का विधिवत शुभारंभ हो गया। सारे कार्यक्रम तिलस्वां मार्ग स्थित अयोध्या धाम परिसर पर होने जा रहे हे सवेरे भगवान का वरघोड़ा मंदिर से शुरू होकर मोहिवाल परिसर स्थित अयोध्या धाम पहुंचा जहां विधि-विधान और मंत्रोच्चार के साथ ध्वजा फहराई गई। पूज्य गुरुदेव प्रणम्य सागर जी महाराज के सानिध्य में होने जा रहे पंच कल्याणक महोत्सव में इस पावन अवसर पर आचार्य भगवंतों के सानिध्य में धार्मिक अनुष्ठान संपन्न हुए, जिससे पूरा वातावरण धर्ममय हो उठा। ध्वजा रोहण के साथ ही आगामी दिनों में होने वाले गर्भ, जन्म, तप, ज्ञान और मोक्ष कल्याणकों की श्रृंखला का शुभारंभ हुआ। भक्तों में खासा उत्साह देखने को मिला, सभी ने भक्ति भाव से इस ऐतिहासिक महोत्सव की शुरुआत का साक्षी बनने का सौभाग्य प्राप्त किया। नगर में चारों ओर धर्म, श्रद्धा और उत्सव का माहौल बना हुआ है। इस अवसर पर पंच कल्याणक महोत्सव पदाधिकारी भरत जेन पारस हरसौरा पारस साकुन्या सहित समाज जन ने उपस्थित होकर पुण्य लाभ उठाया।

विधायक ओमप्रकाश सखलेचा ने सपरिवार पीएम मोदी से की मुलाकात

प्रधानमंत्री मोदी जी ने जावद क्षेत्र के विकास का दिया आश्वासन

सिंगोली/ सतीश सैन/ दैनिक मालवा हेराल्ड। मध्यप्रदेश शासन के पूर्व कैबिनेट मंत्री एवं जावद के वर्तमान विधायक ओमप्रकाश सखलेचा ने दिल्ली प्रवास के दौरान सपरिवार देश के यशस्वी प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी से आत्मीय मुलाकात की मुलाकात के दौरान विधायक सखलेचा ने पीएम मोदी को जावद विधानसभा में औधोगिक विकास युवाओं रोजगार बढ़ाने से जुड़े प्रस्ताव सौपे। जिसे प्रधानमंत्री श्री मोदी ने विधायक सखलेचा की पीठ थपथपाते हुए उनकी जमकर सराहना करते हुए उन्हें आश्वासन दिया कि केंद्र सरकार के माध्यम से नीमच जिले के जावद क्षेत्र के विकास में कोई कमी नही रहेगी इस मौके पर विधायक सखलेचा ने जावद विधानसभा क्षेत्र में चल रहे विकास कार्यो एवं उनके द्वारा किये जा रहे नवाचारों से भी उन्हें अवगत कराते हुए क्षेत्र के समग्र विकास हेतु उनका प्रेरणादायक मार्गदर्शन प्राप्त किया।

मुलाकात के मुख्य बिंदु- विधायक सखलेचा ने जावद विधानसभा क्षेत्र में निवेश , औधोगिक क्षेत्र को बढ़ावा देने और स्थानीय युवाओं के लिये रोजगार पैदा करने की परियोजनाओं पर चर्चा की योजनाओं को जनता तक पहुचाने का मिशन व बूथ स्तरीय सक्रियता विधायक सखलेचा ने पीएम मोदी को बताया कि जावद क्षेत्र के भाजपा कार्यकर्ता भाजपा संगठन बूथ स्तर पर सक्रियता से काम कर रहे है । पार्टी के कार्यकर्ता केंद्र एवं राज्य सरकार की जनकल्याणकारी योजनाओं को जनता तक पहुचाने के मिशन में जुटे है । उन्होंने बताया कि जनता के बीच सरकार की योजनाओं के प्रति सकारात्मकता बढ़ी है ।

विधायक सखलेचा ने पत्नी, बेटे व पुत्र वधु एवं बेटी के साथ पीएम मोदी से मिल मार्गदर्शन और आशीर्वाद लिया, जिसे राजनीतिक गलियारों में खास माना जा रहा है ।

विधायक सखलेचा की सपरिवार पीएम मोदी से मुलाकात आगामी राजनीतिक परिदृश्य और क्षेत्रीय विकास के संदर्भ में काफी महत्वपूर्ण मानी जा रही है ।

नाबालिग से छेड़छाड़ के बाद उग्र भीड़, पुलिस पर पथराव

लाठीचार्ज और आंसू गैस से हालात काबू, आरोपी का घर ढहाने की मांग पर अड़े ग्रामीण

नीमच/ सतीश सैन/ दैनिक मालवा हेराल्ड। जिले के मनासा थाना क्षेत्र के ग्राम पड़दा में 13 वर्षीय नाबालिग से छेड़छाड़ के आरोप के बाद गुरुवार को हालात तनावपूर्ण हो गए।

आरोपी के खिलाफ सख्त कार्रवाई और उसके मकान को ढहाने की मांग को लेकर ग्रामीणों ने चक्काजाम कर दिया। देखते ही देखते विरोध उग्र हो गया और पुलिस-भीड़ के बीच टकराव की स्थिति बन गई।

जानकारी के अनुसार, गांव के 55 वर्षीय अब्दुल रहमान पिता गनी मोहम्मद रहमान पर नाबालिग को बहला-फुसलाकर अपने घर ले जाकर अशोभनीय हरकत (छेड़छाड़) करने का आरोप है। घटना सामने आने के बाद ग्रामीणों में भारी आक्रोश फैल गया।

धरना से टकराव तक कैसे बढ़ा मामला- गुरुवार सुबह बड़ी संख्या में ग्रामीण चौराहे पर एकत्रित हुए और धरने पर बैठ गए। उनकी मांग थी कि आरोपी को कड़ी सजा दी जाए और उसके अवैध मकान पर बुलडोजर चलाया जाए।

स्थिति को देखते हुए प्रशासन ने आरोपी के मकान पर अतिक्रमण का नोटिस चस्पा किया और दोपहर में जेसीबी मशीन भी मौके पर बुला ली। पुलिस और प्रशासनिक अधिकारी ग्रामीणों को समझाने में जुटे थे, लेकिन भीड़ तत्काल कार्रवाई की मांग पर अड़ी रही।

इसी दौरान कुछ लोग भीड़ से निकलकर आरोपी के घर में घुस गए और तोड़फोड़ शुरू कर दी। जब पुलिस ने उन्हें रोकने का प्रयास किया, तो उपद्रवियों ने पुलिस पर पथराव शुरू कर दिया।

पुलिस की कार्रवाई- लाठीचार्ज और आंसू गैस- पथराव बढ़ने पर पुलिस को हालात संभालने के लिए पहले लाठीचार्ज करना पड़ा और इसके बाद आंसू गैस के गोले छोड़कर भीड़ को तितर-बितर किया गया। अचानक हुई इस कार्रवाई से गांव में अफरा-तफरी मच गई।

एडीएम का बी.एल. कलेश ने कहा कि - आरोपी के मकान पर अतिक्रमण संबंधी नोटिस जारी किया गया है। नियमानुसार कार्रवाई की प्रक्रिया अपनाई जा रही है। प्रशासन की प्राथमिकता कानून व्यवस्था बनाए रखना है।

एएसपी नवल सिंह सिसोदिया ने कहा कि - छेड़छाड़ की घटना के विरोध में ग्रामीण प्रदर्शन कर रहे थे। इसी दौरान कुछ लोगों ने आरोपी के घर में घुसकर तोड़फोड़ की और पुलिस पर पथराव किया। स्थिति को नियंत्रित करने के लिए हल्का बल प्रयोग और आंसू गैस का इस्तेमाल किया गया। कुछ लोगों को हिरासत में लिया गया है, वीडियो के आधार पर अन्य की पहचान की जा रही है।

थाना प्रभारी नीलेश अवस्थी ने कहा कि - आरोपी को तत्काल गिरफ्तार कर लिया गया है। कुछ असामाजिक तत्वों ने कानून हाथ में लेने की कोशिश की, जिसके चलते स्थिति बिगड़ी। पुलिस ने संयम के साथ आवश्यक बल प्रयोग कर हालात को नियंत्रण में लिया है। फिलहाल क्षेत्र में शांति है।

अब तक की कार्रवाई-

आरोपी गिरफ्तार- 5 से अधिक उपद्रवी हिरासत में, 10 बाइक जब्त, मौके पर भारी पुलिस बल तैनात, वीडियो फुटेज के आधार पर अन्य की पहचान जारी

वर्तमान स्थिति- प्रशासन के मुताबिक फिलहाल गांव में स्थिति नियंत्रण में है, लेकिन एहतियातन पुलिस बल तैनात कर निगरानी जारी रखी जा रही है।

सम्पादकीय

एआई का उदय, इंसानों का पतनः ऑरेकल से शुरू हुई खामोश क्रांति

जिस दिन तलवारें चलती हैं, लोग चीख उठते हैं। जिस दिन गोलियां बरसती हैं, दुनिया उसे सुर्खियां बना देती है। लेकिन जब किसी देश के बारह हजार सपनों को खामोशी में दफना दिया जाए, तब कोई शोर नहीं उठता। न सायरन बजता है, न सड़कें रुकती हैं। बस मोबाइल स्क्रीन जलती है, इनबॉक्स खुलता है और कुछ ठंडे शब्द मेहनत, भरोसे और भविष्य को एक पल में राख कर देते हैं–टुडे इज़ योर लास्ट वर्किंग डे। ऑरेकल ने भारत में लगभग 12,000 कर्मचारियों को एक झटके में बाहर कर दिया। 31 मार्च 2026 की सुबह ठीक छह बजे बेंगलुरु, हैदराबाद और पुणे के हजारों घरों में उस सुबह चाय के कप हाथों में ही ठहर गए। जो लोग रात तक खुद को सुरक्षित मान रहे थे, वे सुबह बेरोज़गार थे। यह सिर्फ नौकरी जाने की घटना नहीं थी। यह उस नए दौर का ऐलान था, जिसमें मशीनें आगे बढ़ रही हैं और इंसान पीछे धकेले जा रहे हैं।

ऑरेकल की भारत में कुल कार्यशक्ति लगभग 30,000 थी। उनमें से 40 प्रतिशत से अधिक लोगों को हटाना किसी सामान्य पुनर्गठन का हिस्सा नहीं कहा जा सकता। इसके पीछे साफ आर्थिक गणित है। कंपनी इस समय एआई आधारित डेटा सेंटर, क्लाउड ऑटोमेशन और जेनरेटिव सिस्टम्स पर लगभग 156 अरब डॉलर लगा रही है। इतनी बड़ी पूंजी जुटाने का सबसे आसान रास्ता लागत घटाना है, और वैश्विक कंपनियों के लिए भारत हमेशा सबसे सस्ता, सबसे अधिक इस्तेमाल होने वाला श्रम बाजार रहा है। इसलिए अमेरिका या यूरोप की तुलना में भारत में छंटनी करना उन्हें कम महंगा पड़ता है। यानी जिन भारतीय इंजीनियरों ने वर्षों तक कंपनी के लिए अरबों डॉलर कमाए, वही सबसे पहले बलि चढ़ गए।

इस छंटनी की सबसे बड़ी वजह केवल लागत घटाना नहीं, बल्कि तकनीक का बदलता चेहरा भी है। पहले एक बड़े प्रोजेक्ट के लिए सैकड़ों इंजीनियरों की जरूरत होती थी। कोई कोड लिखता था, कोई टेस्टिंग करता था, कोई डेटाबेस संभालता था, कोई रिपोर्ट बनाता था। कंपनी अब एआई डेटा सेंटर और क्लाउड ऑटोमेशन पर भारी निवेश कर रही है, जिससे कई दोहराए जाने वाले और रूटीन कार्यों में कम लोगों की जरूरत पड़ रही है। जेनरेटिव एआई कोड लिखने, टेस्टिंग और रिपोर्टिंग जैसे कामों को तेज़ कर रहा है, लेकिन छंटनी का मुख्य कारण विशाल एआई इंफ्रास्ट्रक्चर के खर्च के लिए कैश फ्लो जुटाना है। यही वजह है कि ऑरेकल जैसी कंपनियां कर्मचारियों को खर्च और एआई को निवेश मानने लगी हैं।

इन आंकड़ों के पीछे दबी सच्चाई कहीं अधिक भयावह और निर्मम है। बारह हजार कर्मचारियों की छंटनी केवल एक आंकड़ा नहीं, बारह हजार परिवारों पर टूटा हुआ संकट है। किसी ने हाल ही में घर खरीदा था और हर महीने भारी ईएमआई देनी थी। किसी के बच्चे का दाखिला बड़े स्कूल में हुआ था। कोई बूढ़े माता-पिता की दवाइयों और इलाज का सहारा था। पुणे का एक इंजीनियर, जो दस साल से कंपनी में था, सुबह रोज़ की तरह लॉग-इन करने बैठा, लेकिन उसका सिस्टम एक्सेस बंद था। कुछ ही मिनटों में उसे समझ आ गया कि जिस कंपनी को उसने अपनी जवानी और मेहनत दी, उसी ने उसे एक ईमेल में खत्म कर दिया। कॉर्पोरेट दुनिया में वफादारी की कीमत अब शायद एक पासवर्ड से भी कम रह गई है।

सबसे खतरनाक बात यह है कि यह पूरी तबाही लगभग खामोशी में हुई। न सड़कों पर प्रदर्शन हुआ, न बड़ी बहस, न टीवी चैनलों पर लगातार चर्चा। लोग चुपचाप अपना रिज्यूमे अपडेट करते रहे, लिंक्डइन पर ÷ओपन टू वर्क÷ लिखते रहे और परिवार से छिपाते रहे कि उनकी दुनिया बदल चुकी है। यही वजह है कि इसे साइलेंट टेक रिवोल्यूशन कहा जा रहा है। यह ऐसी क्रांति नहीं है जिसमें कारखाने बंद दिखें या भीड़ सड़क पर उतर आए। यह वह क्रांति है जो बंद कमरे में, लैपटॉप स्क्रीन पर और एक क्लिक के साथ इंसान को सिस्टम से बाहर कर देती है। बाहर सब सामान्य दिखता है, लेकिन भीतर हजारों ज़िंदगियां टूट रही होती हैं।

यह सिर्फ ऑरेकल की कहानी नहीं है। गूगल, माइक्रोसॉफ्ट, अमेजन और दूसरी बड़ी टेक कंपनियां भी तेजी से उसी दिशा में बढ़ रही हैं। वे लगातार ऐसे एआई सिस्टम बना रही हैं जो इंसानों का काम घटा सकें। भारत की आईटी इंडस्ट्री वर्षों से आउटसोर्सिंग मॉडल पर टिकी रही। विदेशी कंपनियां यहां इसलिए आईं क्योंकि भारतीय इंजीनियर कम पैसे में ज्यादा काम करते थे। लेकिन अब वही कंपनियां मशीनों को भारतीय इंजीनियरों से भी सस्ता और तेज़ मानने लगी हैं। भारत हर साल लाखों इंजीनियर तैयार करता है, लेकिन उनमें से अधिकतर को वही कौशल सिखाए जाते हैं जो आसानी से ऑटोमेट हो सकते हैं। अगर शिक्षा और उद्योग का यही मॉडल चलता रहा, तो आने वाले वर्षों में डिग्रियां बढ़ेंगी, लेकिन नौकरियां घटती जाएंगी।

अहंकार व अपराधबोध से मुक्ति दिलाने में सहायक है सहजयोग

परमपूज्य श्री माताजी प्रणित सहजयोग आत्मसाक्षात्कार की गाथा है । जब हम अंतर्मुखी होकर अपनी जीवनयात्रा का अवलोकन करते हैं , तो पाते हैं कि जीवन दुःख, दर्द, तनाव, कठिनाईयों से भरा है, हम सभी सुख और आनंद पाने की स्पर्धा में दौड़ रहे हैं, परंतु जीवन में एक भी व्यक्ति हमें नहीं मिलता कि जो कहता हो, हम अंतर्मन में खुश हैं आनंदी हैं । परमपूज्य श्री माताजी प्रणित सहजयोग हमें हमारी आत्मा से यानि कि अंतर्मन के आनंद से मिलाता है । सहजयोग में आत्मसाक्षात्कार पाना सहज है सरल है, जब हम परमपूज्य श्री माताजी की प्रतिमा के सामने बैठते हैं या किसी पब्लिक प्रोग्राम में आत्मसाक्षात्कार प्राप्त करने जाते हैं तो हमसे प्रार्थना करवायी जाती है, कि '' मैं शुद्ध आत्मा हूं '' यह एक महान मंत्र है । मैं मन, बुद्धि, चित्त, अहंकार ये कुछ भी नहीं, परंतु एक शुद्ध आत्मा हूं , ये कहना और इस आत्मतत्व से एकरूप होना यह एक महान योग है , जो हमें हमारी सारी परेशानियों से मुक्ति दिलाता है, क्योंकि हमारी आत्मा निर्लेप, निरंजन और अखंड आनंद देने वाला परम प्रेमास्पद मानो एक अमूल्य रत्न है, और इसे पाना ही हमारे जीवन का लक्ष्य ।

प्रश्न आता है इतना सुंदर यह आत्मतत्व प्राप्त होने में हमें क्या कठिनाई है, तो परमपूज्य श्री माताजी कहते हैं, आपका दायां और बायां पक्ष। आपके इड़ा और पिंगला नाड़ी से आने वाले अनगनित विचार और इन विचारों के कारण ही जीवन की सारी समस्याएं हैं । श्री माताजी इन विचारों को दो भागों में विभाजित करती हैं। आत्मसाक्षात्कार प्राप्ति में अड़चन है 'अपराध बोध' की भावना जो बायें पक्ष से आती है। श्री माताजी कहते हैं कि, आप कभी भी खुद को अपराधी मत समझो 7 भूतकाल में, आत्मसाक्षात्कार पूर्व और बाद में जो आपने कुछ गलत किया हो, तो अब से ,आज से, इसी वक्त से भूल जाइये। अपराधबोध एक अवचेतन क्रिया है। जब इस प्रकार का अनैतिक आचरण किया जाता है, यहां तक कि तुम्हें यह भी पता ना हो कि नैतिकता क्या है, अगर तुम धर्मों को नही जानते , हो सकता है तुम ऐसा कुछ कर रहे हो , जो तुम्हें नहीं करना चाहिये था, तो इसके बारे में भूल जाओ, स्वयं को अलग करो, जिसने गलती की है, वह तुम्हारा अहंकार है, तुम नहीं। तुम पवित्र हो क्यों कि तुम आत्मा हो, तो उसके लिये स्वयं को दोष मत दो, तुम्हे परेशान नहीं होना है। उदाहरण के लिये अगर यंत्र में कोई दोष है तो उसमें बिजली का कोई दोष नहीं है, तो हमें यंत्र को ठीक करना है । सहजयोग हमें अपने अहंकार और प्रति अहंकार से सहजता में मुक्ति दिलाता है, क्योंकि जब हमें हमारा आत्मसाक्षात्कार प्राप्त होता है, तो हमारी कुंडलिनी माँ हमें हमारे अहंकार और प्रति अहंकार के प्रति सजग बनाती हैं, हमें उन दो शत्रुओं से दूर रखकर, एक माँ का निर्वाज्य प्रेम प्रदान करती हैं, आपको भी यह निर्व्याज प्रेम पाना है, तो सहजयोग ध्यान में आपका स्वागत है।

विवाह संस्था और व्यक्तिगत स्वतंत्रता के बीच नई खाई

आधुनिकता के संक्रमणकालीन दौर में सबसे अधिक यदि कोई संस्था प्रश्नों के घेरे में है, तो वह विवाह और रिश्तों की पारंपरिक अवधारणा है। बदलती जीवनशैली, आर्थिक आत्मनिर्भरता, तकनीक, वैश्वीकरण और व्यक्तिगत स्वतंत्रता की बढ़ती चेतना ने रिश्तों की परिभाषा, अपेक्षाएँ और संरचना-सब कुछ बदल दिया है। यही कारण है कि आज रिश्तों से जुड़े प्रश्न केवल सामाजिक विमर्श का विषय नहीं रहे, बल्कि अदालतों तक पहुँच रहे हैं। हाल ही में इलाहाबाद उच्च न्यायालय के दो फैसलों ने व्यक्तिगत स्वतंत्रता और विवाह संस्था के बीच उत्पन्न हो रही नाजुक खाई को उजागर किया है। एक निर्णय में न्यायालय ने कहा कि वयस्कों के बीच आपसी सहमति से बना लिव-इन रिलेशनशिप, भले ही एक साथी विवाहित हो, अपराध नहीं है; वहीं दूसरे मामले में न्यायालय ने ऐसे ही एक जोड़े को संरक्षण देने से इनकार कर दिया और कहा कि व्यक्तिगत स्वतंत्रता के नाम पर पति या पत्नी के कानूनी अधिकारों को कमजोर नहीं किया जा सकता। यह विरोधाभास वास्तव में न्यायिक असंगति से अधिक एक कानूनी रिक्तता और सामाजिक संक्रमण का संकेत है। वास्तव में एक हकीकत यह भी है कि भारतीय समाज में वैवाहिक अधिकारों और व्यक्तिगत स्वतंत्रता के बीच संतुलन बनाने वाले एक प्रभावी ढांचे की लंबे समय से आवश्यकता महसूस की जाती रही है। हमें मौजूदा परिदृश्य में यह बात स्वीकार करनी होगी कि यद्यपि विवाह संस्था संरक्षण की हकदार है, फिर भी पुरुष या स्त्री की व्यक्तिगत स्वतंत्रता को अनिश्चित काल तक इसके अधीन बंधक बनाकर नहीं रखा जा सकता है।

निश्चित ही भारतीय संविधान का अनुच्छेद 21 प्रत्येक व्यक्ति को जीवन और व्यक्तिगत स्वतंत्रता का अधिकार देता है और इसी के दायरे में न्यायालयों ने समय-समय पर लिव-इन रिलेशनशिप को अपराध की श्रेणी से बाहर माना है। लेकिन दूसरी ओर, भारतीय कानून विवाह को एक कानूनी और सामाजिक संस्था के रूप में सर्वोच्च प्राथमिकता देता है, जिसमें अधिकार और दायित्व दोनों शामिल हैं। यही वह बिंदु है जहाँ व्यक्तिगत स्वतंत्रता और वैवाहिक अधिकारों के बीच टकराव उत्पन्न होता है। न्यायालय लिव-इन संबंधों को अपराध नहीं मानता, परंतु उनके सभी परिणामों को वैध मानने में संकोच करता है। यह स्थिति न केवल कानूनी भ्रम उत्पन्न करती है, बल्कि सामाजिक असुरक्षा भी पैदा करती है। वास्तव में समस्या न्यायिक निर्णयों की नहीं, बल्कि स्पष्ट विधायी ढाँचे की कमी की है। यदि व्यापक सामाजिक परिप्रेक्ष्य में देखें तो भारतीय समाज इस समय एक बड़े संक्रमणकाल से गुजर रहा है। एक ओर सदियों से स्थापित पारंपरिक जीवन मूल्य हैं, जिनमें विवाह केवल एक अनुबंध नहीं बल्कि एक संस्कार, सामाजिक स्वीकृति और पारिवारिक व्यवस्था का आधार है; दूसरी ओर आधुनिक जीवन की वास्तविकता है, जहाँ व्यक्ति की स्वतंत्रता, आत्म-विकास, करियर, आर्थिक स्वायत्तता और व्यक्तिगत संतुष्टि को भी समान महत्व दिया जा रहा है। विशेष रूप से महिलाओं की आर्थिक आत्मनिर्भरता ने रिश्तों की शक्ति-संतुलन व्यवस्था को बदल दिया है। अब रिश्ते केवल सामाजिक दबाव से नहीं, बल्कि आपसी समझ और संतुष्टि के आधार पर टिके रहते हैं। परिणामस्वरूप, रिश्तों की स्थायित्व की अवधारणा बदल रही है और प्रतिबद्धता अब आजीवन वचन से अधिक एक निरंतर पुनर्मूल्यांकन की प्रक्रिया बनती जा रही है।

पिछली पीढ़ियों में विवाह जीवन का अनिवार्य चरण माना जाता था। हमारे माता-पिता और दादा-दादी के लिए विवाह केवल दो व्यक्तियों का नहीं, बल्कि दो परिवारों का संबंध था और जीवन भर साथ निभाना ही उसका लक्ष्य था। लेकिन आधुनिक पीढ़ी रिश्तों को अलग दृष्टि से देख रही है। आज के युवा पहले शिक्षा, करियर और आर्थिक स्थिरता को प्राथमिकता देते हैं, उसके बाद रिश्तों के बारे में निर्णय लेते हैं। कुछ लोग विवाह से पहले साथ रहने का विकल्प चुनते हैं, कुछ रिश्तों को नाम देने से भी बचते हैं और कुछ लोग विवाह के बजाय साझेदारी को अधिक उपयुक्त मानते हैं। इसका अर्थ यह नहीं कि आधुनिक पीढ़ी रिश्तों को महत्व नहीं देती, बल्कि इसका अर्थ यह है कि वे रिश्तों में स्वतंत्रता, सम्मान, संवाद और समानता को अधिक महत्व देते हैं। रिश्तों में सबसे बड़ा परिवर्तन लिंग भूमिकाओं के बदलाव से भी आया है। पहले पुरुष कमाने वाला और महिला घर संभालने वाली मानी जाती थी, लेकिन आज दोनों काम करते हैं, दोनों निर्णय लेते हैं और दोनों भावनात्मक सहयोग चाहते हैं। आधुनिक रिश्तों में समानता, खुलकर संवाद और साझा जिम्मेदारियों पर जोर है। हालांकि पुरुष और महिलाओं की अपेक्षाएँ पूरी तरह समान नहीं होतीं-अक्सर महिलाएँ भावनात्मक सहयोग और संवाद को अधिक महत्व देती हैं, जबकि पुरुष स्वतंत्रता और बौद्धिक जुड़ाव को महत्वपूर्ण मानते हैं लेकिन इन अंतरों को समझकर ही मजबूत रिश्ते बनाए जा सकते हैं।

आज आत्म-प्रेम और आत्म-देखभाल को स्वार्थ नहीं, बल्कि स्वस्थ जीवन का आधार माना जाने लगा है। तकनीक और सोशल मीडिया ने भी रिश्तों की प्रकृति को गहराई से प्रभावित किया है। सोशल मीडिया ने लोगों को जोड़ने का काम किया है, लेकिन इसके साथ तुलना की संस्कृति भी बढ़ी है। अब लोग अपने रिश्तों की तुलना दूसरों की ऑनलाइन तस्वीरों और पोस्ट से करने लगे हैं, जिससे असंतोष और अवास्तविक अपेक्षाएँ बढ़ती हैं। कई बार डिजिटल दुनिया में मिलने वाला ध्यान वास्तविक रिश्तों की आत्मीयता को कम कर देता है। ऑनलाइन फ्लर्टिंग, डिजिटल बेवफाई और लगातार उपलब्ध रहने की अपेक्षा जैसी नई समस्याएँ भी सामने आई हैं। इसलिए आज डिजिटल सीमाएँ भी उतनी ही आवश्यक हो गई हैं जितनी व्यक्तिगत सीमाएँ।

ऑनलाइन डेटिंग ने रिश्तों की दुनिया को पूरी तरह बदल दिया है। जीवनसाथी ढूँढना पहले परिवार, समाज या परिचितों के माध्यम से होता था, लेकिन अब मोबाइल एप और वेबसाइटों के माध्यम से लोग साथी ढूँढते हैं। इससे विकल्प बढ़े हैं, लेकिन साथ ही रिश्तों की स्थिरता कम हुई है। ÷स्वाइप संस्कृति÷ ने रिश्तों को कई बार उपभोक्ता वस्तु की तरह बना दिया है, जहाँ विकल्प हमेशा खुले रहते हैं और प्रतिबद्धता कठिन हो जाती है। इसके बावजूद, यह भी सत्य है कि कई सफल विवाह और रिश्ते भी ऑनलाइन माध्यम से ही बने हैं। इसलिए समस्या तकनीक में नहीं, बल्कि उसके उपयोग की मानसिकता में है। आज की तेज़ रफ्तार दुनिया में रिश्तों को समय देना भी एक बड़ी चुनौती बन गया है। करियर, प्रतिस्पर्धा, आर्थिक दबाव, सोशल मीडिया और व्यक्तिगत महत्वाकांक्षाएँ-इन सबके बीच रिश्ते अक्सर प्राथमिकता सूची में नीचे चले जाते हैं। लेकिन यह भी एक सत्य है कि अंततः मनुष्य को भावनात्मक सहारा, अपनापन और संबंधों की ही आवश्यकता होती है। इसलिए आधुनिक जीवन में रिश्तों को बनाए रखने के लिए संवाद, समय, सम्मान और समझ पहले से कहीं अधिक आवश्यक हो गए हैं। विभिन्न पीढ़ियों के बीच रिश्तों को लेकर दृष्टिकोण में भी बड़ा अंतर दिखाई देता है। पुरानी पीढ़ी स्थायित्व और त्याग को महत्व देती है, जबकि नई पीढ़ी संतुष्टि और स्वतंत्रता को। पुरानी पीढ़ी रिश्ते बचाने के लिए समझौता करती थी, नई पीढ़ी रिश्ते में सम्मान और खुशी नहीं मिलने पर उसे छोड़ने का साहस रखती है। दोनों दृष्टिकोणों में अपनी-अपनी सच्चाई है। इसलिए आवश्यकता पीढ़ियों के संघर्ष की नहीं, बल्कि संवाद और समझ की है। वास्तव में विवाह बनाम स्वतंत्रता का प्रश्न किसी एक पक्ष की जीत या हार का प्रश्न नहीं है। यह समाज के विकास और परिवर्तन का स्वाभाविक चरण है। विवाह संस्था समाज के लिए आवश्यक है, क्योंकि वह स्थिरता, परिवार और सामाजिक व्यवस्था का आधार है। लेकिन व्यक्तिगत स्वतंत्रता भी उतनी ही आवश्यक है, क्योंकि बिना स्वतंत्रता के कोई भी रिश्ता केवल बंधन बन जाता है। इसलिए आवश्यकता इस बात की है कि कानून, समाज और परिवार-तीनों मिलकर ऐसा संतुलन बनाएं, जिसमें विवाह संस्था भी सुरक्षित रहे और व्यक्ति की स्वतंत्रता भी सुरक्षित रहे। निश्चिततौर पर यह स्वीकार करना होगा कि जब रिश्ते टूट जाते हैं, तो व्यक्तियों को गरिमा के साथ आगे बढ़ने की अनुमति देना समाज के लिए खतरा नहीं है, बल्कि यह सामाजिक व्यवस्था का एक आवश्यक अनुकूलन है। दुनिया तेजी से बदल रही है, संस्कृतियाँ एक-दूसरे से जुड़ रही हैं और सोच भी बदल रही है। ऐसे समय में हमें परंपरा और आधुनिकता के बीच संघर्ष नहीं, बल्कि समन्वय का मार्ग खोजना होगा। रिश्तों का भविष्य न पूरी तरह परंपरागत होगा, न पूरी तरह आधुनिक, बल्कि दोनों के संतुलन से ही एक नई सामाजिक व्यवस्था का निर्माण होगा, जहाँ विवाह भी सम्मानित होगा और स्वतंत्रता भी सुरक्षित होगी।

-ललित गर्ग

रुपए का गंभीर अवमूल्यन

एक अमरीकी डॉलर की तुलना में भारतीय रुपए की कीमत 95 तक पहुंच चुकी है। अर्थात् हम 95 रुपए खर्च कर एक डॉलर प्राप्त कर सकते हैं अथवा अंतरराष्ट्रीय व्यापार कर सकते हैं। 'रुपए' का लगातार अवमूल्यन होता रहा है। डॉलर ही नहीं, ब्रिटिश मुद्रा 'पौंड' के लिए भी हमें 123.84 रुपए खर्च करने होंगे और यूरोप की मुद्रा 'यूरो' की कीमत भी 108 रुपए से अधिक है। 'रुपया' लगातार कमजोर होता रहा है, उसका असर हमारी अर्थव्यवस्था पर भी पड़ा है और आयात-बिल भी महंगे होते रहे हैं। 2013-14 के संसदीय चुनाव के दौरान भाजपा ने 'रुपए' को भारत की संप्रभुता और प्रतिष्ठा से जोड़ कर एक संवेदनशील मुद्दा बना दिया था। लोगों ने विश्वास किया और जनादेश भाजपा को दिया। मोदी सरकार के करीब 12 साल के कालखंड में 'रुपए' में करीब 61 फीसदी की गिरावट दर्ज हो चुकी है और यह सिलसिला अभी जारी है। यह बेहद गंभीर मौद्रिक स्थिति है, बेशक भारत विश्व की चौथी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था है। इस मुद्दे को आसानी से यूं समझा जा सकता है कि फरवरी, 2026 में ईरान युद्ध से पहले कच्चे तेल की कीमत 69 डॉलर प्रति बैरल थी। तब हमें एक बैरल कच्चा तेल 6700 रुपए से कुछ अधिक में पड़ता था, लेकिन मार्च में वही तेल 10,640 रुपए बैरल में खरीदा जा रहा है। यानी कीमत 70 फीसदी बढ़ी है, लिहाजा आम आदमी को भी महंगा पेट्रोल-डीजल खरीदना पड़ेगा। बेशक कुछ विधानसभा चुनावों के मद्देनजर सरकार ने पेट्रोल-डीजल महंगे नहीं किए हैं, लेकिन अंतरराष्ट्रीय बाजार में कच्चे तेल के दाम 117 डॉलर प्रति बैरल तक उछल चुके हैं। भाजपा तत्कालीन प्रधानमंत्री डॉ. मनमोहन सिंह को लगातार निशाना बनाती थी, जबकि उन्होंने ही देश को आर्थिक मंदी से बचाया था। तब भाजपा अर्थव्यवस्था की कमजोरी और 'रुपए' के अवमूल्यन पर चिंताएं जताती थी। मौजूदा वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण उस दौर में भाजपा की राष्ट्रीय प्रवक्ता थीं। 'रुपए' की स्थिति को लेकर यूपीए और भाजपा-एनडीए सरकारों की तुलना करना बेहद तार्किक है। तब मई, 2004 में मनमोहन सरकार के शुरुआती दिनों में एक डॉलर की तुलना में 'रुपया' 45.37 पर था। मई, 2014 में यूपीए कालखंड की समाप्ति के वक्त डॉलर की कीमत 58.58 रुपए थी। केंद्र में नरेन्द्र मोदी की सरकार आई, तो 'रुपए' का अवमूल्यन लगातार क्यों होता रहा है? डॉलर 58 रुपए से उछल कर 90-91 रुपए तक कैसे पहुंच गया? आर्थिक विशेषज्ञों का मानना है कि यदि रिजर्व बैंक दखल न दे, तो एक डॉलर 110 रुपए में पड़ सकता है। ईरान युद्ध की शुरुआत के एक दिन पहले, 27 फरवरी, तक 'रुपया' 90.98 तक गिरा था, लेकिन 31 मार्च, 2026 को 95 तक गिर गया।

-धनंजय राजौरा

दायित्व बोध से ही श्रेष्ठ राष्ट्र का निर्माण

प्रख्यात चिंतक वाल्टेयर ने कहा था जितने अधिक अधिकार, उतनी अधिक जिम्मेदारी। यह कथन आज के संदर्भ में अत्यंत प्रासंगिक प्रतीत होता है। स्वतंत्रता तभी सार्थक है जब वह संयम और जिम्मेदारी से संचालित हो अन्यथा वह स्वच्छंदता बनकर अराजकता को जन्म देती है।

मानव सभ्यता के विकास की समूची यात्रा यदि किसी सूक्ष्म सूत्र में पिरोई जा सकती है, तो वह है,अधिकार और उत्तरदायित्व का संतुलन। यह संतुलन ही वह धुरी है, जिस पर व्यक्ति, समाज और राष्ट की संरचना और आधारशिला टिकती है। प्रख्यात चिंतक वाल्टेयर का यह कथन जितने अधिक अधिकार, उतनी अधिक जिम्मेदारी,केवल एक वाक्य नहीं, बल्कि लोकतांत्रिक जीवन का शाश्वत सिद्धांत है। आज जब आधुनिकता के प्रवाह में मनुष्य अधिकारों की नई-नई परिभाषाएँ गढ़ रहा है, तब यह प्रश्न और भी महत्वपूर्ण हो जाता है कि क्या हम अपने उत्तरदायित्वों के प्रति उतने ही सजग हैं जितने अपने अधिकारों के प्रति?

स्वतंत्रता का अर्थ केवल बंधनों से मुक्ति नहीं है, बल्कि वह एक अनुशासित चेतना का नाम है। जब स्वतंत्रता संयम और उत्तरदायित्व से संचालित होती है, तभी वह समाज में समरसता और प्रगति का मार्ग प्रशस्त करती है; अन्यथा वही स्वतंत्रता स्वच्छंदता बनकर अराजकता को जन्म देती है। राष्टपिता महात्मा गांधी जी ने भी स्पष्ट कहा था कि कर्तव्यों के हिमालय से अधिकारों की गंगा बहती है, यह कथन इस मूल को इंगित करता है कि अधिकारों की प्राप्ति का मूल स्रोत हमारे कर्तव्यों का निष्ठापूर्वक पालन ही है।

भारतीय लोकतंत्र की आधारशिला भारतीय संविधान में निहित है, जिसने नागरिकों को व्यापक मूल अधिकार प्रदान किए। यह व्यवस्था उन ऐतिहासिक विषमताओं को दूर करने के लिए थी, जिनसे समाज का एक बड़ा वर्ग पीड़ित रहा था। परंतु इसी संविधान ने मौलिक कर्तव्यों का भी उल्लेख किया, ताकि अधिकारों का उपयोग संतुलित, मर्यादित और राष्टहितकारी बना रहे। यह द्वंद्व नहीं, बल्कि द्वैत में एकता का अद्भुत उदाहरण है।

हाल के वर्षों में माननीय सुप्रीम कोर्ट ऑफ़ इंडिया द्वारा निजता के अधिकार को मौलिक अधिकार के रूप में मान्यता देना नागरिक स्वतंत्रता की दिशा में एक ऐतिहासिक मील का पत्थर सिद्ध हुआ। किंतु यह भी उतना ही सत्य है कि इस अधिकार के साथ यह दायित्व भी जुड़ता है कि हम अपनी स्वतंत्रता का उपयोग इस प्रकार करें कि वह दूसरों के अधिकारों का अतिक्रमण न करे। अधिकारों की सीमा वहीं समाप्त हो जाती है, जहाँ दूसरे के अधिकारों का क्षेत्र आरंभ होता है।

आधुनिक युग में जागरूकता का विस्तार हुआ है, किंतु नैतिक अनुशासन और कर्तव्य-बोध अपेक्षित गति से विकसित नहीं हो पाए हैं। परिणामस्वरूप समाज में एक विचित्र असंतुलन दिखाई देता है।अधिकारों की माँग प्रबल है, किंतु उत्तरदायित्व के निर्वहन में शिथिलता स्पष्ट है। यही असंतुलन लोकतंत्र की जड़ों को कमजोर करता है। संविधान के निर्माता डॉक्टर बी आर अंबेडकर जी ने चेताया था कि संविधान कितना भी अच्छा क्यों न हो, यदि उसे चलाने वाले लोग अच्छे नहीं होंगे, तो वह भी असफल हो जाएगा। यह कथन इस बात की पुष्टि करता है कि किसी भी व्यवस्था की सफलता उसके नागरिकों के चरित्र और जिम्मेदारी पर निर्भर करती है।

लोकतंत्र में जनता अपने प्रतिनिधियों को इस विश्वास के साथ चुनती है कि वे लोककल्याण की भावना से शासन करेंगे। किंतु जब जनप्रतिनिधि अधिकारों के मद में अपने उत्तरदायित्वों को विस्मृत कर देते हैं, तब शासन व्यवस्था में भ्रष्टाचार, लालफीताशाही और निरंकुशता का प्रवेश हो जाता है। इस संदर्भ में अमेरिकी राष्टपति अब्राहम लिंकन का यह कथन स्मरणीय है जनता का, जनता के लिए और जनता द्वारा शासन तभी संभव है, जब जनता स्वयं अपने कर्तव्यों के प्रति सजग हो।

प्राचीन भारतीय चिंतन में भी अधिकार और कर्तव्य के इस संतुलन को अत्यंत महत्व दिया गया है। ऐतिहासिक चिंतक कौटिल्य ने अपने ग्रंथ 'अर्थशास्त्र' में स्पष्ट कहा है कि जिस राज्य की प्रजा कष्ट में हो, वहाँ शासक का वैभव नैतिक रूप से अनुचित है। यह विचार शासन और समाज के बीच उत्तरदायित्व की गहरी कड़ी को उजागर करता है।

सार्वजनिक जीवन में भी यह सिद्धांत समान रूप से लागू होता है। स्वच्छ सड़कें, शुद्ध जल, सुरक्षित वातावरण

ये सभी हमारे अधिकार हैं, किंतु इन्हें बनाए रखना हमारा दायित्व भी है। पर्यावरण संकट इसका ज्वलंत उदाहरण है। दलाई लामा जी ने कहा है कि यह पृथ्वी हमें हमारे पूर्वजों से विरासत में नहीं मिली, बल्कि हमने इसे अपने बच्चों से उधार लिया है। यदि हम इस उधार को संजोकर नहीं रखेंगे, तो आने वाली पीढ़ियाँ हमें कभी क्षमा नहीं करेंगी।

आज मूल जरूरत इस बात की है कि हम अधिकार और उत्तरदायित्व के बीच कृत्रिम विभाजन को समाप्त करें और उन्हें एक समग्र दृष्टि से देखें। ये दोनों विरोधी नहीं, बल्कि सहयात्री हैं,एक के बिना दूसरा अधूरा है। जब व्यक्ति अपने अधिकारों के प्रति जितना सजग होता है, उतना ही अपने कर्तव्यों के प्रति भी हो जाता है, तभी समाज में संतुलन और समरसता स्थापित होती है।

राष्टनिर्माण केवल सरकारों या नीतियों का परिणाम नहीं होता, बल्कि यह प्रत्येक नागरिक के छोटे-छोटे प्रयासों से निर्मित होता है। एक ईमानदार करदाता, एक सजग मतदाता, एक जिम्मेदार नागरिक,ये सभी राष्ट की नींव को मजबूत करते हैं। स्वामी विवेकानंद जी का यह आह्वान आज भी उतना ही प्रासंगिक है उठो, जागो और तब तक मत रुको, जब तक लक्ष्य की प्राप्ति न हो जाए। यह लक्ष्य केवल व्यक्तिगत सफलता का नहीं, बल्कि एक सशक्त, समृद्ध और नैतिक राष्ट के निर्माण का है।

अतः यह स्पष्ट है कि अधिकार और उत्तरदायित्व एक ही सिक्के के दो पहलू हैं,अविभाज्य, अपरिहार्य और परस्पर पूरक। यदि हम केवल अधिकारों की माँग करेंगे और कर्तव्यों की उपेक्षा करेंगे, तो लोकतंत्र का स्वरूप विकृत हो जाएगा। किंतु यदि हम इन दोनों के बीच संतुलन स्थापित कर पाए, तो न केवल लोकतंत्र सुदृढ़ होगा, बल्कि राष्ट भी उन्नति के शिखर पर पहुँचेगा।

समय की पुकार यही है कि हम अपने भीतर उत्तरदायित्व की उस ज्योति को प्रज्वलित करें, जो अधिकारों को प्रकाशमान करती है। यही सच्चा राष्ट-चिंतन है, यही लोकतंत्र की आत्मा है और यही भविष्य का पथ भी।

-संजीव ठाकुर

सुधार या बोझ? आम आदमी की जेब पर लगातार पड़ता वार

देश में कई फैसले ऐसे होते हैं, जो कागज पर छोटे दिखते हैं, लेकिन उनका असर सीधे रसोई, सड़क और जेब तक पहुंचता है। 1 अप्रैल 2026 भी ऐसी ही तारीख बन गई। नए वित्तीय वर्ष के पहले ही दिन आम आदमी पर तीन तरफ से बोझ डाला गया–नया इनकम टैक्स कानून, ई20 पेट्रोल का अनिवार्य उपयोग और फास्टैग का महंगा वार्षिक पास। सरकार इन बदलावों को सुधार कह रही है, लेकिन असली असर वही मध्यम वर्ग झेल रहा है, जो पहले से महंगाई, किस्तों और रोजमर्रा के खर्चों में फंसा हुआ था। यह सिर्फ नियमों में बदलाव नहीं, बल्कि आम आदमी की आय स्थिर रहकर खर्चों के बढ़ते दबाव का नया दौर है।

सबसे बड़ा बदलाव नए इनकम टैक्स एक्ट 2025 के रूप में आया है। छह दशक पुराने इनकम टैक्स एक्ट 1961 को हटाकर नई व्यवस्था लागू कर दी गई है। दावा है कि इससे टैक्स सिस्टम आसान, पारदर्शी और आधुनिक बनेगा। कागजों पर राहत भी दिखती है। बच्चों का शिक्षा भत्ता 100 रुपये से बढ़ाकर 3000 रुपये प्रतिमाह, हॉस्टल भत्ता 300 से 9000 रुपये और भोजन भत्ता व गिफ्ट लिमिट भी कई गुना बढ़ाई गई है। पहली नजर में यह राहत का पैकेज लगता है, लेकिन असलियत अलग है। इन बढ़ी हुई सीमाओं के साथ शर्तें और कागजी बोझ भी बढ़ गया है। नतीजा यह कि कर्मचारी को राहत कम और उलझन ज्यादा मिल रही है।

नए टैक्स नियमों ने नौकरीपेशा वर्ग के लिए कुछ राहत के साथ कागजी अनुपालन भी बढ़ाया है। अब एचआरए क्लेम के लिए मकान मालिक का पैन और किराए की रसीद जैसे दस्तावेज अनिवार्य हो गए हैं। दस लाख रुपये से अधिक के हर लेन-देन पर भी पैन अनिवार्य कर दिया गया है। फॉर्म 16 की जगह नई अनुपालन प्रक्रिया और फॉर्म लागू हो गए हैं, जिन्हें समझने में कर्मचारियों को परेशानी हो रही है। सबसे बड़ी परेशानी पुरानी और नई टैक्स व्यवस्था के बीच चुनाव को लेकर है। आम कर्मचारी तय नहीं कर पा रहा कि किसमें बचत है और किसमें ज्यादा टैक्स। जिसे आसान और पारदर्शी व्यवस्था कहा गया था, वह अब सलाहकारों, चार्ट और कैलकुलेटर के बिना समझ में नहीं आती। सुधार के नाम पर उलझन और बढ़ गई है।

टैक्स के बाद दूसरा बड़ा झटका ई20 पेट्रोल ने दिया है। 1 अप्रैल से देश के हर पेट्रोल पंप पर 20 प्रतिशत एथनॉल मिला पेट्रोल ही बिक रहा है। सरकार इसे तेल आयात घटाने, विदेशी मुद्रा बचाने, प्रदूषण कम करने और किसानों की आय बढ़ाने वाला कदम बता रही है। मंशा पर सवाल नहीं, लेकिन मुश्किल वहां शुरू होती है जहां यह फैसला आम आदमी की गाड़ी से टकराता है। देश में लाखों कारें और बाइक पांच-दस साल पुरानी हैं। उनके मालिक अब डर रहे हैं कि कहीं ई20 पेट्रोल से इंजन पर असर न पड़े, माइलेज न घट जाए और मरम्मत का नया खर्च न जुड़ जाए। अगर गाड़ी ई20 के अनुकूल नहीं हुई, तो उसकी कीमत आखिर किसकी जेब से निकलेगी?

विशेषज्ञ चेतावनी दे चुके हैं कि ई20 पेट्रोल से पुरानी गाड़ियों का माइलेज घट सकता है, इंजन पर दबाव बढ़ सकता है और तकनीकी बदलाव की जरूरत पड़ सकती है। पेट्रोल की कीमत भले न बढ़े, वास्तविक खर्च बढ़ जाएगा। माइलेज घटने से महीने के अंत तक कई सौ रुपये अतिरिक्त खर्च होंगे। रोज़ दफ्तर जाने वाले कर्मचारी, टैक्सी चालक, डिलीवरी कर्मी और छोटे व्यापारी सबसे पहले प्रभावित होंगे। सीमित आय वाले परिवारों के लिए यह नया खर्च बड़ी समस्या बन सकता है। सरकार ने फैसला लागू कर दिया, लेकिन पुराने वाहनों वाले लाखों परिवारों की तैयारी नहीं हुई।

सड़क पर निकलने वालों के लिए सबसे तात्कालिक झटका फास्टैग के नए नियमों ने दिया है। राष्ट्रीय राजमार्ग प्राधिकरण ने फास्टैग के वार्षिक पास की कीमत 3000 रुपये से बढ़ाकर 3075 रुपये कर दी है। सुनने में यह केवल 75 रुपये की बढ़ोतरी लगती है, लेकिन असली बोझ इससे कहीं बड़ा है। अब 'वन व्हीकल, वन फास्टैग' नियम पहले से सख्ती से लागू है और नकद भुगतान लगभग खत्म हो चुका है। खाते में बैलेंस कम हुआ, तो टोल प्लाजा पर गाड़ी रुक सकती है। अब हर सफर मोबाइल, बैंक खाते और नेटवर्क पर ज्यादा निर्भर हो गया है। यानी अब सड़क पर निकलने से पहले गाड़ी नहीं, फास्टैग का सक्रिय होना ज्यादा जरूरी हो गया है।

इन तीनों बदलावों की सबसे बड़ी मार मध्यम वर्ग पर पड़ेगी। सीमित आय वाले एक सामान्य परिवार की जेब पर अब हर महीने 800 से 1200 रुपये का अतिरिक्त बोझ पड़ेगा। नए टैक्स नियम बचत घटाएंगे, ई20 पेट्रोल रोज की यात्रा महंगी करेगा और फास्टैग हर सफर को ज्यादा खर्चीला बना देगा। यही वह वर्ग है, जो पहले ही बच्चों की फीस, राशन, बिजली बिल और ईएमआई के बीच जूझ रहा है। न उसे सरकारी राहत मिलती है, न बढ़ती महंगाई से बचने का रास्ता। इसलिए सरकार जिन कदमों को सुधार कह रही है, वे आम आदमी को जेब पर लगातार पड़ते वार जैसे लग रहे हैं।

किसी भी सुधार का मूल्य उसके उद्देश्य से नहीं, बल्कि उसके प्रभाव से तय होता है। टैक्स व्यवस्था को आधुनिक बनाना, तेल पर निर्भरता घटाना और टोल को डिजिटल करना जरूरी हो सकता है, लेकिन बिना तैयारी और विकल्प के लागू किए गए बदलाव सुधार नहीं, बोझ बन जाते हैं। 1 अप्रैल 2026 ने यही सच्चाई सामने रखी। इस दिन देश ने कोई नई शुरुआत नहीं, बल्कि यह महसूस किया कि आने वाले समय में आम आदमी को अपनी कमाई से ज्यादा अपने बढ़ते खर्चों की चिंता करनी होगी।

-कृति आरके जैन

अमलतास विश्वविद्यालय में दीक्षांत समारोह आयोजन आज

अमलतास विश्वविद्यालय में आज सजेगा दीक्षांत समारोह का मंच; मंत्री जी विद्यार्थियों को देंगे सफलता का मंत्र

देवास/ राजेन्द्र सिंह पंवार/ दैनिक मालवा हेराल्ड। अमलतास विश्वविद्यालय में आज, शुक्रवार 3 अप्रैल को विश्वविद्यालय का वार्षिक दीक्षांत समारोह आयोजित होने जा रहा है। इस गौरवशाली उत्सव में भारत सरकार के सामाजिक न्याय और अधिकारिता मंत्री माननीय श्री वीरेंद्र कुमार जी मुख्य अतिथि के रूप में शामिल होंगे। वहीं कार्यक्रम की विशिष्ट गरिमा बढ़ाने के लिए विशिष्ट अतिथि माननीय श्री जगदीश देवड़ा जी उप मुख्यमंत्री म.प्र. कौशल विकास एवं रोजगार राज्यमंत्री (स्वतंत्र प्रभार) श्री गौतम टेटवाल जी , निजी विश्वविद्यालय विनियामक आयोग अध्यक्ष डॉ. खेम सिंह डेहरिया , देवास सांसद श्री महेंद्र सिंह सोलंकी, विधायक श्रीमंत गायत्री राजे पंवार, हाटपिपलिया विधायक श्री मनोज चौधरी विशेष रूप से मौजूद रहेंगे।

इस दीक्षांत समारोह में विश्वविद्यालय के विभिन्न संकायों, विशेषकर मेडिकल, नर्सिंग और पैरामेडिकल सहित अन्य विभागों के स्नातक और स्नातकोत्तर छात्र-छात्राओं को उनकी शैक्षणिक उपलब्धियों के लिए उपाधियाँ प्रदान की जाएंगी। कड़ी मेहनत और समर्पण के साथ अपनी पढ़ाई पूरी करने वाले विद्यार्थियों के लिए यह पल उनके जीवन की सबसे बड़ी उपलब्धि का गवाह बनेगा। मेधावी छात्रों को मुख्य अतिथियों द्वारा स्वर्ण पदक से भी नवाजा जाएगा।

अमलतास विश्वविद्यालय के चेयरमैन श्री मयंक राज सिंह भदौरिया जी द्वारा बताया गया की दीक्षांत समारोह का मुख्य उद्देश्य केवल उपाधि वितरण नहीं, बल्कि विद्यार्थियों को समाज के प्रति उनके उत्तरदायित्वों का बोध कराना है। विश्वविद्यालय के कुलाधिपति एवं कुलपति द्वारा विद्यार्थियों को दीक्षांत शपथ दिलाई जाएगी, जिसमें वे अपनी अर्जित शिक्षा का उपयोग मानवता के कल्याण और राष्ट निर्माण में करने का संकल्प लेंगे।

छत पर मिली महिला की लाश, भाई ने लगाया हत्या का आरोप

पति ने पुलिस को सौंपा सुसाईड नोट, पुलिस जुटी जांच में

शाजापुर/दैनिक मालवा हेराल्ड। मक्सी थाना क्षेत्र अंतर्गत ग्राम झौंकर में गुरुवार सुबह एक महिला की संदिग्ध परिस्थितियों में मौत हो गई। जिसका शव छत पर मिला था। मृतका के भाइयों ने आरोप लगाया है कि उनकी बहन को फांसी लगाकर मारा गया है। वहीं पुलिस को मृतका के पति ने एक सुसाइड नोट भी दिया है, जिसमें लिखा है कि मैं अपनी मर्जी से आत्महत्या कर रही हूं। मैं अपने घर जा रही हूं-शबीना।

जानकारी के अनुसार मृतका की पहचान शबीना बी के रूप में हुई है। वह देवास जिले के नेवरी की मूल निवासी थी। 18 साल पहले उसकी शादी झौंकर निवासी कलीम खां से हुई थी। परिजनों के अनुसार पति शबीना के साथ अक्सर मारपीट करता था। उसे प्रताड़ित किया जाता था। मृतका के भाइयों ने बताया कि इस संबंध में पहले उन्हेल थाने में एक मामला भी दर्ज किया गया था, लेकिन बाद में परिवार की समझाइश पर वह पति के साथ रहने लगी थी। मृतका के भाई मोहम्मद शादाब खान ने पति पर हत्या का आरोप लगाया है। उन्होंने बताया कि बहन का शव घर की छत पर पड़ा मिला और चूड़ियां घर में बिखरी हुई थी।

सुसाईड नोट पर भी उठाए सवाल- मृतका के भाई शादाब खान ने सुसाइड नोट की लिखावट पर भी सवाल उठाते हुए कहा कि यह उनकी बहन की राइटिंग नहीं है। उन्होंने यह भी बताया कि दो दिन पहले बहन ने फोन किया था, लेकिन बात नहीं हो पाई थी और जब भी उसका फोन आता था वह अपनी परेशानी बताती थी।

रिकॉर्ड वसूली पर ठेकेदारों ने किया निगम आयुक्त व अधिकारियों का किया सम्मान

देवास/ राजेन्द्र सिंह पंवार/ दैनिक मालवा हेराल्ड। रिकॉर्ड वसूली पर ठेकेदारों ने निगम आयुक्त व अधिकारियों का सम्मान किया। नगर पालिक निगम ठेकेदार एसोसिएशन के अध्यक्ष धनंजय गायकवाड ने बताया कि वित्तीय वर्ष 2025-26 में नगर निगम द्वारा की गई रिकॉर्ड वसूली से ठेकेदारों एवं एसोसिएशन में खुशी का माहौल है। उन्होंने बताया कि शहर के विकास कार्यों में लगे ठेकेदारों के भुगतान नगर निगम आयुक्त दलीप कुमार एवं उपायुक्त दीपक पटेल द्वारा समय पर किए जाने से सभी में संतोष और उत्साह देखा जा रहा है। इस उपलब्धि के उपलक्ष्य में ठेकेदारों ने आयुक्त दलीप कुमार एवं उपायुक्त दीपक पटेल का पुष्पगुच्छ भेंट कर एवं मिठाई खिलाकर स्वागत किया। इस अवसर पर प्रतीक शास्त्री, हकीम पटेल, वकार भाई, ठेकेदार संजीत बंजारे, नयन गोयल, आरिफ शेख सहित अन्य लोग उपस्थित रहे। आयुक्त दलीप कुमार ने इस दौरान आश्वासन दिया कि आगामी समय में भी ठेकेदारों के भुगतान की प्रक्रिया सुचारू रूप से जारी रखी जाएगी, जिससे शहर के विकास कार्यों में निरंतरता बनी रहे।

शतरंज का बड़ा संग्राम संपन्नः 2 लाख की इनामी बाजी, देशभर के खिलाड़ियों का जलवा

देवास/ राजेन्द्र सिंह पंवार/ दैनिक मालवा हेराल्ड। शहर के कुशाभाऊ ठाकरे स्टेडियम में आयोजित सेकंड देवास इंटरनेशनल रेटिंग क्लासिकल शतरंज प्रतियोगिता का सफलतापूर्वक समापन हुआ। 27 मार्च से 31 मार्च तक चली इस प्रतिष्ठित प्रतियोगिता में देशभर से 250 से अधिक खिलाड़ियों ने भाग लेकर मुकाबलों को बेहद रोमांचक बना दिया।

समापन समारोह में एडिशनल एसपी जयवीर भदोरिया, अमरजीत खनूजा, इंटरनेशनल मास्टर अक्षत खम्परिया, मीणा राव, सुदेश सांगते, अनिल श्रीवास्तव, सुधीर पंडित, चेतन राठौड़ एवं वरिष्ठ खिलाड़ी बग्गा जी सहित कई गणमान्य उपस्थित रहे। संघ सचिव पवन यादव ने बताया कि प्रतियोगिता में राजस्थान, महाराष्ट्र, उत्तरप्रदेश, बिहार, दिल्ली, मुंबई, कोलकाता सहित दक्षिण भारत के खिलाड़ियों ने भाग लिया। खास बात यह रही कि अंडमान-निकोबार से भी खिलाड़ी और आर्बिटर्स शामिल हुए, जिससे आयोजन का स्तर और ऊंचा नजर आया। मुख्य वर्ग (मैन केटेगरी) के विजेता इस प्रकार रहे- प्रणय चोरडिया (राजस्थान) प्रथम, योधार्थ मेघाशाम नरुले (महाराष्ट्र) द्वितीय,राठौर एस.के. (मध्यप्रदेश) तृतीय, मोहक भगचंदानी (महाराष्ट्र) चतुर्थ,तरुण गौतम (उत्तरप्रदेश) पंचम स्थान पर रहे। प्रतियोगिता में कुल 15 कैटेगरी में खिलाड़ियों को प्रथम, द्वितीय एवं तृतीय पुरस्कार दिए गए। साथ ही मेडल और सांत्वना पुरस्कार भी वितरित किए गए। पूरे आयोजन में कुल 2 लाख की नकद पुरस्कार राशि खिलाड़ियों को प्रदान की गई। सह सचिव पावन पाटिल, शैलेन्द्र चंद्रवंशी, कोषाध्यक्ष क्षितेंद्र सिंह, सरफराज सिद्दीकी, कुणाल अयाचित, निरंजन यादव, मनोज कुशवाह, मनोज सिंह एवं रागिनी चौहान, आरती कुशवाह, प्रियांशी, रितेश मालवीय, पुष्प मोदी ने सक्रिय भूमिका निभाई।

औसत से कम वर्षा होने पर कलेक्टर ने जिले को किया जलाभाव क्षेत्र घोषित

शाजापुर/दैनिक मालवा हेराल्ड। जिले को कलेक्टर ऋजु बाफना ने गुरुवार शाम जल अभावग्रस्त क्षेत्र घोषित कर दिया है। यह निर्णय लगातार गिरते भू-जल स्तर और संभावित पेयजल संकट को देखते हुए लिया गया है। जिले में इस वर्ष औसत 990.10 मिमी के मुकाबले केवल 587.20 मिमी वर्षा दर्ज की गई है, जिससे जल स्तर में लगातार गिरावट आई है।

पेयजल परिरक्षण अधिनियम 1986 और संशोधन अधिनियम 2002 की धारा 3 के तहत जारी आदेश में, धारा 4(1) के अंतर्गत जिले के सभी जल स्त्रोतों (बांध, नदी, नहर, झील, कुएं, नलकूप आदि) से पानी के उपयोग पर प्रतिबंध लगाया गया है। यह प्रतिबंध घरेलू उपयोग को छोड़कर सिंचाई, औद्योगिक या व्यावसायिक उद्देश्यों के लिए पानी निकालने पर लागू होगा। हालांकि पूर्व से अनुमति प्राप्त मामलों को इस प्रतिबंध से छूट दी गई है। साथ ही धारा 6(1) के तहत निजी और अशासकीय नलकूप खनन पर पूर्ण प्रतिबंध लगाया गया है। बिना अनुमति जिले में बोरिंग मशीनों के प्रवेश और खनन पर भी रोक रहेगी। आदेश का उल्लंघन करने पर बोरिंग मशीनें जब्त कर एफआईआर दर्ज की जाएगी।

सुभाष चौक में बाबा अमरनाथ बर्फानी प्याऊ का हुआ शुभारंभ

देवास/ राजेन्द्र सिंह पंवार/ दैनिक मालवा हेराल्ड। हनुमान जन्मोत्सव के पावन अवसर पर राजपूत युवा संगठन, शिव शक्ति नव दुर्गा उत्सव समिति द्वारा प्रतिवर्ष की तरह इस 30वें वर्ष भी बाबा अमरनाथ बर्फानी प्याऊ का शुभारंभ सुभाष चौक (सराफा बाजार) में किया गया। मुख्य अतिथि नेता सत्तापक्ष मनीष सेन, पार्षद धर्मेन्द्र सिंह बै, अजय पडियार, विजय गेहलोत, शिवजी शर्मा, अभय जैन, सुनील जैन सहित छोटी-छोटी कन्या एवं सुभाष चौक के रहवासियों के संयुक्त तत्वावधान में प्याऊ का शुभारंभ किया गया। समिति के शैलेन्द्र सिंह गौड़ ने बताया कि इसी कडी में विगत दिनों औद्योगिक थाना बावडिया एबी रोड एवं दूध का ठिया एबी रोड पर भी प्याऊ का शुभारंभ किया गया था। समिति वर्ष भर कई सामाजिक और सांस्कृतिक कार्यक्रम करती है, लेकिन पर हमें प्याऊ लगाकर जो खुशी मिलती है, उसकी बात ही अलग है। जो पानी प्रकृति ने हमें फ्री में दिया है वह पैसे से मिल रहा है। 70 प्रतिशत आबादी पैसे से पानी खरीदने में असक्षम रहती है। ऐसी भीषण गर्मी में मानवता वह जनहित में हमारा एक छोटा सा प्रयास रहता है।

परिजन नहीं माने तो युवक-युवती ने खाया जहर

शाजापुर/दैनिक मालवा हेराल्ड। करेड़ी नाका पर युवक-युवती ने जहरीला पदार्थ खा लिया। युवक ने इसकी सूचना अपने दोस्त को फोन पर दी जो तुरंत मौके पर पहुंचा और दोनो को जिला अस्पताल लेकर पहुंचा। जहां युवती ने उपचार के दौरान दम तोड़ दिया। जबकि युवक की हालत गंभीर होने पर उसे इंदौर रैफर किया गया है। बताया जाता है कि सुनेरा निवासी आशुतोष उर्फ गोलू धाकड़ (25) और देवास निवासी कशिश परिहार के बीच प्रेम संबंध थे। दोनों शादी करना चाहते थे, लेकिन उनके परिजन इस रिश्ते के खिलाफ थे। इसी बात से आहत होकर युवती गुरुवार को देवास से शाजापुर पहुंची और दोनों ने गुरूवार शाम को जहर खा लिया। जहर खाने के बाद युवक ने अपने एक मित्र को फोन पर इसकी जानकारी दी। इसके बाद मौके पर पहुंचे मित्र ने तत्परता दिखाते हुए दोनों को जिला अस्पताल पहुंचाया। लेकिन जिला अस्पताल में इलाज के दौरान युवती की मौत हो गई। वहीं युवक को इंदौर रेफर किया गया है।

रामदुलारे के दर्शन को उमड़ पड़े राम भक्त

जिले भर में धूमधाम से मनाया हनुमान प्रकटोत्सव

शाजापुर/दैनिक मालवा हेराल्ड। बेगि हरो हनुमान महाप्रभु, जो कछु संकट होय हमारो, कपि संकट मोचन नाम तुम्हारा, इन भजनो के साथ गुरूवार के दिन की शुरूआत हुई और दिनभर शहरवासी रामभक्त हनुमान के जन्मोत्सव में व्यस्त रहे। कहीं भंडारे का आयोजन किया गया तो कहीं पर अभिषेक और प्रसादी वितरण का आयोजन हुआ, जिसका हजारों शहरवासियों ने लिया। राम भक्त हनुमान को कई जगह छप्पन भोग लगाया गया तो कई जगह पर भंडारे का भी आयोजन किया गया।

जिलेभर में रामदूत के पवनपुत्र के जन्मोत्सव का उत्साह देखते ही बन रहा था। जिले के हनुमान मंदिरों में गुरूवार को धार्मिक अनुष्ठान के साथ हनुमान जन्मोत्सव मनाया गया। कहीं अखंड रामायण की पूर्णाहुति हुई, तो कहीं संगीतमय सुंदरकांड का आयोजन किया गया। सुबह से लेकर रात तक हनुमानजी के भक्तों ने कतारबद्ध होकर बाबा के दर्शन किए। नगर के प्रसिद्ध डांसी हनुमान मंदिर में अलसुबह से ही बाबा का अभिषेक किया जाकर आकर्षक श्रृंगार किया गया। अतिप्राचीन मुरादपुरा हनुमान मंदिर में भी सुबह ही दर्शनार्थियों की भीड़ लगना शुरू हो गई थी। दिनभर बाबा के दर्शन का क्रम चलता रहा। शाम होते ही मंदिर में भक्तों की भीड़ बढ़ गई, जो देर रात तक चलती रही। बाबा की महाआरती में सैकड़ो लोगों ने भाग लिया। बालवीर हनुमान मंदिर पर भी कई दिनों से चल रही तैयारियों ने आयोजन की शोभा बढ़ा दी। जिसके चलते बाबा बालवीर के श्रृंगारित स्वरूप को निहारने के लिए सुबह से शाम तक भक्तों की कतार लगी रही। यहां भी प्रभु को भोग लगाकर प्रसादी वितरित की गई। रात 8 बजे हुई बाबा बालवीर की महाआरती मे भक्तों का सैलाब उमड़ा।

माँ की गोद में अठखेलियां करते बाल हनुमान, मनोहारी श्रृंगार ने मोहा मन

खेड़ापति मंदिर में धूमधाम से मनाया गया हनुमान जन्मोत्सव

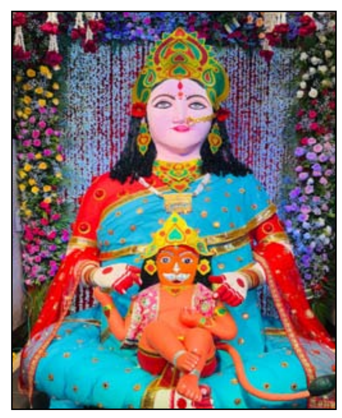

देवास/ राजेन्द्र सिंह पंवार/ दैनिक मालवा हेराल्ड। शहर के प्रसिद्ध श्री खेड़ापति मंदिर में हनुमान जन्मोत्सव इस वर्ष अत्यंत भव्य, श्रद्धामय और उत्साहपूर्ण वातावरण में मनाया गया। मंदिर परिसर भक्ति, आस्था और उल्लास से सराबोर नजर आया, जहां श्रद्धालुओं की भारी भीड़ भगवान के दर्शन के लिए उमड़ पड़ी। मंदिर के पुजारी दर्शन उपाध्याय द्वारा हर वर्ष की तरह इस बार भी बाबा का आकर्षक और मनोहारी श्रृंगार किया गया, जिसने सभी भक्तों का मन मोह लिया। विशेष रूप से भगवान श्री खेड़ापति सरकार को माँ अंजनी की गोद में बाल हनुमान के रूप में विराजित किया गया। इस अद्भुत स्वरूप में बाल हनुमान माँ की गोद में अठखेलियां करते हुए दिखाई दिए—मानो जीवंत दृश्य साकार हो उठा हो। श्रृंगार में एक भावपूर्ण झलक यह भी रही कि हनुमान जी माँ अंजनी की गोद से खिसलते नजर आ रहे हैं और माँ उन्हें स्नेहपूर्वक दोनों हाथों से थामे हुए हैं। बाल स्वरूप में हनुमान जी के हाथों में लड्डू भी सुशोभित थे, जिसने इस दृश्य को और भी मोहक बना दिया। यह मनोहारी श्रृंगार रानीबाग निवासी गजू चावरे एवं आलोक बंजारे द्वारा गहन श्रद्धा और समर्पण के साथ तैयार किया गया, जिसे पूर्ण रूप देने में लगभग 10 दिनों का समय लगा। मंदिर को भी आकर्षक विद्युत सज्जा से सुसज्जित किया गया, जिससे पूरे परिसर की भव्यता और बढ़ गई। प्रातः 6 बजे महाआरती के साथ हुई। मंदिर पर दिनभर भक्तों का ताँता लगा रहा। रात्रि 8:30 बजे महाआरती की गई। दिनभर मंदिर के पट श्रद्धालुओं के दर्शन हेतु खुले रहे और निरंतर प्रसादी वितरण का आयोजन किया गया।

बिजली कर्मचारियों ने हनुमान चालीसा का पाठ कर सरकार को जगाया

देवास/ राजेन्द्र सिंह पंवार/ दैनिक मालवा हेराल्ड। अपनी न्यायोचित माँगों को लेकर प्रदेश के बिजली कर्मचारियों का आक्रोश बढ़ता जा रहा है। इसी कड़ी में आज मध्य प्रदेश बिजली कर्मचारी महासंघ के बैनर तले देवास के अधीक्षण यंत्री कार्यालय में सुबह 11 बजे से शाम 05 बजे तक एक दिवसीय शांतिपूर्ण धरना प्रदर्शन किया गया। विरोध स्वरूप कर्मचारियों और अधिकारियों ने सामूहिक रूप से हनुमान चालीसा का पाठ कर सरकार का ध्यान अपनी ओर खींचने का प्रयास किया।

प्रमुख माँगें और वेतन विसंगति- धरना स्थल पर संबोधित करते हुए महासंघ के प्रदेश महामंत्री सुशील कुमार पांडेय ने कहा कि महासंघ लंबे समय से विद्युत संविदा कर्मियों के नियमितीकरण, परीक्षण सहायक, कार्यालय सहायक और सहायक राजस्व अधिकारी की वेतन विसंगति दूर करने की माँग कर रहा है। इसके अलावा उत्तर प्रदेश और हरियाणा की तर्ज पर आउटसोर्स कर्मचारियों हेतु अलग कंपनी बनाने, सेवानिवृत्त कर्मचारियों की पेंशन समस्या के समाधान, ग्रेच्युटी की सीमा 25 लाख करने और अनुकंपा नियुक्तियों जैसे गंभीर विषयों पर ऊर्जा मंत्री प्रद्युम्न सिंह तोमर को औपचारिक सूचना दी जा चुकी है।

आगामी रणनीति- पश्चिम क्षेत्र बिजली कर्मचारी महासंघ के महामंत्री भगवान स्वरूप श्रीवास्तव ने बताया कि विभिन्न स्तरों पर बार-बार चर्चा और ज्ञापन देने के बावजूद सरकार कर्मचारियों की समस्याओं की अनदेखी कर रही है। उन्होंने चेतावनी दी कि यदि समय रहते माँगें पूरी नहीं हुई, तो आंदोलन के चतुर्थ चरण में 16 अप्रैल 2026 को राजधानी भोपाल में विशाल प्रदर्शन किया जाएगा। इस अवसर पर एस. प्रिया स्वामी, लक्ष्मीनारायण मारू, प्रकाश चौरसिया, राजेश पटेल, पवन प्रजापति, ललिता देशमुख, सरिता सिसोदिया, राकेश देवड़े, भरत पिछोलिया, विलाश ठाकरे, सुमित रैकवार, लखन चौहान, वासुदेव डोंगरे, सुरेश सिसोदिया, रघुवीर मीणा, धारासिंह चंदेल और कुलदीप सिंह राजपूत सहित जिलेभर के बड़ी संख्या में अधिकारी व कर्मचारी उपस्थित रहे।

नाबालिग से अश्लील हरकत करने वाले आरोपी को सुनाई पांच साल की सजा

शाजापुर/दैनिक मालवा हेराल्ड। नाबालिग बालिका से अश्लील हरकत के मामले में विशेष न्यायाधीश पाक्सो एक्ट ने आरोपी अरबाज शाह उम्र 20 साल को दोषी ठहराया है। न्यायालय ने उसे पांच वर्ष के कठोर कारावास और अर्थदंड की सजा सुनाई है। जिला मीडिया सेल प्रभारी प्रतीक श्रीवास्तव ने बताया कि आरोपी अरबाज शाह निवासी ग्राम बछानिया थाना सुनेरा को पाक्सो एक्ट की धारा 13/14 में पांच वर्ष का कठोर कारावास और 1000 रुपए अर्थदंड दिया गया। साथ ही धारा 11/12 में तीन वर्ष का कठोर कारावास और 1000 रुपए अर्थदंड भी लगाया गया है। भारतीय न्याय संहिता (बीएनएस) की धारा 74 एवं 75 के तहत भी उसे तीन-तीन वर्ष के कठोर कारावास और 1000-1000 रुपये के अर्थदंड से दंडित किया गया है। जिला मीडिया सेल प्रभारी श्रीवास्तव के अनुसार पीड़िता ने 9 दिसंबर 2024 को थाने में रिपोर्ट दर्ज कराई थी। घटना के समय वह कक्षा 6वीं की छात्रा थी और अपने दादा-दादी के साथ रहती थी। 6 नवंबर 2024 को पीड़िता स्कूल में लंच के दौरान शौचालय के पास गई थी। इसी दौरान आरोपी अरबाज शाह दीवार कूदकर वहां पहुंचा और उसे डराते हुए अश्लील हरकत की। आरोपी ने पीड़िता को धमकी दी थी कि यदि उसने शोर मचाया या किसी को बताया तो वह उसका वीडियो वायरल कर देगा।

जिले में जल स्त्रोतों एवं तालाबों पर किए गए अतिक्रमण को हटाने की कार्रवाई करें- कलेक्टर

देवास/ राजेन्द्र सिंह पंवार/ दैनिक मालवा हेराल्ड। कलेक्टर श्री ऋतुराज सिंह की अध्यक्षता में समय-सीमा संबंधी लंबित पत्रों के निराकरण की प्रगति तथा अंतरविभागीय समन्वय से संबंधित मामलों की समीक्षा बैठक कलेक्टर कार्यालय के सभाकक्ष में संपन्न हुई। बैठक में सीईओ जिला पंचायत श्रीमती ज्योति शर्मा, नगर निगम आयुक्त श्री दलीप कुमार, अपर कलेक्टर श्री शोभाराम सोलंकी, अपर कलेक्टर श्री संजीव जैन, सहित अन्य विभागों के जिला अधिकारीगण उपस्थित थे। समय-सीमा बैठक में विकासखण्ड स्तरीय अधिकारी वर्चुअली शामिल हुए।

कलेक्टर श्री सिंह की संवेदनशीलता- पेयजल की पर्याप्त उपलब्धता के दिए निर्देश- बैठक में कलेक्टर श्री सिंह ने ग्रीष्म ऋतु के चलते पेयजल की समस्या से ग्रसित ग्रामों के निराकरण के लिए एमपीईबी को निर्देश दिए कि वे ग्राम पंचायतों में विद्युत की कटौती न करें। जिससे ग्रामों में ग्रीष्म ऋतु में पीने के पानी की पर्याप्त उपलब्धता रहे। उन्होंने सभी एसडीएम को निर्देश दिए कि पेयजल स्त्रोतों का तुरंत अधिग्रहण किया जाएं ताकि उनपर किसी भी प्रकार का अतिक्रमण न हो पाए और नागरिकों को पीने का पानी उपलब्ध हो सके। उन्होंने पीएचई विभाग को निर्देश दिए कि जिले में बंद नल कूपों की जांच करें एवं शीघ्र दुरूस्त किया जाएं। उन्होंने निर्देश दिए कि पीने के पानी का उपयोग अन्य जरूरी उपयोगों में न किया जाएं। इसके लिए वैकल्पिक जल स्त्रोतों के पानी का उपयोग किया जाएं। उन्होंने कहा कि नेमावर वाटर सप्लाई के लिए निर्माणाधीन पानी की टंकी कार्य शीघ्र पूर्ण किया जाएं ताकि नागरिकों शीघ्र की उपलब्धता हो सकें।

जल स्त्रोतों के संवर्धन एवं जीर्णोद्धार के लिए कार्य योजना तैयार- बैठक में कलेक्टर श्री सिंह ने कहा कि जल संरचनाओं के संरक्षण एवं संवर्धन के उद्देश्य से जिले में ÷जल गंगा संवर्धन अभियान÷ का शुभारंभ 19 मार्च से हो गया है जो कि 30 जून तक संचालित होगा। अभियान अंतर्गत पुरानी जल संरचनाओं के जीर्णोद्धार एवं मरम्मत के साथ-साथ, रूफ वाटर हॉर्वेस्टिंग, रिचार्ज पिट एवं रेन वाटर हार्वेस्टिंग जैसे कार्य किए जाएं। कलेक्टर श्री सिंह ने जल स्त्रोतों के संवर्धन एवं जीर्णोद्धार की विस्तृत कार्य योजना तैयार करने के निर्देश दिये। उन्होंने कहा कि जिले में अभियान के तहत किए जा रहे कार्यों की प्रगति की जानकारी पोर्टल भी समय सीमा में अपलोड करें।

बैठक में कलेक्टर श्री सिंह ने कहा कि जल गंगा संवर्धन अभियान के तहत रूफ टॉप वाटर हार्वेस्टिंग, खेत तालाब, चेक डेम स्टॉप डेम, पेरकॉलशन टैंक, कूप रिचार्ज, कंटूर ट्रेंच, रिचार्ज पिट, नाला बंधान, बोरवेल रिचार्ज आदि का कार्य करें। उन्होंने कहा कि समस्त कार्यों को जनभागीदारी से किये जाने हेतु ग्राम पंचायतों को प्रेरित करें। ग्राम पंचायतों को अभियान के तहत उत्कृष्ट कार्य करने वाली पंचायतों को पुरस्कृत भी किया जाएगा। जिसमें 300 संरचनाओं के पूर्ण करने के लिए जिला प्रशासन द्वारा प्रथम पुरस्कार 5 लाख की राशि दी जायेगी, दूसरे स्थान के लिए 3 लाख एवं तृतीय स्थान के लिए 2 लाख की प्रोत्शाहन राशि पुरुस्कार स्वरूप दी जायेगी एवं व्यक्तिगत रूप से सरपंच एवं सचिव को 10 हजार की प्रोत्साहन राशि दी जायेगी। कलेक्टर श्री सिंह ने कहा कि ÷जल गंगा संवर्धन अभियान÷ में जन-जन की भागीदारी सुनिश्चित करते हुए अभियान को प्रभावी और परिणाममूलक बनाएं। उन्होंने मैदानी स्तर पर कार्य कर रही स्वयंसेवी संस्थाओं को भी जनसहभागिता संबंधी गतिविधियों में जोड़े। उन्होंने निर्देश दिए कि अभियान के तहत सभी शासकीय अधिकारी/कर्मचारी अपने घरों पर रूफ वाटर हार्वेस्टिंग सिस्टम लगाएं, जिससे नगर एवं ग्राम पंचायत में लोगों में जागरूकता आएं तथा वे भी अपने घरों पर रूफ वाटर हार्वेस्टिंग सिस्टम को लगाएं। इसके लगने लाखों लीटर पानी की बचत होगी। बैठक में कलेक्टर श्री सिंह ने निर्देश दिए कि जिले में जल संरक्षण को बढ़ावा देने के लिए सभी विभाग जल संचय के क्षेत्र में उत्कृष्ट कार्य करते हुए ब्लू स्टार वाटर अवॉर्ड सर्टिफाइट बने। उन्होंने सभी एसडीएम को निर्देश दिए कि अपने क्षेत्र में सभी जल स्त्रोतों, तालाबों से अतिक्रमण मुक्त कराएं। इसके लिए शीघ्र कार्य प्रारंभ कर दें।

जिले के किसान नरवाई प्रबंधन के लिए हो रहे जागरूक- बैठक में कलेक्टर श्री सिंह ने कहा कि जिले के किसानों को नरवाई न जलाने के प्रति जागरूक किया जाएं। किसानों को नरवाई से होने वाले नुकसान से अवगत कराएं तथा नरवाई प्रबंधन के बारे में विस्तार से बताएं। उन्होंने कहा कि जिले में किसानों को यह भी बताया जाएं कि यदि कोई भी किसान नरवाई जलाते हुए पाया गया तो उस पर कड़ी कार्रवाई करते हुए एफआईआर दर्ज की जाएगी तथा जुर्माना भी वसूला जाएगा। जिसमें 2 एकड़ से कम भूमि है तो 2500 रुपए, 2 एकड़ से 5 एकड़ के लिए 5000 रुपए और 5 एकड़ से अधिक भूमि पर आग लगने पर 15000 रुपए तक का जुर्माना लगेगा।

दिनदहाड़े हमले के बाद भी नहीं हुई कार्रवाई, पीड़ित ने मांगी सुरक्षा- प्रशासन पर उठे सवाल

बदनावर/ मनीष शर्मा/ दैनिक मालवा हेराल्ड। उज्जैन जिले की झारड़ा तहसील के ग्राम पाडलिया में 30 मार्च को हुए दिनदहाड़े हमले के मामले में अब तक कोई ठोस कार्रवाई नहीं होने से प्रशासन की कार्यप्रणाली पर गंभीर सवाल खड़े हो रहे हैं। पीड़ित संतोष कुमार ने आरोप लगाया है कि जानलेवा हमले के बावजूद न तो आरोपियों के खिलाफ एफआईआर दर्ज की गई है और न ही उन्हें सुरक्षा प्रदान की गई है।

जानकारी के अनुसार, 30 मार्च को दोपहर लगभग 12:45 बजे पटवारी भूमि विवाद के संबंध में मौके पर पहुंचे थे। दोनों पक्षों की मौजूदगी में करीब 1:00 बजे से 1:25 बजे तक पंचनामा तैयार किया गया। पीड़ित संतोष कुमार ने पंचनामा पर हस्ताक्षर कर दिए, लेकिन आरोपी पक्ष ने साइन करने से इंकार कर दिया। इसके कुछ ही देर बाद, लगभग 1:30 से 1:40 बजे के बीच विवाद अचानक हिंसक हो गया।

पीड़ित का आरोप है कि कालू सिंह सोंधिया, कमल सिंह, मानसिंह, कृपाल सिंह एवं अन्य साथियों ने मिलकर उन्हें घेर लिया और लाठी-डंडों, पत्थरों एवं धारदार हथियारों से हमला करने का प्रयास किया। स्थिति इतनी गंभीर हो गई कि संतोष कुमार को अपनी जान बचाकर मौके से भागना पड़ा। उन्होंने किसी तरह अपनी गाड़ी में बैठकर वहां से निकलने में सफलता पाई, लेकिन आरोप है कि हमलावरों ने रास्ते में भी उनका पीछा किया और गाड़ी रोकने की कोशिश की। ??

संतोष कुमार ने बताया कि उन्होंने घटना की सूचना तुरंत 112 नंबर, झारड़ा थाना एवं सीएम हेल्पलाइन पर दी। इसके अलावा उन्होंने संबंधित अधिकारियों को लिखित शिकायत भी सौंपी, लेकिन आज तक किसी भी आरोपी के खिलाफ न तो एफआईआर दर्ज की गई है और न ही कोई प्रभावी कार्रवाई की गई है।

घटना के बाद से पीड़ित अपने ही गांव नहीं जा पा रहे हैं और लगातार डर के साये में जी रहे हैं। उनका कहना है कि आरोपियों का क्षेत्र में इतना प्रभाव और आतंक है कि उन्हें और उनके परिवार को जान का गंभीर खतरा बना हुआ है। ऐसे में उन्होंने प्रशासन से तत्काल पुलिस सुरक्षा प्रदान करने की मांग की है।

इस पूरे मामले में सबसे बड़ा सवाल यह उठ रहा है कि जब एक व्यक्ति दिनदहाड़े हमले का शिकार होता है और उसके बावजूद प्रशासन निष्क्रिय बना रहता है, तो आम नागरिक न्याय की उम्मीद किससे करे? ग्रामीणों में भी इस घटना के बाद भय का माहौल है और लोग खुलकर सामने आने से डर रहे हैं।

पीड़ित ने चेतावनी दी है कि यदि जल्द ही आरोपियों के खिलाफ सख्त कार्रवाई और खुद को पुलिस सुरक्षा नहीं मिली, तो वह न्याय के लिए उच्च न्यायालय का दरवाजा खटखटाने को मजबूर होंगे। फिलहाल, यह मामला झारड़ा तहसील में कानून-व्यवस्था की स्थिति पर गंभीर प्रश्नचिह्न खड़ा कर रहा है।

कलेक्टर ने वरला में जल गंगा संवर्धन अभियान की समीक्षा की

बड़वानी/ दैनिक मालवा हेराल्ड। कलेक्टर श्रीमती जयति सिंह गुरुवार सेंधवा जनपद के वरला तहसील के सामुदायिक भवन में आयोजित में जल गंगा संवर्धन अभियान एवं जल संचय-जन भागीदारी अभियान के अंतर्गत चल रहे कार्यों की बिंदुवार विस्तृत समीक्षा की और अधिकारियों को आवश्यक दिशा-निर्देश दिए। इस दौरान। जिला पंचायत सीईओ सुश्री काजल जावला, एसडीएम सेंधवा श्री आशीष, जनपद सेंधवा सीईओ सुश्री अंजलि बडोले, तहसीलदार वरला श्री मनीष पाण्डेय सहित क्षेत्र के एई, सब इंजीनियर सचिव, जीआरएस एवं अन्य उपस्थित रहे। जल संरक्षण कार्यों की समीक्षा बैठक के दौरान कलेक्टर ने स्पष्ट किया कि जल स्रोतों का पुनरुद्धार और जल संचयन वर्तमान समय की महती आवश्यकता है। उन्होंने निर्देशित किया कि अभियान के तहत चिन्हित तालाबों, बावड़ियों और जल संरचनाओं का सौंदर्यीकरण व गहरीकरण एवं अन्य कार्यों को एकाग्रता और अनुशासित रूप से पूर्ण करने के निर्देश दिए। साथ ही निर्देशित किया कि इन कार्यों में जनभागीदारी को प्रोत्साहित किया जाए ताकि जल संरक्षण एक जन-आंदोलन का रूप ले सके। कार्यों की गुणवत्ता में किसी भी प्रकार की लापरवाही बर्दाश्त नहीं की जाएगी। मुख्यमंत्री डेयरी प्लस योजना के हितग्राही से की चर्चा समीक्षा बैठक के पश्चात कलेक्टर श्रीमती जयति सिंह सीधे वरला तहसील के ग्राम पहुँचीं, जहाँ उन्होंने मुख्यमंत्री डेयरी प्लस योजना के हितग्राही श्री राजेश यादव के निवास का निरीक्षण किया। कलेक्टर ने योजना के तहत प्रदाय किए गए पशुओं के स्वास्थ्य और रखरखाव की स्थिति का अवलोकन किया।उन्होंने हितग्राही से प्रतिदिन होने वाले दुग्ध उत्पादन और उससे प्राप्त होने वाली आय के संबंध में विस्तार से चर्चा की। श्रीमती सिंह ने पशुओं को दिए जाने वाले आहार और टीकाकरण के संबंध में भी जानकारी प्राप्त कर प्रोत्साहित किया।

दूध निर्माण हेतु मिल्क पाउडर विक्रय की सूचना पर प्रशासन की कार्रवाई, तिरूपति ट्रेडर्स का निरीक्षण

सुसनेर/ गिरिराज बजारिया/ दैनिक मालवा हेराल्ड। कलेक्टर श्रीमती प्रीति यादव के निर्देशानुसार सुसनेर तहसील क्षेत्र में दूध निर्माण हेतु मिल्क पाउडर विक्रय संबंधी सूचना के आधार पर प्रशासन द्वारा जांच कार्रवाई की गई। अनुविभागीय अधिकारी (राजस्व) किरण बरबड़े के निर्देश पर तहसीलदार रामेश्वर दांगी के नेतृत्व में राजस्व निरीक्षक, पटवारी, कनिष्ठ आपूर्ति अधिकारी एवं खाद्य सुरक्षा अधिकारी का संयुक्त दल गठित कर सुसनेर स्थित मैना रोड, नगर परिषद के सामने संचालित फर्म तिरूपति ट्रेडर्स का निरीक्षण किया गया।

निरीक्षण के दौरान दल द्वारा दुकान एवं गोदाम का सघन परीक्षण करते हुए मिल्क निर्माण में उपयोग होने वाले रसायन अथवा मिल्क पाउडर के विक्रय एवं संग्रहण से संबंधित भंडार का बारीकी से अवलोकन किया गया। जांच के दौरान उक्त फर्म में मिल्क पाउडर का किसी प्रकार का संग्रहण नहीं पाया गया। निरीक्षण के दौरान फर्म में बड़े स्तर पर गुड़ का संग्रहण एवं विक्रय पाया गया। इसके गुणवत्ता परीक्षण हेतु खाद्य सुरक्षा अधिकारी द्वारा विधिवत गुड़ का नमूना लिया गया, जिसे जांच के लिए राज्य खाद्य प्रयोगशाला, भोपाल भेजा गया है। प्राप्त जांच रिपोर्ट के आधार पर आगे की आवश्यक कार्रवाई की जाएगी। प्रशासन द्वारा खाद्य पदार्थों की गुणवत्ता एवं उपभोक्ता सुरक्षा सुनिश्चित करने के लिए निरंतर निगरानी एवं जांच कार्यवाही जारी रखने की बात कही गई।

अपर कलेक्टर की अध्यक्षता में 'साधना सप्ताह 2026' के सफल क्रियान्वयन हेतु प्रशिक्षण आयोजित

झाबुआ/ दैनिक मालवा हेराल्ड। राष्ट्रीय लर्निंग वीक 'साधना सप्ताह 2026' के सफल संचालन एवं प्रभावी क्रियान्वयन हेतु कलेक्टर नेहा मीना के निर्देशानुसार आज अपर कलेक्टर श्री सी एस सोलंकी की अध्यक्षता में जिला स्तरीय प्रशिक्षण आयोजित किया गया। प्रशिक्षण में विभिन्न विभागों के अधिकारियों को साधना सप्ताह के उद्देश्यों, गतिविधियों एवं लक्ष्यों के संबंध में विस्तारपूर्वक जानकारी दी गई।

प्रशिक्षण में बताया गया कि शासन द्वारा 02 अप्रैल से 08 अप्रैल 2026 तक 'साधना सप्ताह' का आयोजन किया जा रहा है, जिसका उद्देश्य शासकीय सेवकों में क्षमता निर्माण, कौशल विकास एवं कार्यकुशलता में वृद्धि करना है। इस दौरान अधिकारियों एवं कर्मचारियों को iGOT कर्मयोगी प्लेटफॉर्म पर उपलब्ध पाठ्यक्रमों के माध्यम से भूमिका आधारित प्रशिक्षण प्रदान किया जाएगा।

अपर कलेक्टर द्वारा निर्देशित किया गया कि सभी विभाग अपने-अपने अधिकारियों एवं कर्मचारियों को प्रशिक्षण कार्यक्रम में सक्रिय रूप से भाग लेने हेतु प्रेरित करें तथा निर्धारित लक्ष्यों की समय-सीमा में पूर्ति सुनिश्चित करें। प्रशिक्षण में यह भी बताया गया कि प्रत्येक शासकीय सेवक को न्यूनतम 10 प्रशिक्षण कार्यक्रम पूर्ण करने का लक्ष्य दिया गया है, जिनमें

कम से कम 04 घंटे की अवधि के कोर्स शामिल होंगे।

प्रशिक्षण में जानकारी दी गई कि साधना सप्ताह के दौरान प्रत्येक दिवस एक विशेष थीम निर्धारित की गई है, जिसके अनुरूप प्रशिक्षण एवं गतिविधियां आयोजित की जाएंगी। अधिकारियों को निर्देश दिए गए कि वे थीम आधारित प्रशिक्षणों में सहभागिता सुनिश्चित करें तथा उपलब्ध न होने की स्थिति में अन्य प्रासंगिक पाठ्यक्रमों का चयन करें।

इसके अतिरिक्त iGOT Market Place एवं AI Courses को भी प्रोत्साहित किया जा रहा है। प्रशिक्षण में बताया गया कि एक Market Place कोर्स पूर्ण करने पर कर्मयोगी उत्कर्ष बैज तथा तीन AI कोर्स पूर्ण करने पर AI दक्ष बैज प्रदान किया जाएगा।

प्रशिक्षण में यह भी बताया गया कि साधना सप्ताह के प्रभावी क्रियान्वयन हेतु प्रत्येक विभाग एवं जिला स्तर पर कार्यान्वयन समूह का गठन किया गया है, जो प्रशिक्षण की मॉनिटरिंग एवं प्रगति की समीक्षा करेगा।

साधना सप्ताह के अंतर्गत विभिन्न विषयों पर वेबिनार आयोजित किए जाएंगे, जिनका लाइव प्रसारण अकादमी के यूट्यूब चैनल पर किया जाएगा। अधिकारियों को निर्देश दिए गए कि वे अपने अधीनस्थ कर्मचारियों को इन कार्यक्रमों से जोड़कर उनकी क्षमता वृद्धि सुनिश्चित करें।

अंत में अपर कलेक्टर ने सभी विभागों को निर्देशित किया कि वे साधना सप्ताह को गंभीरता से लेते हुए इसे सफल बनाने में सक्रिय भूमिका निभाएं एवं अधिकतम सहभागिता सुनिश्चित करें। इस दौरान डिप्टी कलेक्टर सुश्री वैशाली सोलंकी, मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी डॉ बी एस बघेल, सहायक आयुक्त जनजातीय कार्य विभाग श्रीमती सुप्रिया बिसेन सहित अन्य अधिकारी कर्मचारी उपस्थित रहे।

निराला परिवार की पहल: पंचमुखी हनुमान मंदिर आश्रम को समर्पित प्याऊ

बड़ावदा/ प्रवीण व्यास/ दैनिक मालवा हेराल्ड। भीषण गर्मी में राहगीरों को राहत देने के उद्देश्य से निराला परिवार द्वारा एक सराहनीय पहल करते हुए प्याऊ का निर्माण कराया गया, जिसे पंचमुखी हनुमान मंदिर जती आश्रम को समर्पित किया गया। यह प्याऊ चापाखेड़ा फांटाढ़ूठिकरिया फांटा मार्ग पर स्थित है, जहां से गुजरने वाले राहगीरों को अब स्वच्छ पेयजल की सुविधा आसानी से उपलब्ध होगी।

इस पुनीत कार्य का निर्माण स्वर्गीय श्री रतनलाल जी पडियार के आशीर्वाद से उनके पुत्र श्री गोवर्धन लाल पडियार एवं पोते श्यामसुंदर पडियार (खत्रा) द्वारा निराला मेडिकल के माध्यम से कराया गया।

प्याऊ के समर्पण अवसर पर आश्रम के संत पंडित कुंदनदास जी महाराज ने निराला परिवार का आभार व्यक्त करते हुए कहा कि गर्मी के समय में इस तरह की सेवा अत्यंत पुण्यदायी और समाज के लिए प्रेरणादायक है।

स्थानीय लोगों ने भी इस पहल की सराहना करते हुए कहा कि इस प्याऊ से क्षेत्र में आने-जाने वाले सैकड़ों राहगीरों को गर्मी में राहत मिलेगी। निराला परिवार का यह कदम सामाजिक सेवा और मानवता की मिसाल बनकर सामने आया है।

जिला कौशल विकास समिति की मासिक बैठक सम्पन्न

बड़वानी/ दैनिक मालवा हेराल्ड। कलेक्टर श्रीमती जयति सिंह की अध्यक्षता में जिला कौशल समिति की बैठक 1 अप्रैल बुधवार को आयोजित की गई। बैठक में जिला कौशल समिति के सदस्यों ने निम्न बिन्दुओ पर चर्चा की गई 5 प्रधानमंत्री कौशल विकास योजना - यह भारत सरकार की प्रमुख योजना है। जिसमें युवाओं को उद्योग से संबंधित शार्ट टर्म प्रशिक्षण के माध्यम से कौशल सिखाकर उन्हे रोजगार योग्य बनाना है। यह योजना बड़वानी जिले में आईटीआई के माध्यम से आईटीआई निवाली एवं पानसेमल में संचालित की जा रही है।

जिसमें नवीन आधुनिक कोर्सेस जैसे फिटर फेब्रिकेशन, असिस्टेंट ब्युटि एवं वैलनेस कंसलटेंट, सर्विस तकनीशियन एवं होम एप्लायसेंस, बैटरी सिस्टम रिपेयर तकनीशियन और वेल्डर के कोर्स संचालित किये जा रहे है। वर्तमान में 540 युवाओं को निःशुल्क प्रशिक्षण प्रदाय कीया जा रहा है, उक्त प्रशिक्षण कोर्स पूर्ण करने वाले प्रशिक्षणार्थियों को नये नये रोजगार के अवसर उपलब्ध कराये जायेगें। 5 मुख्यमंत्री सीखो कमाओं योजना - इस योजना के तहत जिलें में युवाओं को जिले के अंतर्गत अलग-अलग प्रतिष्ठानो जैसेः फार्म कार्ट, सरस्वती होंडा, भारत मार्ट, किसान बजाज आदि में युवाओं को नियोजित कर प्रशिक्षण के साथ-साथ रोजगार के अवसर उपलब्ध कराये जा रहे है। जिसमें 8 हजार से 10 हजार रूपये तक का स्टाईपेण्ड प्रदाय किया जा रहा है। वर्तमान में बड़वानी जिलें में इस योजना के तहत 40 युवाओं को संलग्न किया जा चुका है। 5 प्रधानमंत्री सुर्या घर मुफ्त बिजली योजना- यह भारत सरकार की एक प्रमुख योजना है। इस योजना के तहत शासकीय आईटीआई बड़वानी के माध्यम से आईटीआई उत्तीर्ण युवाओं को सोलर टेक्निशियन का शार्ट टर्म निःशुल्क प्रशिक्षण प्रदाय किया जा रहा है। वर्तमान में 156 युवाओं को प्रशिक्षण दिया जा चुका है। जिसमें से कुछ युवा अपना स्वंय का व्यवसाय कर रहें है।

जिला अस्पताल झाबुआ में दूरबीन विधि से अपेंडिक्स का सफल ऑपरेशन

झाबुआ/ दैनिक मालवा हेराल्ड। जिला अस्पताल झाबुआ में आधुनिक चिकित्सा सुविधाओं के विस्तार के तहत एक और महत्वपूर्ण उपलब्धि हासिल की गई है। अस्पताल में दूसरी बार दूरबीन (लेप्रोस्कोपिक) विधि से अपेंडिक्स का सफल ऑपरेशन किया गया, जिससे जिले के मरीजों को उन्नत स्वास्थ्य सेवाओं का लाभ स्थानीय स्तर पर ही प्राप्त हो रहा है।

मरीज़ सीमा (उम्र 28 वर्ष) पति दीपक, पेट में तेज दर्द की शिकायत के साथ जिला अस्पताल में भर्ती हुई थी। चिकित्सकीय जांच के उपरांत डॉक्टरों द्वारा अपेंडिक्स की समस्या की पुष्टि की गई, जिसके पश्चात दूरबीन विधि से ऑपरेशन करने का निर्णय लिया गया।

इस जटिल ऑपरेशन को सर्जन डॉ. दीपक राठौर, एनेस्थीसिया विशेषज्ञ डॉ. सावन चौहान, डॉ. देवेंद्र एवं अन्य ओटी स्टाफ की टीम द्वारा सफलतापूर्वक संपन्न किया गया। ऑपरेशन के दौरान ओटी स्टाफ गजेंद्र, विपुल एवं विनय का विशेष सहयोग रहा।

दूरबीन (लेप्रोस्कोपिक) विधि से किए गए इस ऑपरेशन के कारण मरीज़ को कम दर्द, न्यूनतम रक्तस्राव तथा शीघ्र स्वस्थ होने का लाभ मिला। ऑपरेशन के बाद मरीज़ की स्थिति सामान्य रही तथा पूर्णतः स्वस्थ होने पर उसे अस्पताल से छुट्टी दे दी गई।

अस्पताल प्रबंधन ने बताया कि आधुनिक तकनीकों के उपयोग से जिले में स्वास्थ्य सेवाएं निरंतर सुदृढ़ हो रही हैं। अब गंभीर बीमारियों के उपचार के लिए मरीजों को बड़े शहरों की ओर जाने की आवश्यकता भी कम होती जा रही है, जिससे समय और संसाधनों की बचत के साथ बेहतर उपचार सुनिश्चित हो पा रहा है।

बड़वानी जिले में प्रधानमंत्री कृषक मित्र सूर्य योजनांतर्गत ग्राम वाकी गोई में पहला सोलर पंप की स्थापना

बड़वानी/ दैनिक मालवा हेराल्ड। नवीन एवं नवीकरणीय ऊर्जा मंत्रालय, भारत सरकार की प्रधानमंत्री कृषक मित्र सूर्य उत्थान महाभियान (कुसुम) योजना का घटक (ब) प्रदेश में प्रधानमंत्री कृषक मित्र सुर्य योजना के नाम से लागू की गयी है।

योजनांतर्गत सिंचाई प्रयोजन के लिए कृषकों की कृषि भूमि पर 90 प्रतिशत अनुदान पर सोलर पंप स्थापना की जायेगी। जिले में वर्ष 2025-26 में विभाग द्वारा बनाए गये पोर्टल के माध्यम से योजना के तहत जिलें में कुल 1397 किसानों का पंजीयन किया गया जिसमें से 540 किसानो के द्वारा कृषक अंश जमा करने पर कार्यादेश (स्वीकृती) जारी किये गये है। जिले में 540 किसानों के खेतों पर सोलर पंप स्थापित किये जावेगे । 301 किसानों की ऋषा स्वीकृति के आधार पर आगामी 01 माह में सोलर पंप स्थापित किया जावेगा। सोलर पंप लगाने पर किसानों को 90 प्रतिशत तक का अनुदान एवं 10 प्रतिशत कृषक अंश राशि जमा की जाना है।

इस वर्ष जिले में कृषकों द्वारा 3 एचपी पर 20968/- रू. कृषक अंश राशि, 5 एचपी पर 30289/- रू. कृषक अंश राशि एवं 7.5 एचपी पर 41537/- रू. कृषक अंश राशि जमा की गई। 02 अप्रैल को कलेक्टर श्रीमति जयति सिंह के द्वारा विकासखण्ड सेंधवा के ग्राम वाकीगोई में कृषक श्री श्रीराम पिता धनसिंग सोलंकी के यहा सोलर पंप स्थापना का अवलोकन किया गया। कलेक्टर द्वारा किसान को कुआँ रिचार्ज पिट बनाने की सलाह दी गई। साथ ही तिलहन मिशन योजनांतर्गत तिल बीज का निःशुल्क वितरण किया गया।

यातायात में बाधक अतिक्रमण हटाकर सड़क मार्गो का चौड़ीकरण किया जाए

खण्डवा/ दैनिक मालवा हेराल्ड। कलेक्टर श्री ऋषव गुप्ता ने गुरूवार को जिला पंचायत के सभाकक्ष में आयोजित बैठक में निर्देश दिए कि खण्डवा शहर स्थित दूध तलाई से ईदगाह-बंगाली कॉलोनी होते हुए झीलोद्यान मार्ग के आसपास अतिक्रमण हटाकर सड़क चौड़ीकरण करने की कार्यवाही की जाए। उन्होंने रामेश्वर रोड से इमलीपुरा होते हुए बड़ाबम चौक तक के मार्ग के आसपास का अतिक्रमण हटाकर सड़क चौड़ीकरण कराने के लिए भी नगर निगम आयुक्त, सिटी मजिस्ट्रेट एवं पुलिस अधिकारियों को निर्देश दिए। कलेक्टर श्री गुप्ता ने दूधतलाई के सामने स्थित नेहरू स्कूल की बाउंड्रीवाल के पास रखी गुमटियों को हटाने के भी निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि सभी एसडीएम अपने क्षेत्र में अतिक्रमण हटाने की कार्यवाही नियमित रूप से करें। बैठक में पुलिस उप महानिरीक्षक श्री मनोज कुमार राय, अपर कलेक्टर श्री के. आर. बड़ोले, अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक श्री राजेश रघुवंशी और श्री महेंद्र तारणेकर सहित पुलिस प्रशासन के विभिन्न अधिकारी मौजूद थे।

कलेक्टर श्री गुप्ता ने नशा मुक्ति के सम्बंध में जागरूकता कार्यक्रम आयोजित करने के निर्देश उप संचालक सामाजिक न्याय को दिए। उन्होंने कहा कि महाविद्यालयों एवं हायर सेकेंड्री स्कूलों में नशा मुक्ति जागरूकता क्लब गठित करें। उन्होंने बैठक में मथेला के रेलवे ओवरब्रिज वाली रोड पर सिहाड़ा पंचायत के माध्यम से स्ट्रीट लाइट लगवाने के निर्देश दिए। कलेक्टर श्री गुप्ता ने बैठक में जिला आबकारी अधिकारी को निर्देश दिए कि ओंकारेश्वर में अवैध तरीके से होने वाली शराब की बिक्री को सख्ती से रोका जाए। उन्होंने ओंकारेश्वर में बिकने वाले देशी घी, मावा और मिलावटी लाल मिर्च के नियमित रूप से सैंपल लेकर प्रयोगशालाओं के माध्यम से उनकी जांच कराने के निर्देश खाद्य एवं औषधि प्रशासन विभाग के अधिकारियों को दिए।

कलेक्टर ने की पंचायत एवं ग्रामीण विकास विभाग की समीक्षा

ग्रामीण विकास कार्यों की सख्त मॉनिटरिंग समय-सीमा में योजनाएं पूर्ण करने के निर्देश

खरगोन/ अंजू त्रिवेदी/ दैनिक मालवा हेराल्ड। कलेक्टर सुश्री भव्या मित्तल की अध्यक्षता में पंचायत एवं ग्रामीण विकास विभाग की कलेक्ट्रेट सभागृह में समीक्षा बैठक आयोजित की गई। बैठक में जल गंगा संवर्धन अभियान सहित विभिन्न ग्रामीण विकास योजनाओं की उपयंत्री-वार समीक्षा की गई तथा कार्यों को गुणवत्ता के साथ समय-सीमा में पूर्ण करने के निर्देश दिए गए।

जल गंगा संवर्धन अभियान पर विशेष फोकस- बैठक में कलेक्टर सुश्री मित्तल द्वारा जिले में जल गंगा संवर्धन अभियान अंतर्गत संचालित 7286 कार्यों की प्रगति की समीक्षा की गई। अब तक 1208 कार्य पूर्ण हो चुके हैं, जबकि शेष 6078 कार्यों को तत्काल पूर्ण कराने के निर्देश दिए गए।

अभियान अंतर्गत 28 अमृत सरोवर के कार्यों को एक माह में पूर्ण करने के निर्देश दिए गए। सभी जनपद सीईओ, सहायक यंत्री एवं उपयंत्रियों को आवश्यकता अनुसार लेबर लगाने एवं सामग्री के बिल ऑनलाइन करने की जिम्मेदारी सौंपी गई।

अभियान में अमृत सरोवर, डगवेल रिचार्ज, खेत तालाब, इरिगेशन इंफ्रास्ट्रक्चर, रिपेयर एंड मेंटेनेंस, वॉटर कंजर्वेशन एंड रिचार्ज तथा वाटरशेड डेवलपमेंट के कार्य शामिल हैं। वर्तमान में जिला प्रदेश स्तर पर 8वीं रैंक पर है।

ई-केवाईसी, जल जीवन मिशन और पेयजल व्यवस्था - बैठक में समग्र एवं मनरेगा जॉब कार्डधारियों की ई-केवाईसी एक सप्ताह में पूर्ण करने के निर्देश दिए गए। जल जीवन मिशन अंतर्गत बनाए जा रहे कूप (कुंए) एक माह में पूर्ण कर उनसे पेयजल आपूर्ति सुनिश्चित करने के निर्देश दिए गए। ग्रामीण क्षेत्रों में पेयजल आपूर्ति की स्थिति सुधारने, हैंडपंप मरम्मत तथा स्थलीय निरीक्षण कर व्यवस्था सुनिश्चित करने के निर्देश संबंधित अधिकारियों को दिए गए।

मनरेगा से स्व सहायता समूह की महिलाओं को दी जा रही -एक बगिया माँ के नाम- योजना की समीक्षा की गई। जिले में लक्ष्य 900 के विरूद्ध 923 कार्य प्रारंभ हो चुके हैं। इनमें से 677 कार्यों में तार फेंसिंग तथा 712 कार्यों में पौधारोपण किया जा चुका है।

कार्यालय, नगर पालिक निगम, उज्जैन
राजस्व विभाग (अन्यकर)
(जाहिर सूचना)

क्रमांक : अन्यकर / 2026/285 उज्जैन, दिनांक : 10/3/2026

सर्व साधारण को सूचित किया जाता है कि नगर पालिक निगम, उज्जैन के स्वामित्व का भूखण्ड क्रमांक 39 ए, अशोक नगर कॉलोनी, उज्जैन जो कि आवेदकगण श्री श्याम गुप्ता पिता श्री रामचंद्र गुप्ता एवं श्रीमती संगीता पति श्री श्याम गुप्ता, निवासी- 39 ए, अशोक नगर कॉलोनी, उज्जैन को लीज पर आवंटित हैं। उनके द्वारा लीज पर आवंटित उक्त भूखण्ड को मध्य प्रदेश नगर पालिका (अचल सम्पत्ति का अंतरण) नियम 2016 की धारा 20 के अंतर्गत लीज होल्ड भूमि को भूस्वामी का अधिकार प्रदान किये जाने हेतु आवेदन पत्र प्रस्तुत किया गया है।

अतः इस जाहिर सूचना के माध्यम से प्रकाशन के दिनांक से 15 दिवस की समय सीमा में उक्त भूखण्ड क्रमांक 39 ए, अशोक नगर कॉलोनी, उज्जैन को लीज होल्ड भूमि को भूस्वामी का अधिकार प्रदान किये जाने हेतु किसी वैध वारिस / उत्तराधिकारी/व्यक्ति/संस्था/वित्तीय संस्था/बैंक/न्यायालयीन प्रकरण आदि से सम्बंधित कोई ठोस आपत्ति हो, तो मय प्रमाण के कार्यालय, राजस्व विभाग (अन्यकर), कक्ष क्रमांक 135, छत्रपति शिवाजी भवन, आगर रोड़, नगर पालिक निगम, उज्जैन में कार्यालयीन समय में प्रस्तुत करे। समय सीमा में आपत्ति प्राप्त न होने की स्थिति में उक्त भूखण्ड क्रमांक 39 ए, अशोक नगर कॉलोनी, उज्जैन को मध्य प्रदेश नगर पालिका (अचल सम्पत्ति का अंतरण) नियम 2016 की धारा 20 के प्रावधान अंतर्गत लीज होल्ड भूमि को भूस्वामी का अधिकार प्रदान कर दिया जावेगा। तत्पश्चात् कोई आपत्ति/उज्ज मान्य नहीं होगी।

सहायक आयुक्त (अन्यकर)
नगर पालिक निगम, उज्जैन

कार्यालय, नगर पालिक निगम, उज्जैन
राजस्व विभाग (अन्यकर)
(जाहिर सूचना)

क्रमांक : अन्यकर/2026/278 उज्जैन, दिनांक : 10/03/2026

सर्व साधारण को सूचित किया जाता है कि नगर पालिक निगम, उज्जैन के स्वामित्व का **भूखण्ड क्रमांक 73 ए, अशोक नगर, उज्जैन** जो कि आवेदिका **श्रीमती शकुंतला सेन पति स्व. श्री हरीराम सेन, निवासी 73 ए, अशोक नगर, उज्जैन** को लीज पर आवंटित हैं। उनके द्वारा लीज पर आवंटित उक्त भूखण्ड को मध्य प्रदेश नगर पालिका (अचल सम्पत्ति का अंतरण) नियम 2016 की धारा 20 के अंतर्गत लीज होल्ड भूमि को भूस्वामी का अधिकार प्रदान किये जाने हेतु आवेदन पत्र प्रस्तुत किया गया है।

अतः इस जाहिर सूचना के माध्यम से प्रकाशन के दिनांक से **15 दिवस** की समय सीमा में उक्त **भूखण्ड क्रमांक 73 ए, अशोक नगर, उज्जैन** को लीज होल्ड भूमि को भूस्वामी का अधिकार प्रदान किये जाने हेतु किसी वैध वारिस/उत्तराधिकारी/व्यक्ति/संस्था/वित्तीय संस्था/बैंक/न्यायालयीन प्रकरण आदि से सम्बंधित कोई ठोस आपत्ति हो, तो मय प्रमाण के कार्यालय, राजस्व विभाग (अन्यकर), कक्ष क्रमांक 135, छत्रपति शिवाजी भवन, आगर रोड, नगर पालिक निगम, उज्जैन में कार्यालयीन समय में प्रस्तुत करे। समय सीमा में आपत्ति प्राप्त न होने की स्थिति में उक्त **भूखण्ड क्रमांक 73 ए, अशोक नगर, उज्जैन** को मध्य प्रदेश नगर पालिका (अचल सम्पत्ति का अंतरण) नियम 2016 की धारा 20 के प्रावधान अंतर्गत लीज होल्ड भूमि को भूस्वामी का अधिकार प्रदान कर दिया जावेगा। तत्पश्चात् कोई आपत्ति/उज्र मान्य नहीं होगी।

सहायक आयुक्त (अन्यकर),
नगर पालिक निगम, उज्जैन

कलेक्टर ने की शिक्षा विभाग की गतिविधियों की समीक्षा

स्कूलों में हो विद्यार्थियों का शत–प्रतिशत नामांकन – कलेक्टर

सीहोर/दैनिक मालवा हेराल्ड। कलेक्टर श्री बालागुरू के. ने कलेक्ट्रेट सभाकक्ष में बैठक आयोजित कर शिक्षा विभाग की गतिविधियों की समीक्षा की। बैठक में कलेक्टर श्री बालागुरू के. ने कक्षा पहली से कक्षा बारहवी तक के शासकीय स्कूलों में विद्यार्थियों के नामांकन की स्थिति की समीक्षा करते हुए नामांकन बढ़ाने के लिए विशेष प्रयास करने के निर्देश दिए। इसके साथ ही उन्होंने विद्यार्थियों को पाठ्यपुस्तक वितरण प्रगति की भी समीक्षा की। बैठक में जिला पंचायत सीईओ श्रीमती सर्जना यादव ने भी संबंधित अधिकारियों को आवश्यक दिशा निर्देश दिए।

कलेक्टर ने जल गंगा संवर्धन अभियान की प्रगति की समीक्षा करते हुए संबंधित अधिकारियों को निर्धारित लक्ष्य के अनुरूप कार्य सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। इसके अतिरिक्त एचपीवी टीकाकरण की समीक्षा करते हुए जागरूकता कार्यक्रम चलाने और शत-प्रतिशत लक्ष्य प्राप्त करने के निर्देश दिए।

बैठक में कलेक्टर ने वर्ष 2025-26 के लिए ई-स्कूल ड्रॉपआउट गैप का सत्यापन करने, विद्यार्थियों के आधार अपडेट की स्थिति सुधारने एवं शिक्षकों की उपस्थिति की नियमित मॉनिटरिंग सुनिश्चित करने के निर्देश भी दिए। कलेक्टर श्री बालागुरू के. ने नवीन शौचालय निर्माण एवं मरम्मत कार्यों की प्रगति की समीक्षा करते हुए सभी कार्यों को समय-सीमा में पूर्ण करने के निर्देश दिए। साथ ही सीएम हेल्पलाइन के अंतर्गत लंबित शिकायतों के त्वरित निराकरण पर विशेष जोर दिया। बैठक में समग्र शिक्षा अभियान अंतर्गत प्राथमिक, माध्यमिक एवं हाई/हायर सेकेंडरी स्कूलों को जारी आकस्मिक निधि के उपयोग की समीक्षा की गई तथा राशि का नियमानुसार उपयोग सुनिश्चित करने के निर्देश दिए गए।

बैठक में जानकारी दी गई कि यू-डाइस 2025-26 अंतर्गत कक्षा 01 से 12 तक नामांकन का कार्य लगभग शत-प्रतिशत पूर्ण कर लिया गया है। कलेक्टर ने निर्देश दिए कि अब शेष छूटे हुए विद्यार्थियों को चिन्हित कर शीघ्र नामांकित किया जाए तथा ड्रॉपआउट की स्थिति को पूरी तरह समाप्त करने के प्रयास किए जाएं। बैठक में बताया गया कि शासन द्वारा जिले के सरकारी स्कूलों के 210 प्रतिभावन बच्चों को स्कूटी की राशि दी गई है तथा उनके द्वारा स्कूटी खरीद ली गई है। इसी प्रकार जिले के 2752 बच्चों को लैपटॉप की राशि वितरित की गई है और लगभग 7500 बच्चों को साइकिल का वितरण किया जा चुका है। बैठक में जिला शिक्षा अधिकारी श्री संजय सिंह तोमर, डीपीसी श्री रमेशराम उइके सहित संबंधित अधिकारी उपस्थित थे।

पेट्रोलियम पदार्थों की आपूर्ति सुचारू बनाए रखने के लिये जिला स्तरीय समिति गठित

ग्वालियर/दैनिक मालवा हेराल्ड। ग्वालियर जिले में पेट्रोल, डीजल, एलपीजी, पीएनजी एवं सीएनजी की की उपलब्धता व सुचारू आपूर्ति बनाए रखने के लिये कलेक्टर श्रीमती रुचिका चौहान ने जिला स्तरीय समिति गठित की है। यह समिति कॉमर्शियल गैस सिलेण्डरों का प्राथमिकता के अनुसार संस्थानों को वितरण कराने एवं उपभोक्ताओं की शिकायतों का त्वरित निराकरण भी करेगी। जिला स्तरीय समिति का गठन अपर कलेक्टर की अध्यक्षता में किया गया है। जिला आपूर्ति नियंत्रक श्री अरविंद सिंह भदौरिया (मोबा. 7999556459) को समिति का सदस्य सचिव नियुक्त किया गया है।

समिति में जिला नोडल अधिकारी सेल्स ऑफीसर एचपीसीएल श्री कल्पेश मौर्य (मोबा. 9324506525), आईओसीएल एलपीजी के सेल्स ऑफीसर श्री हरिओम (मोबा. 8109220801), सेल्स ऑफीसर आईओसीएल एलपीजी श्री शशि प्रकाश (मोबा. 7307015215), सेल्स ऑफीसर बीपीसीएल एलपीजी श्री दीपक दिवाकर (मोबा. 7898770852), सेल्स ऑफीसर एचपीसीएल रिटेल श्री प्रवीण शर्मा (मोबा. 9321710194), सेल्स ऑफीसर रिटेल आईओसीएल श्री रामजी (मोबा. 9522319168), सेल्स ऑफीसर रिटेल आईओसीएल श्री आनंद देव (मोबा. 8547968209) एवं सेल्स ऑफीसर रिटेल बीपीसीएल श्री अंकित नेगी (मोबा. 9068810678) को सदस्य के रूप में शामिल किया गया है। इस समिति के सभी सदस्य प्रत्येक सोमवार को कलेक्ट्रेट में होने वाली टीएल बैठक में जानकारी सहित उपस्थित रहेंगे। साथ ही पेट्रोलियम पदार्थों की आवश्यकता के अनुसार और शासन दिशा-निर्देशों के तहत आपूर्ति सुनिश्चित करायेंगे। ऑयल कंपनियों के सभी सेल्स ऑफीसर जिले में पेट्रोलियम पदार्थों की मांग, उपलब्ध स्टॉक एवं आपूर्ति के वरीयता क्रम की अद्यतन जानकारी प्रतिदिन अनिवार्य रूप से प्रदान करेंगे। साथ ही समिति के निर्देशन में आपूर्ति सुनिश्चित करायेंगे।

जल गंगा संवर्धन अभियान : आम नागरिकों के लिए स्वच्छ, शीतल जल का 'जल मंदिर' के रूप में प्याऊ का शुभारंभ

छिन्दवाडा/दैनिक मालवा हेराल्ड। प्रदेश के मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव के कुशल नेतृत्व एवं जिला कलेक्टर श्री हरेंद्र नारायन के मार्गदर्शन में जन अभियान परिषद द्वारा जिले में 19 मार्च से 30 जून 2026 तक संचालित 139 दिवसीय जल गंगा संवर्धन अभियान के अंतर्गत जल संरक्षण को जन-आंदोलन का रूप दिया जा रहा है। इस अभियान के तहत नदियों, तालाबों, बावड़ियों एवं अन्य जल स्त्रोतों के संरक्षण और पुनरुद्धार के लिए व्यापक कार्य किए जा रहे हैं।

इसी क्रम में म.प्र. जन अभियान परिषद के जिला समन्वयक श्री अखिलेश जैन के नेतृत्व तथा विकासखंड समन्वयक श्री संजय बामने एवं सामाजिक कार्यकर्ताओं के सहयोग से विकासखंड जुन्नारदेव के वार्ड क्रमांक 13 स्थित वेलफेयर हॉस्पिटल के पास नगर विकास प्रस्फुटन समिति परिवर्तित रानी सुमन सामाजिक विकास समिति द्वारा 'जल मंदिर' (प्याऊ) का शुभारंभ किया गया।

इस अवसर पर विकासखंड समन्वयक श्री संजय बामने ने कहा कि यह अभियान ÷जल है तो कल है÷ की भावना पर आधारित है, जिसका उद्देश्य जल संरक्षण को जन-जन का विषय बनाना है। उन्होंने बताया कि यह अभियान समाज के सभी वर्गों की सक्रिय भागीदारी से सफलतापूर्वक संचालित हो रहा है।

कार्यक्रम में नगर पालिका जुन्नारदेव के नव नियुक्त मनोनीत पार्षद श्री भारत भूषण अरोरा, विकासखंड समन्वयक श्री संजय बामने, श्रीमती पिंकी साहू, श्रीमती इशरत मंसूरी, सामाजिक कार्यकर्ता श्रीमती तरन्नुम मंसूरी, श्रीमती नूरनाज़, श्रीमती अफसर मंसूरी, श्रीमती निमांशी रामपुरे, आंगनवाड़ी कार्यकर्ता श्रीमती सुषमा, परामर्शदाता श्री सरजूलाल विश्वकर्मा, श्रीमती योगिता मर्सकोले, श्रीमती दीपा मेश्राम सहित बीएसडब्ल्यू/एमएसडब्ल्यू के छात्र-छात्राएं भरत इवनाती, रितु उईके, रूपल सूर्यवंशी, माया नागवंशी, सरला सुरझे एवं समस्त नगरवासी उपस्थित थे।

जल जीवन मिशन कार्यों की कलेक्टर ने की समीक्षा, गर्मी में पेयजल व्यवस्था सुचारू बनाए रखने के दिए निर्देश

जिले में जल जीवन मिशन की 332 में से 315 नलजल योजनाएं पूर्ण

सीहोर/दैनिक मालवा हेराल्ड। कलेक्टर श्री बालागुरू के. ने लोक स्वास्थ्य यांत्रिकीय विभाग एवं जल निगम की समीक्षा बैठक आयोजित कर जल जीवन मिशन सहित विभागीय कार्यों की विस्तृत समीक्षा की। उन्होंने अधिकारियों को स्पष्ट निर्देश दिए कि ग्रीष्मकाल में पेयजल आपूर्ति बाधित न हो यह सुनिश्चित किया जाए। उन्होंने कहा कि विकास कार्यों के दौरान यदि पेयजल लाइनें क्षतिग्रस्त होती हैं तो उन्हें तत्काल दुरुस्त किया जाए तथा जहां पानी की उपलब्धता नहीं है, वहां ट्यूबवेल खनन को नदी-तालाब के आसपास प्राथमिकता दी जाए, ताकि पानी निकलने की संभावना अधिक हो। बैठक में जिला पंचायत सीईओ श्रीमती सर्जना यादव ने भी संबंधित अधिकारियों को आवश्यक दिशा निर्देश दिए।

बैठक में जानकारी दी गई कि जिले में जल जीवन मिशन के तहत स्वीकृत 332 नल जल योजनाओं में से 315 योजनाएं पूर्ण हो चुकी हैं, जबकि शेष 17 योजनाओं को आगामी 15 दिनों में पूरा करने का लक्ष्य निर्धारित किया गया है। कलेक्टर ने निर्देश दिए कि सभी पूर्ण कार्यों को समय पर हैंडओवर किया जाए तथा लंबित कार्यों को शीघ्र पूर्ण किया जाए।

ग्रीष्मकालीन कार्ययोजना की समीक्षा में बताया गया कि पेयजल शिकायतों के निराकरण हेतु खंड एवं उपखंड स्तर पर कंट्रोल का स्थापित किए गए है, जिसमें अब तक प्राप्त 156 शिकायतों में से 124 का निराकरण किया जा चुका है। कलेक्टर ने शेष शिकायतों के त्वरित समाधान के निर्देश देते हुए कहा कि आमजन को किसी प्रकार की परेशानी नहीं होनी चाहिए। कलेक्टर श्री बालागुरू के. ने पेयजल आपूर्ति में आ रहे अनावश्यक व्यवधान और इस संबंध सीएम हेल्पलाइन पर प्राप्त शिकायतों का त्वरित निराकरण न होने तथा पंचायत एवं ग्रामीण विकास विभाग द्वारा जारी पेयजल आपूर्ति संबंधी निर्देशों का पालन नहीं करने पर भैरूंदा जनपद सीईओ श्री संजय अग्रवाल को फटकार लगाई। उन्होंने कहा कि ग्रीष्म काल में नागरिकों को पेयजल आपूर्ति करना प्रशासन की सर्वोच्च प्राथमिकता का कार्य है और इस स्थिति में यदि अधिकारी कार्यों को गंभीरता से नहीं लेंगे एक दूसरे पर टालेंगे तो नागरिकों को परेशानी होगी।

बैठक में यह भी जानकारी दी गई कि जिले में हैंडपंपों के नियमित संधारण का कार्य अनुबंधित एजेंसियों के माध्यम से कराया जा रहा है तथा जलस्तर गिरने की स्थिति में राइजर पाइप बढ़ाने, सिंगल फेस मोटर पंप स्थापित करने और नलकूपों की सफाई जैसे कार्य किए जा रहे हैं। मार्च 2026 में 12 नलकूपों की सफाई कर उन्हें पुनः चालू किया गया है।

वित्तीय वर्ष 2026-27 के लिए जिले को 30 नए हैंडपंप खनन का लक्ष्य प्राप्त हुआ है, जिसके तहत जल संकट वाले गांवों में कार्य प्रारंभ किया जा रहा है। साथ ही जल गंगा संवर्धन अभियान के अंतर्गत कम जल वाले नलकूपों को चिन्हित कर रिचार्ज शाफ्ट एवं पिट निर्माण के माध्यम से जलस्तर बढ़ाने के प्रयास किए जाएंगे । कलेक्टर श्री बालागुरू के. ने अधिकारियों को निर्देशित किया कि सभी विभाग आपसी समन्वय से कार्य करें, पेयजल संबंधी शिकायतों का समय पर निराकरण सुनिश्चित करें तथा जलकर की राशि केवल अधिकृत अधिकारी द्वारा ही संग्रहित की जाए। उन्होंने विशेष रूप से कहा कि गर्मी के मौसम को देखते हुए पेयजल व्यवस्था को सुचारू बनाए रखना सर्वोच्च प्राथमिकता होनी चाहिए। बैठक में पीएचई विभाग कार्यपालन यंत्री श्री प्रदीप सक्सेना, जल निगम के महाप्रबंधक मोहम्मद जेनुअल सहित संबंधित अधिकारी उपस्थित थे।

सांदीपनि विद्यालय छपरा मोहनी में शाला प्रवेश उत्सव संपन्न

जबलपुर/दैनिक मालवा हेराल्ड। विकासखंड कुंडम के सांदीपनि विद्यालय में नवीन शैक्षणिक सत्र का शुभारंभ शाला प्रवेश उत्सव के रूप में हर्षोल्लास के साथ किया गया। इस अवसर पर नवागत विद्यार्थियों का तिलक लगाकर और मिठाई खिलाकर शाला परिवार में आत्मीय स्वागत किया गया। कार्यक्रम का गरिमामय शुभारंभ मुख्य अतिथि पूर्व विधायक श्रीमती नंदिनी मरावी, विशिष्ट अतिथि सुश्री प्रगति गणवीर अनुविभागीय अधिकारी, राजस्व, सुश्री पूनम बरकडे विकासखंड शिक्षा अधिकारी एवं श्री सुरेंद्र कुमार जैन विकासखंड स्रोत समन्वयक द्वारा सरस्वती पूजन एवं दीप प्रज्वलन के साथ किया गया। कार्यक्रम के दौरान अतिथियों ने विद्यार्थियों के साथ शिक्षा पर चर्चा की। मुख्य अतिथि श्रीमती मरावी ने बच्चों से सीधा संवाद करते हुए जीवन में शिक्षा के महत्व पर विशेष जोर दिया। उन्होंने कहा कि शिक्षा केवल किताबी ज्ञान नहीं, बल्कि संस्कारों का पुंज है जो भविष्य की नींव रखता है।

भड़पुरा में शोभापुर पहाड़ी के स्वरूप को परिवर्तित कर कॉलोनी निर्माण के प्रकरण में कलेक्टर राघवेंद्र सिंह का फैसला.

कॉलोनाइजर और भूमि स्वामियों पर 4 करोड़ रुपये का अर्थदंड अधिरोपित. गूगल अर्थ की डिजिटल इमेज भी बनी साक्ष्य.

जबलपुर/दैनिक मालवा हेराल्ड। राँझी तहसील के अंतर्गत ग्राम भड़पुरा में शोभापुर पहाड़ी के स्वरूप में परिवर्तन करने तथा बिना अनुमति के मिट्टी, मुरम और बोल्डर का खनन कर आवासीय कॉलोनी के निर्माण में उपयोग करने के प्रकरण में कलेक्टर राघवेंद्र सिंह ने कॉलोनाइजर सीओडी कॉलोनी निवासी अभिलाष तिवारी एवं भूमि स्वामी न्यू शोभापुर निवासी श्रीमती शोभना सिंह, मुकेश सिंह, महेश सिंह, नरेंद्र सिंह, श्रीमती रागिनी सिंह एवं रमेश सिंह के विरुद्ध 4 करोड़ 08 लाख रुपये का अर्थदंड अधिरोपित किया है।

कलेक्टर श्री सिंह ने प्रकरण में पारित आदेश में तय समय के भीतर अर्थदंड की राशि जमा नहीं करने पर वसूली के लिये आरआरसी जारी करने तथा इसके बावजूद भी अर्थदंड की राशि जमा नहीं किये जाने की स्थिति में तहसीलदार के माध्यम से कुर्की की कार्यवाही करने के आदेश खनिज अधिकारी को दिये हैं। कलेक्टर कोर्ट में यह प्रकरण ग्राम भड़पुरा में पटवारी हल्का नम्बर 02 की खसरा नम्बर 391/13 क एवं अन्य खसरे की 4.24 हेक्टेयर भूमि में से 2.58 हेक्टेयर निजी भूमि पर अवैध उत्खनन और कॉलोनी निर्माण किये जाने की प्राप्त शिकायत पर तहसीलदार, राजस्व निरीक्षक, पटवारी एवं खनिज निरीक्षकों द्वारा संयुक्त निरीक्षण के बाद दिये गये प्रतिवेदन के आधार पर प्रारंभ किया गया था।

राजस्व एवं खनिज विभाग को टीम ने जांच कर इस प्रकरण में भूमि स्वामी नरेंद्र सिंह ठाकुर के पुत्र निशांत सिंह एवं कॉलोनाइजर अभिलाष तिवारी द्वारा खनिज का अवैध भंडारण किये जाने पर एक हजार घनमीटर मुरम एवं एक हजार घनमीटर बोल्डर के लिये 50 लाख रुपये का अर्थदंड अधिरोपित करना प्रस्तावित किया था। जिसके आधार पर भूमि स्वामियों और कॉलोनाइजर को नोटिस जारी तथा सुनवाई के बाद कलेक्टर कोर्ट ने आदेश जारी कर 50 लाख रुपये का अर्थदंड अधिरोपित किया था। कलेक्टर कोर्ट के इस आदेश इस आदेश के विरुद्ध कमिश्नर न्यायालय में अपील प्रस्तुत की गई थी तथा कमिश्नर द्वारा कलेक्टर के आदेश को यथावत रखा गया था। पहाड़ी के मूल स्वरूप में परिवर्तन कर कॉलोनी का निर्माण किये जाने की इस शिकायत पर बाद में कलेक्टर द्वारा अनुविभागीय राजस्व अधिकारी राँझी एवं जिला खनिज अधिकारी से भी शिकायत की जांच कराई गई थी।

अनुविभागीय राजस्व अधिकारी एवं जिला खनिज अधिकारी अपने जांच प्रतिवेदन में स्पष्ट किया गया था कि इस प्रकरण में समस्त अनुमतियां प्राप्त कर कॉलोनी के विकास कार्य हेतु समतलीकरण किया गया है। इसके बावजूद कमर्शियल प्रोजेक्ट होने से कॉलोनाइजर और भूमि स्वामी को खनिज का उपयोग किये जाने के पूर्व उपयोग किये गये खनिज की रॉयल्टी अग्रिम रूप से जमा करनी थी। किंतु, उनके द्वारा ऐसा न करके समतलीकरण के कार्य के दौरान निकले खनिज का उपयोग बिना रॉयल्टी का भुगतान किये किया गया, जो मध्यप्रदेश खनिज (अवैध खनन, परिवहन तथा भंडारण का निवारण) नियम 2022 के प्रावधानों का उल्लंघन है। अनुविभागीय राजस्व अधिकारी राँझी एवं जिला खनिज अधिकारी ने अपने प्रतिवेदन में उल्लेख किया था कि बिना अनुमति उपयोग किये गये 13 हजार 600 घनमीटर खनिज (मिट्टी, मुरम और बोल्डर) की 6 लाख 80 हजार रुपये की रॉयल्टी की पंद्रह गुना 1 करोड़ 02 लाख रुपये अर्थदण्ड के रूप में तथा पर्यावरण क्षतिपूर्ती के 1 करोड़ 02 लाख रुपये और इस प्रकार कुल 2 करोड़ 04 लाख रुपये की राशि, एक हजार रुपये के प्रशमन शुल्क के साथ कॉलोनाइजर तथा भूमि स्वामियों से जमा कराकर प्रकरण का निराकरण किया जा सकता है। गूगल अर्थ डिजिटल इमेज से भी हुई पहाड़ी के स्वरूप में परिवर्तन की पुष्टि ‍– भड़पुरा में शोभापुर पहाड़ी के स्वरूप में परिवर्तन कर कॉलोनी के विकास करने के इस प्रकरण में कलेक्टर श्री राघवेंद्र सिंह द्वारा पारित आदेश में खनिज निरीक्षक द्वारा दिये गये जांच प्रतिवेदन के साथ संलग्न की गई गूगल अर्थ से प्राप्त डिजिटल इमेज का भी उल्लेख किया गया है। आदेश में कहा गया है कि वर्ष 2019 से वर्ष 2025 की गूगल अर्थ की डिजिटल इमेज के अवलोकन से भी यह स्पष्ट है कि वर्ष 2019 में प्रश्नाधीन भूमि का भौतिक स्वरूप पहाड़ीनुमा आकृति का था, जिसे वर्ष 2020, 2021 एवं वर्ष 2022 में परिवर्तित कर यहां निर्माण आदि की गतिविधियां की गई हैं।

सीएमटीसी पोर्टल से ग्रामीण सेवा प्रबंधन होगा डिजिटल

सीहोर/दैनिक मालवा हेराल्ड। ग्रामीण सेवाओं के प्रभावी प्रबंधन और डिजिटल पारदर्शिता को बढ़ावा देने की दिशा में महत्वपूर्ण पहल करते हुए कम्युनिटी मैनेज्ड ट्रेनिंग सेंटर सीएमटीसी पोर्टल शुरू किया गया है।यह पोर्टल मध्यप्रदेश स्टेट इलेक्ट्रॉनिक्स डेवलपमेंट कॉर्पोरेशन द्वारा विकसित किया गया है। पंचायत एवं ग्रामीण विकास विभाग के अंतर्गत संचालित स्टेट रूरल लाइवलीहुड मिशन (एसआरएलएम) के लिए तैयार किया गया यह पोर्टल सीएमटीसी सेवाओं की बुकिंग और प्रबंधन के लिए एक केंद्रीकृत डिजिटल प्लेटफॉर्म उपलब्ध कराएगा। इससे सेवा प्रक्रियाओं में पारदर्शिता, समयबद्धता और कार्यकुशलता सुनिश्चित होगी। सीएमटीसी पोर्टल के माध्यम से उपयोगकर्ताओं का व्यवस्थित पंजीयन, रोल बेस्ड एक्सेस कंट्रोल और ब्लॉक एवं जिला स्तर पर बुकिंग और अनुमोदन की स्वचालित व्यवस्था संभव हो सकेगी। इससे मैनुअल प्रक्रियाओं पर निर्भरता कम होगी, प्रक्रियागत त्रुटियों में कमी आएगी और प्रशासनिक कार्यप्रणाली अधिक सुव्यवस्थित और प्रभावी बनेगी। पोर्टल में स्वचालित सूचना प्रणाली और डिजिटल अनुमोदन जैसी सुविधाएं भी उपलब्ध कराई गई हैं, जिससे हितधारकों के बीच बेहतर समन्वय और त्वरित संवाद सुनिश्चित हो सकेगा। प्रदेश सरकार ग्रामीण विकास में तकनीक के अधिकतम उपयोग के लिए प्रतिबद्ध है। डिजिटल पहल से न केवल प्रशासनिक पारदर्शिता सुदृढ़ होगी, बल्कि ग्रामीण क्षेत्रों में सेवा वितरण प्रणाली भी अधिक जवाबदेह, सुलभ और प्रभावी बनेगी। यह पहल मध्यप्रदेश को तकनीक आधारित सुशासन, नवाचार और ग्रामीण सशक्तिकरण के क्षेत्र में आगे बढ़ाने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है।

स्वच्छ सर्वेक्षण 2025-26 की तैयारियों को लेकर कलेक्टर श्री नारायन ने ली समीक्षा बैठक

छिन्दवाडा/दैनिक मालवा हेराल्ड। आगामी स्वच्छ सर्वेक्षण 2025-26 को ध्यान में रखते हुए जिले में स्वच्छता व्यवस्था को और बेहतर बनाने के उद्देश्य से कलेक्टर श्री हरेंद्र नारायन की अध्यक्षता में नगर निगम एवं जिले के सभी नगरीय निकायों की समीक्षा बैठक गुरूवार को कलेक्टर कार्यालय के सभाकक्ष में आयोजित की गई। बैठक में नगर निगम आयुक्त श्री सी.पी. राय सहित सभी नगरीय निकायों के मुख्य नगरपालिका अधिकारी एवं संबंधित अधिकारी उपस्थित थे।

बैठक में जानकारी दी गई कि जिले के सभी 12 नगरीय निकायों ने पिछले सर्वेक्षण में ODF++ प्रमाणन प्राप्त किया था, जो स्वच्छता के क्षेत्र में एक महत्वपूर्ण उपलब्धि है।

कलेक्टर श्री नारायन ने निर्देश दिए कि आगामी सर्वेक्षण को ध्यान में रखते हुए दर्शनीय स्वच्छता (विजिबल क्लीनलीनेस) पर विशेष ध्यान दिया जाए। शहर के सभी आवासीय, व्यावसायिक और सार्वजनिक क्षेत्रों में नियमित साफ सफाई कर 100 प्रतिशत स्वच्छता सुनिश्चित की जाए। गौरतलब है कि स्वच्छता मानकों में दर्शनीय स्वच्छता (15%) सबसे महत्वपूर्ण स्तंभ है, जो सड़कों और सार्वजनिक स्थलों की प्रत्यक्ष साफ-सफाई पर केंद्रित है।

इसके साथ ही अपशिष्ट का पृथक्करण, संग्रहण एवं परिवहन (10%) के तहत स्रोत स्तर पर कचरे को अलग करना, तथा ठोस अपशिष्ट प्रबंधन (15%) के अंतर्गत डंप साइटों के वैज्ञानिक निस्तारण पर विशेष जोर दिया गया है। नागरिकों की सुविधा के लिए स्वच्छता तक पहुँच (10%) सुनिश्चित करना, उपयोगित जल प्रबंधन (10%) के माध्यम से सीवेज उपचार और पुन‍ः उपयोग को बढ़ावा देना, तथा डीस्लजिंग सेवाओं के मशीनीकरण (5%) को अनिवार्य बताया गया।

स्वच्छता को जन-आंदोलन बनाने के लिए स्वच्छता एडवोकेसी (15%) के जरिए व्यापक जागरूकता अभियान चलाने, पारिस्थितिकीय तंत्र सुदृढ़ीकरण (8%) के तहत नीतियों के प्रभावी क्रियान्वयन तथा सफाई कर्मचारियों के समग्र कल्याण (5%) पर भी विशेष बल दिया गया। साथ ही नागरिक प्रतिक्रिया एवं शिकायत निवारण (10%) को स्वच्छता व्यवस्था की सफलता का प्रमुख आधार बताया गया।

कलेक्टर श्री नारायन ने शहर की बैकलेन, संकरी गलियों एवं सड़कों के किनारे, डिवाइडरों आदि में विशेष सफाई अभियान चलाकर कचरा, मलबा और अतिक्रमण पूरी तरह हटाने के निर्देश दिए। नगर निगम के लिए 5-स्टार तथा अन्य निकायों के लिए 3-स्टार रैंकिंग प्राप्त करने का लक्ष्य निर्धारित किया गया है, जिसके लिए सभी आवश्यक कदम उठाने पर जोर दिया गया।

उन्होंने नालों एवं जल संरचनाओं की नियमित सफाई तथा शहर के सौंदर्यीकरण कार्यों को प्राथमिकता देने के निर्देश दिए। स्कूलों एवं सार्वजनिक स्थानों के आसपास स्वच्छता बनाए रखने के साथ-साथ लिटर पिकिंग (कचरा उठाने) अभियान चलाने तथा आम नागरिकों के व्यवहार में बदलाव लाकर कचरा फैलाने की प्रवृत्ति को रोकने पर भी विशेष जोर दिया गया।

बैठक में कलेक्टर श्री नारायन ने नगरीय निकायों की राजस्व वसूली की समीक्षा की तथा प्रधानमंत्री आवास योजना (शहरी) 1.0 के लक्ष्यों और 2.0 के अंतर्गत कार्यों की प्रगति का आंकलन किया। साथ ही सांसद एवं विधायक निधि वर्ष 2023-24 एवं 2024-25 के तहत स्वीकृत निर्माण कार्यों की भी समीक्षा की गई। निकाय क्षेत्र में स्थित स्कूलों में स्वच्छता मानकों को अनिवार्य रूप से लागू करने को आगामी लक्ष्य का प्रमुख बिंदु बताया गया।

कलेक्टर श्री नारायन ने स्वच्छता कर्मियों की गरिमा बनाए रखने पर विशेष जोर देते हुए निर्देश दिए कि सभी सफाई कर्मचारी निर्धारित यूनिफॉर्म, जैकेट, ग्लव्स एवं सुरक्षा उपकरण पहनकर ही कार्य करें, ताकि उनकी सुरक्षा और सम्मान दोनों सुनिश्चित हो सकें।

कलेक्टर श्री नारायन ने कहा कि सभी अधिकारी स्वच्छ सर्वेक्षण के प्रत्येक मानक पर गंभीरता से कार्य करते हुए समन्वित प्रयासों के माध्यम से जिले को प्रदेश में अग्रणी स्थान दिलाने के लिए पूरी गंभीरता के साथ प्रयास करें।

जल गंगा संवर्धन अभियान जल सहेजने के लिये पोखर पर किया श्रमदान, जल चौपाल भी लगाई

ग्वालियर/दैनिक मालवा हेराल्ड। जिले के विकासखंड भितरवार अंतर्गत ग्राम बसई और गोहिंदा में जल गंगा संवर्धन अभियान के तहत पोखर पर श्रमदान कर जल संरक्षण की दिशा में महत्वपूर्ण पहल की गई। जन अभियान परिषद की समितियों के साथ मिलकर सेवाभावी नागरिकों ने पुरानी तलैया में जमी मिट्टी को हटाने, साफ-सफाई एवं गहरीकरण का कार्य शुरू किया। जिससे जल संरचनाओं के संरक्षण और संवर्धन को नई गति मिली। अभियान के अंतर्गत जन अभियान परिषद की ग्राम विकास प्रस्फुटन समिति एवं नवांकुर संस्थाओं द्वारा जन चौपाल आयोजित कर सुरक्षित जल- समृद्ध कल का संदेश दिया गया। चौपाल में बताया गया कि अभियान के दौरान मुख्य एवं सहायक नदियों पर सामूहिक श्रम-साधना, नदी अनुभूति, जल चौपाल व संवाद, जल संरक्षण में योगदान देने वाले व्यक्तियों का सम्मान तथा नारा लेखन जैसे कार्यक्रम आयोजित किए जाएंगे। जल गंगा संवर्धन अभियान 04 जून तक संचालित रहेगा। इस अवसर पर जल स्त्रोतों के संरक्षण के प्रति जनजागरूकता बढ़ाने के लिए विशेष रूप से प्रेरित किया गया। कार्यक्रम में जन अभियान परिषद के विकासखंड समन्वयक श्री मनोज दुबे सहित सर्वश्री कुलदीप नामदेव, कोमल सिंह रावत, राजू पाठक, लक्ष्मण प्रजापति, पालेंद्र राणा, सोबरन बघेल, सुरेंद्र बघेल, गजेन्द्र सिंह और बलविंदर सिंह रावत सहित अनेक ग्रामीणजन सक्रिय रूप से शामिल हुए।

मालिक, प्रकाशक, मुद्रक विजय शर्मा द्वारा 44, बहादुरगंज, उज्जैन (म.प्र.) से प्रकाशित एवं भगवती ऑफसेट 44, बहादुरगंज, उज्जैन (म.प्र.) से मुद्रित। सम्पादक - विजय शर्मा, मो.नं. 94250-22499, फोन 0734-2553435 प्रधान संपादक : शुभम ताम्रकार (सभी वाद विवाद का न्याय क्षेत्र उज्जैन रहेगा)

हनुमान जयंती पर उज्जैन में भक्ति का सैलाब, बाल हनुमान की पालकी निकली

महाकाल परिसर सहित शहरभर में हुए धार्मिक आयोजन, भंडारे और झांकियों ने बांधा समां

उज्जैन/दैनिक मालवा हेराल्ड। गुरुवार को हनुमान जयंती के अवसर पर महाकाल की नगरी उज्जैन में श्रद्धा और उत्साह का अद्भुत संगम देखने को मिला। महाकालेश्वर मंदिर परिसर स्थित बाबा बाल विजय मस्त हनुमान मंदिर से लेकर शहर के विभिन्न हनुमान मंदिरों में दिनभर धार्मिक अनुष्ठान, सुंदरकांड पाठ, अखंड रामायण और भंडारे आयोजित किए गए।

महाकालेश्वर प्रांगण स्थित बाबा बाल विजय मस्त हनुमान मंदिर में दो दिवसीय महोत्सव के तहत बुधवार से शुरू हुआ रामायण पाठ गुरुवार को पूर्णाहुति के साथ सम्पन्न हुआ। सुबह मंगला आरती में भगवान को विशेष बालभोग अर्पित किया गया, जिसमें चिरौंजी, दूध, फल सहित एक क्विंटल नुकती का महाभोग शामिल रहा। दोपहर में अखंड रामायण पाठ की पूर्णाहुति के बाद शाम को मुख्य आरती हुई। शाम करीब 7 बजे बाबा बाल हनुमान की रजत प्रतिमा को भव्य पालकी में विराजित कर नगर भ्रमण निकाला गया। इस दौरान ढोल-नगाड़ों, बैंड-बाजों, हाथी-घोड़ों, रथ और आकर्षक झांकियों ने श्रद्धालुओं को मंत्रमुग्ध कर दिया। विशेष आकर्षण 15 फीट ऊंची हनुमान प्रतिमा और रामायण मंडल द्वारा प्रस्तुत सुंदरकांड रहा।

अन्य मंदिरों में भी भव्य आयोजन- आगर रोड स्थित बाबा बाल हनुमान मंदिर में भगवान का 108 जड़ी-बूटियों, फलों के रस और गंगाजल से विशेष अभिषेक किया गया। शाम को 56 भोग अर्पित कर महाआरती के बाद सुंदरकांड पाठ हुआ।

अर्जी वाले हनुमान मंदिर में महामंडलेश्वर स्वामी प्रेमानंद पुरी महाराज की उपस्थिति में महायज्ञ और सुंदरकांड का आयोजन किया गया, जिसके बाद प्रसादी वितरण हुआ। पानदरीबा स्थित चैतन्यवीर हनुमान मंदिर में भगवान को चोला चढ़ाया गया और शाम को सुंदरकांड व हनुमान चालीसा का पाठ कर प्रसादी वितरित की गई। भैरवगढ़ के खेड़ापति हनुमान मंदिर में विशेष श्रृंगार, सुंदरकांड पाठ और महाआरती के साथ उत्सव सम्पन्न हुआ। शास्त्री नगर स्थित राम चैतन्य बाल हनुमान मंदिर में भगवान को 56 भोग अर्पित कर महाआरती की गई। मंदिर को आकर्षक सजावट से सजाया गया था।

ध्वज चल समारोह और भंडारों का आयोजन- फ्रीगंज स्थित प्रकटेश्वर महादेव मंदिर से शाम को भव्य ध्वज चल समारोह निकाला गया, जिसमें झिलमिल झांकियां आकर्षण का केंद्र रहीं। पूरे दिन श्रद्धालुओं को शुद्ध घी से बनी नुकती का वितरण किया गया। मायापति हनुमान मंदिर में महाआरती, भजन संध्या और विशाल भंडारे का आयोजन किया गया, जिसमें बड़ी संख्या में श्रद्धालुओं ने भाग लिया। काल भैरव घाट स्थित बम-बम भूतेश्वर महादेव मंदिर में विश्व शांति के लिए आयोजित अखंड रामायण पाठ की पूर्णाहुति कर भंडारे का आयोजन किया गया।

फिल्म अभिनेता राकेश बेदी ने किए महाकालेश्वर के दर्शन

उज्जैन/दैनिक मालवा हेराल्ड। प्रसिद्ध फिल्म अभिनेता राकेश बेदी गुरुवार को उज्जैन पहुंचे, जहां उन्होंने महाकालेश्वर मंदिर में भगवान महाकाल के दर्शन कर आशीर्वाद लिया। दर्शन के दौरान मंदिर परिसर में श्रद्धालुओं की भीड़ रही। अभिनेता राकेश बेदी ने विधि-विधान से पूजा-अर्चना कर भगवान महाकाल का आशीर्वाद प्राप्त किया। इस अवसर पर महाकालेश्वर मंदिर प्रबंध समिति द्वारा उनका स्वागत एवं सत्कार किया गया। समिति के अधिकारियों ने उन्हें सम्मान स्वरूप प्रसाद और स्मृति चिन्ह भेंट किया। राकेश बेदी ने दर्शन के बाद कहा कि महाकालेश्वर के दरबार में आकर उन्हें विशेष आध्यात्मिक शांति का अनुभव हुआ।

घर में अकेली 18 साल की युवती ने लगाई फांसी

उज्जैन/दैनिक मालवा हेराल्ड। परिवार के बाजार जाने पर घर में अकेली 18 साल की युवती ने फांसी लगा ली। परिवार के लौटने पर घटना का पता चला। युवती का गुरुवार सुबह पोस्टमार्टम कराया गया है। घटिया तहसील के ग्राम लखाहेड़ा में रहने वाली ज्योति पिता लाल सिंह 18 वर्ष को परिजन रात में अस्पताल लेकर पहुंचे थे। डॉक्टर ने परीक्षण के बाद मृत घोषित कर शव पोस्टमार्टम कक्ष में रखवा दिया। सुबह पोस्टमार्टम के दौरान सामने आया कि ज्योति ने फांसी लगाई थी। घटना के समय परिवार बाजार गया हुआ था जब लौटा तो उन्होंने फंदे पर लटका देखा था। परिजनों ने बताया कि पूरा परिवार गुजरात में रहता है। ग्राम लखाहेड़ा उनका पैतृक गांव है, 2 दिन पहले ही पूरा परिवार गांव लौटा था। फिलहाल ज्योति के फांसी लगाने की वजह सामने नहीं आ पाई है पुलिस द्वारा मार्ग कम कर जांच शुरू की गई है।

शिप्रा नदी से मिली युवक की लाश

उज्जैन/दैनिक मालवा हेराल्ड। गुरुवार सुबह शिप्रा नदी से एकयुवक की लाश बरामद की गई है। मामला आत्महत्या का सामने आ रहा है। पुलिस ने पोस्टमार्टम कराया है। महाकाल थाना पुलिस ने बताया कि शिप्रा नदी स्थित सिद्ध आश्रम के सामने एक व्यक्ति का शव देख लोगों ने सूचना दी थी। पुलिस ने तैराक दल के सदस्यों की मदद से लाश को बाहर निकाला। जिसकी पहचान लोकेश उर्फ पप्पू पिता कैलाश राव निवासी जयसिंहपुरा के रूप में हुई। परिजनों ने बताया कि बुधवार दोपहर से लापता था।

महाकाल पर आज से बहेगी सतत जलधारा, गलंतिका से होगा जलाभिषेक

उज्जैन/दैनिक मालवा हेराल्ड। विश्व प्रसिद्ध महाकालेश्वर मंदिर में आज 3 अप्रैल से भगवान महाकाल को शीतलता प्रदान करने के लिए परंपरागत सतत जलाभिषेक की शुरुआत होगी। वैशाख कृष्ण प्रतिपदा से ज्येष्ठ पूर्णिमा तक मंदिर में गलंतिका बांधकर शिवलिंग पर निरंतर जलधारा अर्पित की जाएगी। मंदिर प्रशासन के अनुसार इस विशेष व्यवस्था के तहत 11 मिट्टी के कलशों के माध्यम से भगवान का निरंतर जलाभिषेक किया जाएगा।

इन कलशों में गंगा नदी, यमुना नदी, नर्मदा नदी, गोदावरी नदी, कावेरी नदी, सरस्वती नदी, सिंधु नदी, सरयू नदी, क्षिप्रा नदी और गण्डकी नदी सहित पवित्र नदियों का स्मरण करते हुए मंत्रोच्चार के साथ जल स्थापित किया जाएगा। यह जलाभिषेक प्रतिदिन प्रातः भस्म आरती के बाद प्रारंभ होकर सायंकालीन पूजन तक जारी रहेगा। निर्धारित समय के अनुसार सुबह 6 बजे से शाम 5 बजे तक भगवान महाकाल पर सतत जलधारा प्रवाहित होती रहेगी।

मंदिर के पुजारी घनश्याम शर्मा के अनुसार यह परंपरा हर वर्ष गर्मी के मौसम में निभाई जाती है, ताकि भगवान को शीतलता प्रदान की जा सके। इस बार ज्येष्ठ मास में पुरुषोत्तम मास (अधिकमास) होने के कारण यह जलाभिषेक एक माह अतिरिक्त चलेगा। परंपरा के अनुसार रजत अभिषेक पात्र के साथ 11 कलशों को बांधकर विशेष गलंतिका तैयार की जाती है, जिससे बूंद-बूंद जल निरंतर शिवलिंग पर गिरता रहता है। धार्मिक मान्यता है कि यह सतत जलाभिषेक भगवान को शीतलता प्रदान करने के साथ ही भक्तों के लिए अत्यंत पुण्यदायी भी होता है।

हाईवे किनारे जमीनों के दाम में आया उछाल, नई गाइडलाइन से कीमतें दोगुनी तक बढ़ीं

नेशनल हाईवे पर 100, स्टेट हाईवे पर 50 प्रतिशत तक बढ़ोतरी, शहरी क्षेत्रों में औसतन 10 प्रतिशत इजाफा

उज्जैन/दैनिक मालवा हेराल्ड। जिले में संपत्ति की नई गाइडलाइन लागू होते ही जमीनों के दाम में बड़ा उछाल देखने को मिला है। खासकर नेशनल हाईवे से लगी या उसके आसपास की जमीनों की गाइडलाइन में 100 फीसदी या उससे अधिक की बढ़ोतरी की गई है। वहीं स्टेट हाईवे किनारे जमीनों की कीमतों में 50 फीसदी तक का इजाफा हुआ है।

प्रधानमंत्री सड़क योजना से जुड़े ग्रामीण क्षेत्रों को भी इस बार फायदा मिला है। इन सड़कों के आसपास की जमीनों की गाइडलाइन में 20 फीसदी तक वृद्धि की गई है। कुल मिलाकर जिले में औसतन 17.56 फीसदी की वृद्धि दर्ज की गई है, जबकि शहरी क्षेत्रों में यह बढ़ोतरी करीब 10 फीसदी रही है।

देवास-बदनावर और गरोठ-उज्जैन नेशनल हाईवे के आसपास के क्षेत्रों में सबसे ज्यादा असर देखा गया है। शिप्रा पार स्थित हाटकेश्वर कॉलोनी, जीवनखेड़ी, सांवराखेड़ी, सिंकदरी और चिंतामन जवासिया जैसे क्षेत्रों में जमीन की गाइडलाइन दोगुनी तक बढ़ गई है। इसी तरह आगर रोड और उससे जुड़े गांवों में भी जमीन के दामों में बड़ा इजाफा हुआ है।

ग्राहकों को फायदा, जेब पर असर भी- गाइडलाइन बढ़ने से जहां एक ओर जमीन मालिकों और निवेशकों को फायदा हुआ है, वहीं आम खरीदारों पर अतिरिक्त बोझ भी बढ़ेगा। पहले कम गाइडलाइन होने के कारण इन इलाकों में बैंक से लोन लेने में परेशानी होती थी, लेकिन अब बढ़ी हुई गाइडलाइन के चलते खरीदारों को अधिक फाइनेंस मिल सकेगा। हालांकि, दूसरी ओर रजिस्ट्री की लागत बढ़ने से प्रॉपर्टी खरीदना महंगा हो जाएगा। संपत्ति विशेषज्ञों का कहना है कि गाइडलाइन में 15 से 100 फीसदी तक की वृद्धि का सीधा असर आम लोगों की जेब पर पड़ेगा।

स्टाम्प ड्यूटी में राहत बरकरार- राहत की बात यह है कि गाइडलाइन बढ़ने के बावजूद स्टाम्प शुल्क में कोई बदलाव नहीं किया गया है। कृषि भूमि पर 6.5 फीसदी स्टाम्प ड्यूटी और 3 फीसदी रजिस्ट्रेशन फीस यथावत रहेगी। वहीं शहरी क्षेत्रों में स्टाम्प ड्यूटी 9.5 फीसदी और रजिस्ट्रेशन फीस 3 फीसदी ही रहेगी।

पुराने मकानों की खरीदी में राहत- नई गाइडलाइन में पुराने आवासीय भवन खरीदने वालों को कुछ राहत दी गई है। निर्माण लागत को कम आंका गया है, जिससे पुराने मकानों की रजिस्ट्री अपेक्षाकृत सस्ती हो सकती है।

लागू हुई नई व्यवस्था- वरिष्ठ जिला पंजीयक ऋतंभरा द्विवेदी ने बताया कि जिले में नई गाइडलाइन 1 अप्रैल से लागू कर दी गई है। इससे संपत्ति के वास्तविक बाजार मूल्य के करीब रजिस्ट्री दरें पहुंचेंगी और राजस्व में भी वृद्धि होगी।

चाकू मारकर युवक की हत्या, आगर रोड पर मिली लाश

उज्जैन/दैनिक मालवा हेराल्ड। आगर रोड पर गुरुवार सुबह एक युवक की लाश मिली। युवक की चाकू मारकर हत्या की गई थी। पुलिस और एफएसएल टीम मौके पर पहुंची, कुछ देर में ही युवक की पहचान हो गई। पुलिस हत्या के आरोपियों की तलाश कर रही है। चिमनगंज थाना पुलिस ने बताया आगर रोड पर शराब दुकान से पहले उज्जैन की ओर आने वाले मार्ग पर एक युवक की लाश पड़ी होने की सूचना मिलने पर पुलिस टीम पहुंची थी। घटना स्थल के आसपास खून फैला हुआ था। जांच के दौरान पता चला कि युवक को पैर और जांघ पर चाकू के कई गहरे घाव लगे हैं। चाकूबाजी के दौरान युवक ने जान बचाने के लिए दौड़ लगाई थी जिसके चलते कई जगह खून फैला है। मौके पर एफएसएल टीम को बुलाया गया और युवक की पहचान के प्रयास शुरू किए गए। कुछ देर में सामने आया कि मृतक बेगम बाग क्षेत्र का रहने वाला भूरा उर्फ आसिफ पिता गफ्फार मंसूरी 28 वर्ष है। भाई सिकंदर ने घटनास्थल पहुंचकर पहचान की और बताया कि शराब पीने का आदी था रात 9 के लगभग घर से निकला था उसके बाद वापस नहीं लौटा था। थाना प्रभारी गजेंद्र पचोरिया ने बताया कि मामले में हत्या का प्रकरण दर्ज कर जांच शुरू कर दी गई है। युवक की चाकू मार कर हत्या करने वालों की तलाश में घटनास्थल के आसपास लगे सीसीटीवी कैमरे देखे जा रहे हैं। जल्द आरोपियों का पता लगाकर उन्हें गिरफ्तार कर लिया जाएगा।

लॉरेंस बिश्नोई गैंग के शूटर का नागदा में सरेंडर

उज्जैन/दैनिक मालवा हेराल्ड। नागदा में गुरुवार सुबह उस वक्त सनसनी फैल गई जब लॉरेंस बिश्नोई गैंग के शूटर ने पुलिस के सामने सरेंडर कर दिया। शूटर की काफी समय से खरगोन पुलिस को तलाश थी। शूटर के सरेंडर करने के बाद सामने आया कि उसने खरगोन के व्यापारी पर गोली चलवाई थी।

शहर से करीब 60 किमी. दूर नागदा स्थित रत्नाखेड़ी में रहने वाले राजपाल चंद्रावत पर कुख्यात लॉरेंस बिश्नोई गैंग का सदस्य होने ओर गैंग के साथियों को फरारी कटवाने के आरोप लगे थे। उसकी काफी समय से खरगोन पुलिस तलाश कर रही थी, एसआईटी भी राजपाल को सरगर्मी से तलाश रही थी। उसके परिवार से कई बार पूछताछ हो चुकी थी, इस बीच गुरुवार सुबह अचानक राजपाल ने पहले मीडिया से चर्चा की और बाद में खुद को सरेंडर करने का वीडियो वायरल कर नागदा पुलिस को सूचना दी। नागदा थाना पुलिस रत्ना खेड़ी पहुंची और राजपाल को हिरासत में लेकर थाने ले आई। थाना प्रभारी अमृतलाल गवरी ने बताया कि मामला खरगोन से जुड़ा हुआ है संबंधित थाना पुलिस को सूचना दी गई, खरगोन पुलिस नागदा आकर राजपाल को पूछताछ के लिए अपने यहां ले जाएगी। बताया जा रहा है कि राजपाल ने खरगोन के जिला कसरावद में व्यापारी दिलीप राठौर के घर फायरिंग करवाई थी। मामले में उसका नाम सामने आने पर एसआईटी उसके परिवार को लगातार राजपाल की जानकारी जुटाना के लिए परेशान कर रही थी इसी के चलते राजपाल ने सरेंडर करने का फैसला लिया।

सरेंडर से पहले किया खुलासा- लॉरेंस बिश्नोई गैंग के शूटर राजपाल ने सरेंडर करने से पहले मीडिया से कहा कि खरगोन का व्यापारी दिलीप छोटी बच्चियों पर गलत नजर रखता था और किसानों के साथ अत्याचार करता था। इसी कारण उसे सबक सिखाने के लिए पहले उसके साथियों ने हमले की कोशिश की। असफल होने पर हेरी बॉक्सर से इस वारदात को अंजाम दिया था। मामले में पुलिस उसके परिवार को परेशान कर रही थी। राजपाल ने खुलेआम चेतावनी देते हुए कहा कि जो भी गलत काम करेगा, उसे लॉरेंस गैंग नहीं छोड़ेगी। इस बयान के बाद क्षेत्र में दहशत का माहौल बन गया है।

एनआईए कर चुकी जांच -राजपाल और योगेश भाटी का नाम पहले भी कई बड़े आपराधिक मामलों में सामने आ चुका है। मोहाली में स्थित पुलिस के खुफिया विभाग के मुख्यालय पर हुए रॉकेट लॉन्चर हमले के मामले में आरोपी दीपक रंगा को पनाह देने के आरोप में भी राजपाल और योगेश भाटी का नाम सामने आया था। इस मामले में एनआईए ने दोनों को हिरासत में लेकर पूछताछ की थी।

अमृत 2.0 कार्यों का निरीक्षण करने पहुंचे संभागायुक्त

ड्रेनेज-सीवरेज पाइपलाइन कार्यों में सुरक्षा मानकों से समझौता न करने की सख्त हिदायत

उज्जैन/दैनिक मालवा हेराल्ड। आगामी सिंहस्थ को लेकर प्रशासन ने तैयारियों की रफ्तार तेज कर दी है। इसी क्रम में संभागायुक्त ने गुरुवार को शहर में चल रहे अमृत 2.0 परियोजना के तहत निर्माण कार्यों का निरीक्षण किया और अधिकारियों को काम में तेजी लाने के निर्देश दिए।

संभागायुक्त आशीष सिंह ने मक्सी रोड स्थित एमआर-5 रोड पर चल रहे ड्रेनेज पाइपलाइन कार्य का जायजा लिया। इसके बाद उन्होंने खाक चौक चौराहे पर जारी निर्माण कार्यों की प्रगति भी देखी। निरीक्षण के दौरान उन्होंने मौके पर मौजूद अधिकारियों से कार्य की गुणवत्ता, गति और सुरक्षा इंतजामों की जानकारी ली।

निरीक्षण के दौरान कलेक्टर रौशन कुमार सिंह एवं नगर निगम आयुक्त अभिलाष मिश्रा भी उपस्थित रहे। अधिकारियों ने कार्यों की वर्तमान स्थिति से अवगत कराया, जिस पर संभागायुक्त ने स्पष्ट निर्देश दिए कि सिंहस्थ जैसे बड़े आयोजन को ध्यान में रखते हुए सभी कार्य समय सीमा में पूर्ण किए जाएं।

संभागायुक्त ने विशेष रूप से पंचकोशी पैदल मार्ग पर चल रहे कार्यों को प्राथमिकता से पूरा करने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि श्रद्धालुओं की सुविधा और सुरक्षा सर्वोपरि है, ऐसे में जहां भी निर्माण कार्य जारी है, वहां पर्याप्त सुरक्षा व्यवस्था सुनिश्चित की जाए। उन्होंने यह भी कहा कि कार्य की गुणवत्ता से किसी भी प्रकार का समझौता न किया जाए और सभी विभाग आपसी समन्वय के साथ तेजी से कार्य पूर्ण करें, ताकि सिंहस्थ से पहले शहर की मूलभूत व्यवस्थाएं दुरुस्त हो सकें।

प्रमुख निर्देश एक नजर में

अमृत 2.0 के कार्यों की गति तत्काल बढ़ाई जाए

पंचकोशी पैदल मार्ग के सभी कार्य प्राथमिकता से पूरे हों

निर्माण स्थलों पर सुरक्षा मानकों का सख्ती से पालन हो

गुणवत्ता से समझौता नहीं, समय सीमा में कार्य पूर्ण करें

विभागों के बीच समन्वय बनाकर कार्य में तेजी लाएं

जिला स्तरीय मातृ एवं शिशु मृत्यु दर में कमी लाने के लिए समीक्षा बैठक सम्पन्न

उज्जैन/दैनिक मालवा हेराल्ड। जिला स्तरीय मातृ एवं शिशु मृत्यु दर में कमी लाने के लिए किए जा रहे कार्यों की समीक्षा बैठक का आयोजन 02 अप्रैल को जिला मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी डॉ. अशोक कुमार पटेल की अध्यक्षता में कार्यालय मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी, जिला उज्जैन मे किया गया। बैठक मे सिविल सर्जन सह मुख्य अस्पताल अधीक्षक डॉ. संगीता पलसानिया, जिला स्वास्थ्य अधिकारी डॉ. जितेंद्र राजपूत, खण्ड चिकित्सा अधिकारी, जिला कार्यक्रम प्रबंधक श्री मनीष भद्रावाले, जिला मूल्यांकन एवं अनुश्रवण अधिकारी सुश्री परविंदर बग्गा, जिला कम्युनिटी मोबिलाईजर श्री अनस कुरैशी, बीपीएम, बीसीएम सहित विभिन्न अधिकारी, कर्मचारी उपस्थित हुए।

बैठक में जिले के नागदा के मातृ मृत्यु दर का रिव्यू किया गया, जिसमे संबंधित क्षेत्र की सी.एच.ओ. (कम्युनिटी हेल्थ ऑफिसर) की गैर जिम्मेदाराना रवैये के कारण सी.एच.ओ. को सेवा से पृथक करने के लिए वरिष्ठ स्तर पर प्रस्ताव प्रेषित किया। नागदा क्षेत्र में ही गर्भवती महिला को समय पर उचित स्थान पर रैफर न करने पर चिकित्सक पर कार्यवाही करने का नोटिस दिया। इसी प्रकार उज्जैन शहरी क्षेत्र के दो वार्डो में कार्यरत महिला स्वास्थ्य कार्यकर्ता के द्वारा लापरवाही बरतने पर 07-07 दिवस का वेतन काटे जाने की कार्यवाही की गई।

जिले मे शतप्रतिशत ए.एन.सी. पंजीयन सुनिश्चित कर, उनकी चार ए.एन.सी. जांच करने एवं हाईरिस्क गर्भवती महिला का चिन्हांकन कर उनका प्रसव पूर्व पूर्ण प्रबंधन सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। हाईरिस्क गर्भवती महिलाओं की सूची भी संस्था पर चस्पा कर उनसे समन्वय कर उनकी पूर्ण निगरानी रखने एवं सुरक्षित संस्थागत प्रसव सम्पादित करने के निर्देश दिए गए।

बैठक में निर्देश दिए गए कि प्रत्येक मंगलवार व शुक्रवार को ए.एन.सी. क्लिनिक में गर्भवती महिलाओं का स्वास्थ्य परीक्षण कर उनको स्वास्थ्य सेवाएं उपलब्ध कराई जाएं। मॉडरेट एनीमिया गर्भवती महिलाओं, सिवीयर एनीमिया गर्भवती महिलाओं का भी प्रबंधन कर नियमित फॉलोअप भी लिया जाएं। प्रधानमंत्री सुरक्षित मातृत्व अभियान के तहत् प्रतिमाह दिनांक 09 व 25 को आयोजित होने वाले शिविरों में गर्भवती महिलाओं एवं हाईरिस्क गर्भवती महिलाओं को बेहतर स्वास्थ्य सेवाएं, जांच सेवाएं एवं सोनोग्राफी की निःशुल्क सेवाएं उपलब्ध कराएं। जिले में किसी भी क्षेत्र मे मातृ एवं शिशु मृत्यु होने पर निर्धारित प्रोटोकॉल अनुसार 24 घंटे के भीतर वरिष्ठ स्तर पर जानकारी उपलब्ध करवाने एवं रिव्यू कर सुधारात्मक कार्यवाही करने सहित इसकी रिपोर्टिंग भी करने के निर्देश दिए गए।

सिलेंडर सप्लाई पर असरः होम डिलीवरी करने वाले हॉकर्स की कमी से बढ़ी परेशानी

अवैध गैस बिक्री पर सख्ती के बाद आधे रह गए हॉकर्स, 2-3 दिन की जगह अब देर से मिल रहा सिलेंडर

उज्जैन/दैनिक मालवा हेराल्ड। घरेलू गैस सिलेंडरों की अवैध बिक्री पर जिला प्रशासन द्वारा की गई सख्ती का असर अब आम उपभोक्ताओं पर साफ दिखाई देने लगा है। पिछले दो सप्ताह से शहर में गैस सिलेंडर की सप्लाई प्रभावित हो रही है। खासकर घर-घर सिलेंडर पहुंचाने वाले हॉकर्स की संख्या कम होने से लोगों को समय पर गैस नहीं मिल पा रही है और परेशानी बढ़ गई है।

जानकारी के मुताबिक, पहले एक गैस एजेंसी में 20 से अधिक हॉकर्स सक्रिय रहते थे, जो घर-घर सिलेंडर पहुंचाने के साथ-साथ अवैध रूप से गैस की सप्लाई भी करते थे। लेकिन प्रशासन, पुलिस और खाद्य विभाग की लगातार निगरानी और कार्रवाई के चलते अब इनकी संख्या घटकर लगभग आधी रह गई है। ऐसे में सिलेंडर की होम डिलीवरी व्यवस्था पर सीधा असर पड़ा है। दरअसल, हॉकर्स की कमाई का बड़ा हिस्सा घरेलू गैस सिलेंडरों के दुरुपयोग से जुड़ा हुआ था। घरेलू उपयोग के लिए मिलने वाली गैस को अवैध रूप से ऑटो, होटल, ढाबों और छोटे व्यवसायों में खपाया जाता था, जिससे उन्हें प्रति सिलेंडर अच्छा-खासा कमीशन मिल जाता था। लंबे समय से यह नेटवर्क सक्रिय था, लेकिन प्रशासन की सख्ती के बाद इस पर रोक लगी है।

जिला प्रशासन का कहना है कि यह स्थिति अस्थायी है और जल्द ही सप्लाई व्यवस्था सामान्य कर दी जाएगी। अधिकारियों के अनुसार, उपभोक्ताओं के घर तक सिलेंडर समय पर पहुंचाने के लिए लगातार प्रयास किए जा रहे हैं, ताकि किसी को अनावश्यक परेशानी का सामना न करना पड़े।

डिलीवरी में हो रही देरी

उपभोक्ताओं के अनुसार, पहले बुकिंग के 2 से 3 दिन के भीतर सिलेंडर मिल जाता था, लेकिन अब इसमें अधिक समय लग रहा है। हॉकर्स की कमी के कारण एजेंसियां समय पर डिलीवरी नहीं कर पा रही हैं।

एक नजर में जिले में स्थिति

जिले में लगभग 55 गैस एजेंसियां संचालित हैं और करीब 5.50 लाख उपभोक्ता हैं। प्रतिदिन 10 से 12 हजार सिलेंडर की बुकिंग होती है, जबकि 8 से 10 हजार सिलेंडर की ही डिलीवरी हो पा रही है। यही अंतर उपभोक्ताओं की परेशानी का मुख्य कारण बन रहा है।

नियम और जिम्मेदारी

गैस एजेंसी की जिम्मेदारी होती है कि बुकिंग के बाद उपभोक्ता तक समय पर सिलेंडर पहुंचाए। हॉकर्स इस काम को अंजाम देते हैं और एजेंसी से उन्हें भुगतान मिलता है, लेकिन कई मामलों में वे उपभोक्ताओं से भी अतिरिक्त पैसे लेते रहे हैं।

प्रशासन सख्त, अवैध कारोबार पर लगाम

प्रशासन द्वारा गैस एजेंसियों और वितरण केंद्रों की नियमित जांच की जा रही है। संदिग्ध गतिविधियों पर निगरानी बढ़ाई गई है और नियमों का उल्लंघन करने वालों पर कार्रवाई की जा रही है। इससे अवैध गैस कारोबार पर काफी हद तक लगाम लगी है, लेकिन इसका असर फिलहाल आम लोगों की सुविधा पर भी पड़ रहा है।